THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 17 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.1 2083 शनिवार, 18 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हरिवंश तीसरी बार राज्यसभा के उप-सभापति बने

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। हरिवंश नारायण सिंह तीसरी बार राज्यसभा के उप-सभापति बने हैं। उन्हें शुक्रवार को निर्विरोध चुना गया हैं। विपक्ष की ओर से कोई नाम नहीं आया था। पहली बार किसी मनोनीत सदस्य को राज्यसभा का उप-सभापति चुना गया है। हरिवंश के समर्थन में राज्यसभा सचिवालय को पांच प्रस्ताव मिले। सदन के नेता जेपी नड्डा ने पहला प्रस्ताव रखा, जबकि दूसरा प्रस्ताव नितिन नवीन ने दिया। पीएम मोदी ने कहा कि लगातार तीसरी बार उप-सभापति चुना जाना इस बात का प्रमाण है कि सदन को आप पर गहरा भरोसा है। बीते समय में आपके अनुभव का सदन को लाभ मिला है। आपने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है।

131वां संविधान संशोधन बिल गिरा

पक्ष में 298, विरोध में 230 वोट

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन संशोधन विधेयक पर व्यापक चर्चा के बाद अब इस महत्वपूर्ण बिल पर वोटिंग हुई ।

कुल 528 सदस्यों ने मतदान किया, जिसमें 298 सांसदों ने इस विधेयक के समर्थन में मतदान किया, जबकि 230 सांसदों ने इसके विरोध में वोट डाला। विधेयक पारित कराने के लिए दो-तिहाई सदस्यों यानी 352 वोट की जरूरत थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि यह विधेयक दो-तिहाई सदस्यों द्वारा पारित नहीं हो सका। अब इस संविधान संशोधन विधेयक पर आगे की कार्यवाही करना संभव नहीं है। दो अन्य विधेयकों के संबंध में आगे की कार्यवाही पर सत्ता पक्ष द्वारा निर्णय लिया जाना है।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने से जुड़ा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण विधेयक था। इसी पर यह नतीजा आया है। विपक्ष ने इसमें साथ नहीं दिया। बहुत खेद की बात है। आपने एक

ऐतिहासिक मौका गंवा दिया। महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का हमारा अभियान जारी रहेगा और हम उन्हें अधिकार दिलाकर ही रहेंगे। चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर तीखा प्रहार किया और स्पष्ट किया कि जो लोग परिसीमन का विरोध कर रहे हैं, वे वास्तव में एससी-एसटी (एससी-एसटी) समुदाय की सीटें बढ़ाने का विरोध कर रहे हैं। इसके साथ ही, धर्म के आधार पर आरक्षण की संभावना को सिरे से खारिज करते हुए शाह ने दक्षिणी और छोटे राज्यों को परिसीमन के बाद भी उनके उचित प्रतिनिधित्व का पूर्ण आश्वासन दिया है। वोटिंग से ठीक पहले गृह मंत्री के इस कड़े रुख ने इस विधेयक के ऐतिहासिक महत्व और राजनीतिक सरगर्मी को और बढ़ा दिया है।

हसीना के प्रत्यर्पण का मामला : रणधीर जायसवाल बोले-कानूनी प्रक्रिया जारी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत सरकार ने कई अहम कूटनीतिक और कानूनी मुद्दों पर अपना रुख साफ कर दिया है। बांग्लादेश के साथ बदल रहे रिश्तों से लेकर भगोड़ों को वापस लाने की जद्दोजहद तक, आज कई बड़ी खबरें निकलकर सामने आईं। बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर उठ रहे सवालों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, शेख हसीना के प्रत्यर्पण के संबंध में एक अनुरोध प्राप्त हुआ है, जिसकी हमारी न्यायिक और आंतरिक कानूनी प्रक्रियाओं के तहत जांच की जा रही है। भारत बांग्लादेश के साथ संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। जल्द ही दोनों देशों के बीच क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर आधिकारिक चर्चा होने की भी उम्मीद है। भारत 'नेबरहुड फर्स्ट' की नीति पर चलते हुए अपने पड़ोसियों के लिए संकटमोचक बनकर उभरा है। रणधीर जायसवाल ने बताया कि अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारत कई देशों को ईंधन की आपूर्ति कर रहा है। उन्होंने कहा कि मार्च मार्च में 22,000 मीट्रिक टन उच्च गति डीजल बांग्लादेश भेजा गया। वहीं, पिछले महीने 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम उत्पाद श्रीलंका पहुंचाए गए। इतना ही नहीं, मॉरीशस के साथ तेल और गैस की आपूर्ति के लिए एक सरकारी समझौते (जी2जी) को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश

> उन पर ब्रिटिश नागरिकता का आरोप > इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा-सीबीआई जांच करे

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। जज ने कहा, एफआईआर दर्ज करके मामले को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए। कोर्ट ने यह आदेश कर्नाटक भाजपा के कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया। उन्होंने राहुल गांधी पर ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाया था।

कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को खारिज करते हुए कहा कि मजिस्ट्रेट को लगाए गए आरोपों की सत्यता पर टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं थी। >14

इस पहेली का जवाब ऐसे ही नहीं बताऊंगा : राहुल

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने 'जादूगर' वाले बयान पर कहा कि यह एक पहेली है। वह उसका जवाब ऐसे नहीं बताएंगे। अगर इस शब्द का हल उन्हें मिल गया तो वह इसे जरूर बताएंगे। परिसीमन और महिला आरक्षण पर लोकसभा में जारी बहस के दौरान शुक्रवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब राहुल गांधी ने अपने संबोधन में अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए 'जादूगर' का जिक्र किया। >14

मेरी और पीएम की पत्नी नहीं : राहुल

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। संसद के विशेष सत्र में शुक्रवार को महिला आरक्षण बिल से जुड़े संशोधन बिल पर चर्चा चल रही थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपनी स्पीच के दौरान कहा कि उनकी और पीएम की पत्नी नहीं है। वहीं अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल हमेशा भाषण देकर भाग जाते हैं। निशिकांत दुबे ने कहा कि सोनिया, सीताराम केसरी की धोती खोलकर कांग्रेस अध्यक्ष बनी थीं। राहुल ने महिला आरक्षण बिल पर स्पीच शुरू करते हुए कहा कि इस हम सभी इस कमरे में बैठे सभी लोग जानते हैं कि महिलाओं के मुद्दे क्या हैं। >14

संसद का मजाक बना रखा है : कंगना

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के संबोधन के बाद बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने उनकी जमकर खिंचाई की है। कंगना रनौत ने कहा है कि वह पूरे देश और दुनिया में संसद का मजाक बना रहे हैं। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने बचपन के सदमें से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। उन्हें स्पीकर ने भी कहा कि रुक जाइए। उन्हें सुनना बहुत ही दुखदायी था। >14

पवन खेड़ा की ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की मांग खारिज

> सुप्रीम कोर्ट ने कहा-असम कोर्ट जाएं, खेड़ा बोले-क्या मैं अपराधी हूं?

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि वे अपनी याचिका असम की अदालत में दाखिल करें।

पवन खेड़ा की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी। उन्होंने कहा- असम की अदालतें बंद हैं, इसलिए उन्हें कुछ दिन का समय दिया जाए। क्या खेड़ा कोई अपराधी हूं, जो मुझे इतनी राहत भी नहीं मिल सकती? जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर की बेंच ने यह मांग ठुकरा दी। कोर्ट ने उन्हें गलत डाक्यूमेंट देने के लिए फटकार भी लगाई। यह मामला असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा को लेकर दिए

गए आरोपों से जुड़ा है। खेड़ा ने 5 अप्रैल को आरोप लगाया था कि उनके पास एक से ज्यादा पासपोर्ट और विदेश में संपत्तियां हैं, जिनका जिक्र चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान खेड़ा की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि ट्रांजिट जमानत शुक्रवार को खत्म हो रही है, इसलिए इसे मंगलवार तक बढ़ा दिया जाए ताकि वे सोमवार को असम में याचिका दाखिल कर सकें। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि खेड़ा ने सीधे असम की अदालत का रुख क्यों नहीं किया और पहले तेलंगाना हाईकोर्ट क्यों गए। सिंघवी ने जवाब दिया कि खेड़ा की पत्नी का हैदराबाद में घर है। वे वहां आते-जाते रहते हैं।

इस दौरान अटॉर्नी जनरल तुषार मेहता ने दस्तावेजों में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते समय आधार कार्ड के आगे और पीछे अलग-अलग लोगों की जानकारी दी गई थी। उनके मुताबिक, इसी आधार पर हाईकोर्ट से राहत ली गई और यह फोरम शॉपिंग का मामला है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने दस्तावेजों में गड़बड़ी को गंभीर माना और जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि खेड़ा असम की अदालत में जाकर अपनी बात रखें।

बंगाल में बॉर्डर पोस्ट पर आग

फ्यूल डिपो में धमाके से बीएसएफ अधिकारी की मौत

कोलकाता, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना में भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित बीएसएफ के एक बॉर्डर आउटपोस्ट में आग लगने से एक अधिकारी की मौत हो गई। घटना हिंगलगंज इलाके के बांक्रा बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) में हुई। अधिकारियों के अनुसार आग लगने से पहले फ्यूल डिपो में विस्फोट हुआ। इसके बाद तेजी से आग फैल गई।

इस दौरान असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) जगी राम डिपो के अंदर फंस गए और उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह फ्यूल डिपो सुंदरवन के नदीय क्षेत्रों में गश्त करने वाली बीएसएफ की नौकाओं के लिए ईंधन उपलब्ध कराता था। घटना में किसी अन्य के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। यह आउटपोस्ट बीएसएफ की 77वीं बटालियन के अंतर्गत आता है।

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के घर सुबह-सुबह ईडी की छापामारी

लुधियाना में दस्तावेज खंगाल रही टीम

लुधियाना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब के मंत्री और विधायक संजीव अरोड़ा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही है। छापेमारी गुरुग्राम, चंडीगढ़, लुधियाना और जालंधर में चल रही है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, जिन ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन हो रहा है, उनमें संजीव अरोड़ा, उनके करीबी कारोबारी हेमंत सूद और चंद्रशेखर अग्रवाल के घर और दफ्तर शामिल हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, संजीव अरोड़ा की कंपनी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड (पूर्व में रितेश प्रॉपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड) रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में सक्रिय है। फिलहाल इसके मैनेजिंग डायरेक्टर उनके बेटे काव्य अरोड़ा हैं, जिनके ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है।

ईडी का आरोप है कि कंपनी के जरिए भूमि उपयोग में अवैध बदलाव, फर्जी और बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए सौदों, शेयर कीमतों में हेराफेरी, इनसाइडर ट्रेडिंग और विदेश से काले धन की राउंड ट्रिपिंग जैसी गंभीर अनियमितताएं की गईं। जांच में लुधियाना के कारोबारी हेमंत सूद, जो फाइनेंशियल फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड नामक फाइनेंशियल और स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी चलाते हैं, को इस कथित नेटवर्क की एक अहम कड़ी बताया गया है। ईडी का आरोप है कि उन्होंने यूएई से अवैध धन को भारत लाने और शेयर बाजार में इनसाइडर ट्रेडिंग के जरिए मुनाफा कमाने में मदद की। इसके अलावा, हेमंत सूद पर हवाला और सट्टेबाजी ऑपरेटर्स के काले धन को ईपीआई रूट के जरिए भारत में वापस लाने में सहायता करने का भी संदेह जताया गया है। जालंधर के कारोबारी चंद्रशेखर अग्रवाल का नाम भी जांच के दायरे में आया है। ईडी के अनुसार, उन्होंने क्रिकेट सट्टेबाजी से शुरुआत कर बाद में हवाला और ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क खड़ा किया। आरोप है कि 'खिलाड़ी बुक' नाम के प्लेटफॉर्म के जरिए हजारों लोगों को ठगा गया। जांच एजेंसी का दावा है कि इस अवैध कमाई को पहले यूएई में जमा किया गया और फिर फाइडॉक के माध्यम से भारत लाकर संजीव अरोड़ा के रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में निवेश किया गया।

ईडी को आशंका है कि संजीव अरोड़ा पर राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर अवैध सट्टेबाजी और हवाला कारोबार को संरक्षण देने और इसके बदले मुनाफे में हिस्सेदारी लेने के आरोप हैं। साथ ही, कंपनियों और एंट्री ऑपरेटर्स के जरिए काले धन को वैध निवेश में बदलने की कोशिश की गई। सूत्रों के मुताबिक, जांच में फर्जी एक्सपोर्ट बिल, गैर-मौजूद जीएसटी कंपनियों से नकली खरीद और विदेश से धन घुमाकर लाने जैसे तरीकों के इस्तेमाल के संकेत भी मिले हैं। फिलहाल ईडी की कार्रवाई जारी है और जांच के नतीजों का इंतजार किया जा रहा है।

ईडी के इस एक्शन पर आम आदमी पार्टी ने कड़ा विरोध जताया है। पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा आम आदमी पार्टी के नेता के यहाँ तीन दिन में ये दूसरी ईडी की रेड है। क्या प्रधानमंत्री जी बतायेंगे कि अभी तक "आप" नेताओं के यहाँ जो इतनी सारी अनगिनत रेड की हैं, उनमे कितना काला पैसा मिला? एक रुपया भी मिला? पूरा देश देख रहा है कि आप केवल सत्ता के लिए कितनी ओछी राजनीति कर रहे हैं।

जमानत पर बाहर आए रेपिस्ट को परिजनों ने गला घोंटकर मार डाला

नर्मदापुरम, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में एक परिवार ने बेटी के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को सजा देने के लिए कानून अपने हाथ में ले लिया और रेप आरोपी की बेरहमी से हत्या कर उसके शव को कुएं में फेंक दिया। बताया जाता है जेल से जमानत पर बाहर आए आरोपी को परिजनों को पहले अगवा किया और गला घोंटकर हत्या की और फिर अपराध छुपाने के लिए उसके शव को कुएं में फेंक दिया था। प्रतिशोध की आग में जल रहे परिवार ने कानून को ताख पर रखकर जेल से बाहर हुए रेप आरोपी की हत्या को अंजाम दिया।

योजना बनाकर परिजनों ने पहले आरोपी को अगवा किया, बंधक बनाकर पीटा, फिर गला घोंटकर उसकी हत्या को अंजाम दिया। परिजनों ने अपराध छुपाने के लिए उसके शव को छिपाने की कोशिश की, लेकिन वो नाकाम रहे। मामला नर्मदापुरम जिले का है, जहां 24 वर्षीय रेप आरोपी युवक विश्वास उर्फ छोटू गुर्जर की बेरहमी से गला घोंटकर हत्या का मामला सामने आया है।

चुनाव से पहले आईटी की कार्रवाई

टीएमसी विधायक देबाशीष कुमार पर कसा शिकंजा, कोलकाता में घर-दफ्तर छापेमारी

कोलकाता, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलकाता में चुनाव से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक देबाशीष कुमार के ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई ने सियासी माहौल गरमा दिया है। शुक्रवार सुबह करीब छह बजे इनकम टैक्स की टीम ने दक्षिण कोलकाता के मनोहरपुकुर रोड स्थित उनके घर और उनके चुनावी दफ्तर पर एक साथ छापेमारी शुरू की।

फिलहाल इस कार्रवाई की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि देबाशीष कुमार हाल ही में एक जमीन घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में भी रहे हैं।

उन्हें कई बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था और उन्होंने एजेंसी के सामने पेश होकर जवाब भी दिए थे। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या उनका कारोबारी अमित गांगोपाध्याय के साथ कोई वित्तीय लेन-देन रहा है, जिनके ठिकानों पर भी हाल में छापे पड़े थे। यह पूरी कार्रवाई ऐसे समय पर हुई है जब राशबेहारी सीट पर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। यहां 29 अप्रैल को वोटिंग होगी और 4 मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे। इस सीट से भाजपा ने वरिष्ठ लेखक और राजनीतिक विश्लेषक स्वपन दासगुप्ता को उम्मीदवार बनाया है।

इस छापेमारी के दौरान देबाशीष कुमार के घर के बाहर तनाव की स्थिति भी देखने को मिली। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हालात को काबू में रखने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। कुल मिलाकर, चुनाव से पहले हुई इस कार्रवाई ने बंगाल की राजनीति में हलचल तेज कर दी है और आने वाले दिनों में इसका असर चुनावी माहौल में भी देखने को मिल सकता है।

पंजाब में रेल रोको आंदोलन स्थगित

तीन दिन के लिए रोका गया आंदोलन किसान यूनियनों ने लिया फैसला

चंडीगढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब की मंडियों में गेहूं खरीद शुरू न होने से नाराज किसानों ने आज रेल रोको आंदोलन का एलान किया था। अब इसे तीन दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने बताया कि यह फैसला रणनीति के तहत लिया गया है। पंधेर ने सरकार के रवैए पर नाराजगी जताते हुए कहा कि किसानों की मांगों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बातचीत के बजाय टालमटोल की नीति अपना रही है, जिससे किसानों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लेती, तो किसान फिर से आंदोलन को तेज करेंगे। पंधेर ने स्पष्ट किया कि किसान अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने वाले नहीं हैं और जरूरत पड़ी तो 'रेल रोको' आंदोलन दोबारा शुरू किया जाएगा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि से फसल पहले ही प्रभावित है

हथियारों का जखीरा जब्त

जो पाकिस्तानी आतंकवादियों से बरामद हुआ एके-47 से लेकर एके-56 राइफल तक दिखेंगे

श्रीनगर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में सक्रिय पाकिस्तानी आतंकवादियों से बरामद किए गए हथियारों को कश्मीर में स्थित 'फिफ्टीन कोर मुख्यालय' के भीतर बने एक संग्रहालय 'इबादत-ए-शहादत' में एक साथ सुरक्षित रखे गए हैं। 1990 से लेकर अब तक, "ऑपरेशन रक्षक" जैसे अभियानों के दौरान भारतीय सेना ने अलग-अलग समय पर मारे गए आतंकवादियों से बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए हैं।

इनमें पिस्तौल, एके-47, एके-56 राइफलें और अन्य हथियार बड़ी मात्रा में शामिल हैं। ये वे हथियार हैं जो कश्मीर घाटी में सक्रिय पाकिस्तानी आतंकवादियों से बरामद किए गए थे। भारतीय सेना द्वारा उन्हें मार गिराए जाने के बाद, इन हथियारों को जब्त कर लिया गया था।

आप इनमें से कई हथियारों पर अभी भी गोलियों के निशान देख सकते हैं, जो उन मुठभेड़ों की तीव्रता को दर्शाते हैं। सेना का कहना है कि जब भी आप कश्मीर जाएँ, तो इस जगह को देखना न भूलें और पूरे गर्व व कृतज्ञता के साथ देश के वीर सैनिकों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें।

बता दें कि इबादत-ए-शहादत' संग्रहालय का उद्घाटन 8 दिसंबर 2004 को दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे. अब्दुल कलाम ने किया था। यह संग्रहालय इंडियन आर्मी के पराक्रम की कहानी बयां करता है। यह प्रदर्शनी कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, सुरक्षा बलों के संघर्ष और समर्पण से जुड़ी वस्तुओं को प्रदर्शित करता है।

अवैध पोस्त खेती पर पुलिस का शिकंजा, 21 किलो से अधिक अफीम की फसल जब्त

कठुआ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 21.68 किलोग्राम अवैध रूप से उगाई गई अफीम (पोस्त) की फसल जब्त कर नष्ट कर दी। इस मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, बिलावर के पलान इलाके में अवैध पोस्त की खेती की सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में एक टीम ने गुरुवार को कार्रवाई की।

मौके पर पहुंचकर पुलिस ने फसल को जब्त कर कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उसे नष्ट कर दिया। इस मामले में पलान निवासी खुर्शी मोहम्मद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बिलावर थाने में केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

जमानत मिली, लेकिन राहत नहीं

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्णा दास जेल में ही रहेंगे

चटगांव, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश के चटगांव की एक अदालत ने हिंदू संत चिन्मय कृष्णा दास को एक मामले में जमानत दे दी है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट सखावत हुसैन ने सुनाया। हालांकि, उनके खिलाफ अन्य कई गंभीर मामले दर्ज होने की वजह से वे अभी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे और पुलिस हिरासत में ही रहेंगे। जिस मामले में उन्हें जमानत मिली है, वह साल 2023 का है। इस केस को पूर्व मंत्री मीर मोहम्मद नासिर उद्दीन ने दर्ज कराया था।

आरोप है कि चटगांव के हठजारी इलाके में जमीन कब्जाने, धमकाने और मारपीट की घटना हुई थी। इस मामले में चिन्मय कृष्ण दास सहित कुल छह लोगों को आरोपी बनाया गया था। उनके वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने बताया कि इसी केस में अदालत ने उन्हें राहत दी है। चिन्मय दास की मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई हैं, क्योंकि उन पर और भी गंभीर आरोप हैं।

26 नवंबर 2024 को देशद्रोह के एक मामले में सुनवाई के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस

दौरान वकील सैफुल इस्लाम की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उनके पिता ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था।

इस मामले में पुलिस ने 1 जुलाई को ही चार्जशीट दाखिल कर दी थी। पुलिस का कहना है कि वकील की हत्या चिन्मय कृष्ण दास के उकसाने और निर्देश देने पर हुई थी। 25 अगस्त को अदालत ने इस चार्जशीट को स्वीकार कर लिया था और कुल 39 लोगों के खिलाफ मामला चल रहा है। फिलहाल यह मामला कोर्ट में चल रहा है और गवाहों की गवाही ली जा रही है। इसलिए, एक केस में जमानत मिलने के बावजूद चिन्मय कृष्ण दास को अभी जेल में ही रहना होगा।

गारमेंट कारोबार के नाम पर साढ़े 3 करोड़ की ठगी का आरोप

इंदौर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के हीरानगर में तीन दिन पहले रमेश जोशी ने अपनी पत्नी के साथ अंकित, अभिषेक और गुलशन द्वारा बंधक बनाए जाने के मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी। जोशी ने बताया था कि उनके बेटे अंकित जोशी का आरोपियों से 40 लाख रुपए का लेन-देन है। हालांकि, इस मामले में करीब एक दर्जन लोग क्राइम ब्रांच के डीसीपी से मिलने पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि ब्रांडेड फैशन और गारमेंट इंडस्ट्री के नाम पर अंकित, उसकी पत्नी और माता-पिता ने साढ़े तीन करोड़ रुपए की ठगी की है।

पैसे मांगने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जाती है। डीसीपी राजेश त्रिपाठी के कार्यालय पर पहुंचे लोगों ने अंकित जोशी, उसकी पत्नी खुशबू, भाई अनुज, पिता रमेश जोशी, मां जमुना जोशी और पार्टनर संदीप साहू पर फर्जीवाड़े के आरोप लगाए।

हाई कोर्ट ने अल्लू अर्जुन से पूछा

दिल्ली से तेलंगाना के बीच कई राज्य, यहां क्यों दायर की याचिका?

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की मांग वाली तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट आदेश पारित करेगा। शुक्रवार को मामले पर सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि अदालत मामले पर अंतरिम आदेश पारित करेगी। हालांकि, पीठ ने दिल्ली और अर्जुन के गृह राज्य तेलंगाना के बीच की भौगोलिक दूरी का जिक्र करते हुए कहा कि शुरू में अर्जुन के दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर करने पर सवाल किया। पीठ ने कहा कि आप यहां क्यों आए हैं? बीच में पांच राज्य पड़ते हैं।

अल्लू अर्जुन की तरफ से पेश हुई वरिष्ठ अधिवक्ता स्वाति सुकुमार ने कहा कि पूरे देश में उल्लंघन हो रहा है और यह सचमुच डरावना है कि प्रतिवादियों में से एक ने

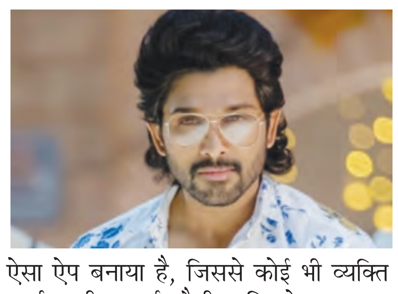

ऐसा ऐप बनाया है, जिससे कोई भी व्यक्ति अर्जुन की एआई जैसी छवि से बात कर सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि कई अन्य मशहूर हस्तियों के विपरीत, अर्जुन ने अपने नाम और हस्ताक्षर का ट्रेडमार्क करवाया हुआ है। उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल ने अपने सभी रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क की जानकारी दी है। मेरे पास 26 रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क हैं। मध्यस्थ सोशल मीडिया की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता कहा कि कोर्ट वैश्विक स्तर पर निषेधाज्ञा आदेश जारी नहीं कर सकता, क्योंकि यह मामला अभी एक दो सदस्यीय पीठ के सामने सुनवाई के लिए लंबित है। अदालत ने उक्त अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

देहरादून विवाद पर मासूम शर्मा ने माफी मांगी: गैंगस्टर की धमकी से तनाव में था, चंडीगढ़ में पत्रकारों पर भड़के

चंडीगढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा ने एक बड़ा खुलासा किया है। शर्मा ने कहा कि उन्हें गैंगस्टर की ओर से जान से मारने की धमकी मिली थी। उन्होंने बताया कि अमेरिका में रह रहे उनके भाई को फोन कर धमकाया गया कि "मासूम का 20-25 करोड़ का बीमा करवा लो, उसके बच्चे पल जाएंगे। वह आज देहरादून से वापस नहीं जाएगा।" साथ ही उनके भाई को भी भारत न आने की चेतावनी दी गई।

मासूम शर्मा ने कहा कि इस धमकी से उनका परिवार बेहद घबरा गया था। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत गुस्सा आ रहा था और समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। सिंगर के मुताबिक, धमकी देने वाले लोग उनके एक कार्यक्रम में भी मौजूद थे, जहां भारी भीड़ थी। इसी दौरान गुस्से में उनके मुंह से आपत्तिजनक शब्द निकल गए। उन्होंने इस पूरे मामले में माफी मांगते हुए कहा कि वे महिलाओं का बहुत सम्मान करता हूं। जो भी हुआ, गुस्से में हुआ, उसके लिए मैं माफी चाहता हूं।

12वीं फेल होने पर छात्रा ने जहर खाया

इंदौर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। गांधी नगर इलाके में रहने वाली एक छात्रा ने गुरुवार को जहर खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां देर रात उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि एक दिन पहले छात्रा का 12वीं का रिजल्ट आया था। वह फेल हो गई थी। इसके चलते छात्रा ने यह कदम उठा लिया।

गांधी नगर पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली खुशी (18)पुत्री आलोक मौर्य ने अपने घर में जहर खा लिया था। उसका निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि खुशी तीन सब्जेक्ट में फेल हो गई थी। इसके बाद से वह डिप्रेशन में चल रही थी। खुशी इलाके के निजी स्कूल में ही पढ़ाई कर रही थी। उसके पिता स्क्रैप का काम करते हैं। वहीं परिवार में एक छोटा भाई है। परिजनों ने बताया कि जिस दिन उसका रिजल्ट आया। उस दिन वह रो रही थी। तब उसे समझाया था कि वह इस साल फिर से मेहनत कर ले, लेकिन वह डिप्रेशन में चली गई। परिवार ने बताया कि स्कूल के और भी बच्चों का रिजल्ट बिगड़ा है।

पुलिस के मुताबिक उन्हें किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों के बयान के बाद मामले में जांच की जा रही है।

यादगीर में भीषण सड़क हादसा

बस से भिड़ंत के बाद कार में लगी आग; 6 लोगों की जलकर मौत

यादगीर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। शुक्रवार को कर्नाटक के यादगीर जिले में एक कार और एक निजी बस के बीच आमने-सामने की टक्कर के बाद कार में भीषण आग लगने से एक दुखद सड़क दुर्घटना में छह लोगों की जान चली गई।

कार में सवार छह लोग जिंदा जल गए, जबकि स्थानीय लोगों ने गाड़ी से दो अन्य लोगों को बचा लिया। उन्हें गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में से एक की हालत गंभीर है। पुलिस के अनुसार, यह घटना सुरपुर तालुका के देवपुर के पास, सुरपुर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर हुई।

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, कार यादगीर से रायचूर की ओर जा रही थी, तभी उसकी टक्कर बेंगलुरु से कालबुरागी की ओर आ रही एक निजी बस से हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार और बस दोनों में तुरंत आग लग गई।

पुलिस ने हमले के बाकी आरोपियों को किया गिरफ्तार, ब्रिगेडियर और बेटे पर किया था हमला

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत एन्क्लेव में सेना के ब्रिगेडियर और उनके बेटे पर हमला करने के बाकी फरार आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के सिलसिले में पुलिस ने विमानन कंपनी के निदेशक सतेंद्र उर्फ सोनू (49) और ढाबा मालिक संजय शर्मा (56) को मंगलवार को गिरफ्तार किया था, जिन्हें थाने से ही जमानत मिल गई थी।

अब गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सुरजीत सिंह (36), सुनील शर्मा (53), आशीष (32) और सतेंद्र (35) शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी महरम नगर में एक साथ बैठे थे, तभी मुख्य आरोपी सतेंद्र का फोन आया। सतेंद्र ने वसंत एन्क्लेव में हुई झगड़े के संबंध में जानकारी दी। इसके बाद, सभी आरोपी सुरजीत की कार से घटना स्थल के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर पहुंचने पर आरोपियों और अन्य पक्षों के बीच झड़प हुई, जिसके बाद सभी अपने-अपने घरों को लौट गए। बाद में मामला दर्ज होने की जानकारी मिलने पर आरोपी अपने घरों से फरार हो गए थे।

अवैध संबंध या कुछ और: युवक पर कोयते से हमला कर लहूलुहान करने वाले पति-पत्नी गिरफ्तार

नासिक, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में एक युवक पर पति-पत्नी ने मिलकर धारदार हथियार से हमला किया था। इसके बाद वे फरार हो गए थे, अब ये दोनों पुलिस के हत्थे चढ़ गए हैं। नासिक के विल्होली इलाके में एक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे मुख्य आरोपियों पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हनुमंत शिंदे और उसकी पत्नी साधना शिंदे को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को नासिक और अहिल्यानगर (अहमदनगर) जिले की सीमावर्ती इलाके से हिरासत में लिया गया। पति-पत्नी ने मिलकर सूरज सोलंकी नामक युवक की जान लेने की कोशिश की थी। हमले के दौरान कोयते का इस्तेमाल किया गया था,

टीएमसी की मतदाता सूची में घुसपैठियों को शामिल करने की साजिश

बेरोजगार स्थानीय कर रहे पलायन: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर मतदाता सूची में घुसपैठियों के नाम शामिल करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टीएमसी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास का विरोध कर रही है, जबकि सही कारणों से नाम हटाए गए लोगों ने कोई विरोध नहीं किया। फडणवीस ने कोलकाता में एक प्रेस वार्ता में ये बाते कही। फडणवीस ने कहा, जिनके नाम सही कारणों से हटाए गए, उन्होंने विरोध नहीं किया।

केवल टीएमसी को ही समस्या क्यों है? उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर पर कुछ टिप्पणियां की थीं, लेकिन इसे रोका

नहीं था, फिर भी टीएमसी इस प्रक्रिया को पूरी तरह रोकना चाहती थी। उन्होंने कहा कि मृत, स्थानांतरित और अनधिकृत मतदाताओं के नाम हटाने के लिए हर दस साल में ऐसी प्रक्रिया की जानी चाहिए। टीएमसी के भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासियों पर हमलों के आरोपों का जवाब देते हुए, फडणवीस ने इन दावों का खंडन किया।

फडणवीस ने कहा कि एसआईआर में संवैधानिक प्रावधान हैं कि अंत तक, यदि कोई गलत व्यक्ति निवारण चाहता है, तो वह कानूनी सहारा ले सकता है और अपील कर सकता है। उन्होंने इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के आदेश का उल्लेख किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे अभ्यास हर दस साल में किए जाने चाहिए। टीएमसी के आरोपों का खंडन करते हुए फडणवीस ने कहा, टीएमसी सरकार को शर्म महसूस करनी चाहिए अगर बंगाल के लोगों को हर तरह की नौकरी के लिए राज्य छोड़ना पड़ता है।

लोकसभा में डिंपल यादव ने यूपी के बीजेपी सांसदों को फंसा दिया

यूपी के बीजेपी नेता भी ओबीसी महिलाओं के लिए मतदान में समर्थन करेंगे

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने राज्य के भारतीय जनता पार्टी के सांसदों को अपने अंदाज में फंसा दिया है। महिला आरक्षण विधेयक पर अपनी बात रखते हुए डिंपल ने बड़ी मांग भी की।

सपा सांसद ने 17 अप्रैल 2026, गुरुवार को लोकसभा में कहा कि हमारे सामने वाले, भारतीय जनता पार्टी को अल्पसंख्यकों से तो किसी तरह का द्वेष, किसी तरह की चिढ़ है सामने बैठे हुए लोगों को लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे जो यूपी के सांसद हैं, भारतीय जनता के, वह ओबीसी महिलाओं के लिए मना नहीं करेंगे।

तो वाकई में आपको अगर संशोधन लाना था तो आप उसके तहत ओबीसी महिलाओं को आरक्षण देने का फैसला करते। उन्होंने मांग की है कि आरक्षण में अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को आरक्षण दें।

सुविचार

किसी के सहारे मत बैठो कुछ लोग मदद भी सिर्फ दिखावे के लिए करते है!

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ईवी इकोसिस्टम विकसित करने पर जोर

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने शुक्रवार को सचिवालय में इस संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और राज्य में ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से बढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बढ़ने और स्थिरता लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना जरूरी है। इसके लिए एक मजबूत और व्यापक चार्जिंग नेटवर्क विकसित करना आवश्यक है, जिससे उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकारी और निजी क्षेत्र की भागीदारी से चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए एक व्यापक और दूरदर्शी योजना तैयार की जाए।

उन्होंने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सुलभ, विश्वसनीय और प्रभावी चार्जिंग सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए एक समन्वित इकोसिस्टम विकसित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत रियल-टाइम डैशबोर्ड विकसित करने के भी निर्देश दिए, जिससे योजना, प्रगति और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव नवीन मित्तल ने बताया कि अपार्टमेंट भवनों के बेसमेंट में ईवी चार्जिंग प्वाइंट अनिवार्य करने के लिए नीति तैयार की जा रही है, जिससे शहरी क्षेत्रों में घर पर चार्जिंग की सुविधा बढ़ेगी और ईवी अपनाने को प्रोत्साहन मिलेगा। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेश्वरम बैराजों की मरम्मत के लिए सेना विशेषज्ञ नियुक्त

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत बनाए गए तीन प्रमुख बैराजों की मरम्मत के कार्य में तेजी ला दी है। इसके तहत मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदरिल्ला बैराजों की मरम्मत और स्थायी समाधान के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया है। सरकार ने इन कार्यों के समन्वय और निगरानी के लिए एक उच्चस्तरीय संचालन समिति गठित की है। इस समिति के संयोजक के रूप में सेवानिवृत्त सेना अधिकारी और सिंचाई एवं टनलिंग विशेषज्ञ कर्नल परिक्षित मेहरा को नियुक्त किया गया है। समिति सप्ताह में दो बार बैठक कर कार्यों की समीक्षा करेगी, जबकि प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है। मानसून से पहले महत्वपूर्ण निरीक्षण कार्य पूरे करने की समय-सीमा तय की गई है। सरकार ने 30 मई तक जियोटेक्निकल और जियोफिजिकल परीक्षण पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बैराजों की नींव की मजबूती का आकलन किया जा सके। मरम्मत कार्य केंद्रीय जल आयोग और राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण की सिफारिशों और मंजूरी के अनुसार किए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य पहले अन्नाराम और सुंदरिल्ला बैराजों को पूरी तरह तैयार करना और उसके बाद मेडिगड्डा बैराज को आंशिक रूप से संचालन में लाना है।

शास्त्रीपुरम रोड ओवर ब्रिज शुरू यात्रियों को बड़ी राहत

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में लंबे समय से प्रतीक्षित शास्त्रीपुरम रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) शुक्रवार को आम जनता के लिए खोल दिया गया, जिससे रोजाना करीब एक लाख यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। यह चार लेन का आरओबी राष्ट्रीय राजमार्ग-44, पीवी नरसिम्हा राव एक्सप्रेसवे और राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की ओर जाने वाले यातायात को सुगम बनाएगा।

इससे बीबी का चश्मा, फलकनुमा, वट्टेपल्ली, शास्त्रीपुरम, तीगलकुंटा, नवाब साहब कुंटा, कटेदान और आरामगढ़ जैसे क्षेत्रों के लोगों को भी सीधा लाभ मिलेगा। पहले लोगों को बांडलागुडा रोड तक पहुंचने के लिए करीब 4 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता था, लेकिन अब वे मात्र 3 से 5 मिनट में अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। यह आरओबी वट्टेपल्ली होते हुए मैलारदेवपल्ली से फलकनुमा आरटीसी बस डिपो तक सीधा मार्ग प्रदान करता है, जिससे यात्रा समय करीब 30 मिनट तक कम हो जाएगा। इस पुल का उद्घाटन डी श्रीधर बाबू ने किया। आरओबी की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं- परियोजना लागत 71 करोड़ रुपये, कुल लंबाई 490 मीटर, रेलवे भाग की लंबाई 37.28 मीटर, कुल चौड़ाई 16.60 मीटर तथा इसकी ऊपरी संरचना स्टील गर्डर से बनाई गई है।

बीआरएस नेताओं की गिरफ्तारी के बाद मेडिपल्ली गांव में तनाव

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के मेडिपल्ली गांव में निषेधाज्ञा के उल्लंघन के आरोप में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं की गिरफ्तारी के बाद तनाव का माहौल बन गया। बताया गया कि पूर्व विधायक मंचिरेड्डी किशन रेड्डी ने इब्राहिमपटनम से कांग्रेस विधायक मलरेड्डी रंगा रेड्डी को फार्मा भूमि मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती दी थी। इसके लिए बीआरएस नेताओं ने गांव में तंबू और कुर्सियां भी लगाई थीं। हालांकि, स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने तंबू और कुर्सियां हटा दीं, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस पर सत्ता के दुरूपयोग का आरोप लगाया और बहस की मांग की। इसी दौरान पुलिस ने पूर्व विधायक के बेटे मंचिरेड्डी प्रशांत रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस ने इब्राहिमपटनम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

तेलंगाना ने केंद्र से 30 लाख मीट्रिक टन उबले चावल खरीदने का आग्रह किया

हैदराबाद/नई दिल्ली, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी से यासांगी (रबी) सीजन में तेलंगाना से 30 लाख मीट्रिक टन उबले चावल खरीदने का अनुरोध किया है। शुक्रवार को नई दिल्ली में हुई बैठक के दौरान राज्य सरकार ने केंद्र से 2014-15 के खरीफ सीजन से जुड़े अतिरिक्त लेवी के बकाया 1,468.94 करोड़ रुपये भी जल्द जारी करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने बताया कि रबी सीजन में काटी गई धान की फसल उबले चावल बनाने के लिए उपयुक्त है और इस बार करीब 90 लाख मीट्रिक टन धान उत्पादन होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि राज्य 30 लाख मीट्रिक टन उबले चावल और 5 लाख मीट्रिक टन कच्चे चावल की आपूर्ति करने के लिए तैयार है।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार ने यह भी अनुरोध किया कि लंबित बकाया राशि का जल्द भुगतान किया जाए, ताकि नागरिक आपूर्ति विभाग पर वित्तीय दबाव कम हो सके। साथ ही फोर्टिफाइड राइस कर्नेल्स (एफआरके) के वितरण को फिर से शुरू करने की मांग की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूलों, छात्रावासों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से फोर्टिफाइड चावल बच्चों में एनीमिया और कुपोषण रोकने में मदद करता है, लेकिन यह योजना हाल ही में बंद कर दी गई है।

एक लाख स्वयं सहायता समूह बनाने के निर्देश

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने शहर में महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एक लाख नए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) स्थापित करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में आयुक्त ने यूसीडी के अतिरिक्त आयुक्त शंकरय्या और 30 परियोजना अधिकारियों के साथ प्रगति की समीक्षा की। बैठक में आयुक्त ने बताया कि '99 दिन की प्रगति योजना' के तहत प्रत्येक सर्कल में परियोजना अधिकारी को 10,000 नए महिला समूह बनाने होंगे। इसके साथ ही प्रत्येक संसाधन व्यक्ति (आरपी) को 250 समूह स्थापित करने का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने निर्देश दिया कि अप्रैल माह के दौरान हर आरपी कम से कम 100 नए महिला समूह स्थापित करें, ताकि तय समय में लक्ष्य हासिल किया जा सके।

राधाकृष्णन की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रेवंत रेड्डी ने दार्शनिक और राजनेता के रूप में सेवाओं को किया याद

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली स्थित उनके आधिकारिक आवास पर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर रेवंत रेड्डी ने राधाकृष्णन के राष्ट्र के प्रति योगदान को याद करते हुए कहा कि वे देश के पहले उपराष्ट्रपति भी रहे और एक महान दार्शनिक एवं शिक्षाविद थे, जिन पर भारत को गर्व है। कार्यक्रम में सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी, अनिल कुमार यादव, चमाला किरण कुमार रेड्डी तथा कांग्रेस नेता रोहिन रेड्डी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी कर्मचारी शुक्रवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सचिवालय, हैदराबाद कलेक्ट्रेट और भीमा भवन में प्रदर्शन कर रहे हैं। यह प्रदर्शन तेलंगाना कर्मचारियों, राजपत्रित अधिकारियों, शिक्षकों, श्रमिकों और पेंशनभोगियों की संयुक्त कार्रवाई समिति (टीजीईजेएसी) के नेतृत्व में किया जा रहा है। दोपहर के भोजन के समय कर्मचारी काले बैज पहनकर और तख्तियां लेकर विरोध जता रहे हैं। सचिवालय में कर्मचारी 'बाहुबली' मुख्य प्रवेश द्वार पर धरने पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

कर्मचारियों की मुख्य मांगों में 2 जून से पहले दूसरी वेतन संशोधन समिति (पीआरसी) का गठन और उसका क्रियान्वयन शामिल है। इसके अलावा पेंशनभोगियों के लंबित 13,000 करोड़ रुपये के बिलों का भुगतान, ईएचएस योजना के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लागू करने की मांग भी की जा रही है।

तेजस्वी सूर्या के बयान के खिलाफ एआईवाईएफ का प्रदर्शन

हिमायतनगर में पुतला फूंककर जताया विरोध, माफी की मांग

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन (एआईवाईएफ) की तेलंगाना राज्य समिति ने भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा तेलंगाना के गठन पर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संगठन ने इसे राज्य के आत्मसम्मान पर हमला बताया। बताया गया कि सांसद द्वारा संसद में की गई टिप्पणियों में तेलंगाना के ऐतिहासिक गठन को कमतर आंकने का प्रयास किया गया। इसके विरोध में एआईवाईएफ कार्यकर्ताओं ने हिमायतनगर के 'वाई' जंक्शन पर प्रदर्शन किया, नारेबाजी की और सूर्या का पुतला जलाया।

सभा को संबोधित करते हुए राज्य महासचिव कल्लड़ी धर्मेंद्र ने कहा कि तेलंगाना दशकों के संघर्ष और बलिदानों के बाद बना है, यह कोई दान में मिली चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि आंदोलन में हजारों युवाओं ने अपनी जान गंवाई, इसलिए इस संघर्ष को कमजोर करना शहीदों और जनता का अपमान है।

एआईवाईएफ नेताओं ने भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया और तेलंगाना के भाजपा नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाया।

संगठन ने मांग की कि तेजस्वी सूर्या बिना शर्त माफी मांगें और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

तेजस्वी सूर्या से माफी की मांग

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी. चिन्ना रेड्डी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उसे 'तेलंगाना विरोधी' बताया और भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या से माफी मांगने की मांग की। सूर्या द्वारा तेलंगाना के गठन की तुलना भारत-पाकिस्तान विभाजन से करने पर प्रतिक्रिया देते हुए चिन्ना रेड्डी ने इन टिप्पणियों को 'अक्षम्य' और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा का रवैया बेहद आपत्तिजनक है और इससे तेलंगाना के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन छात्रों, कर्मचारियों और आम नागरिकों के लंबे संघर्ष का परिणाम है, जिसे अंततः संसदीय मंजूरी के जरिए साकार किया गया। चिन्ना रेड्डी ने तेलंगाना के भाजपा नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए उनकी प्रतिबद्धता पर संदेह जताया। उन्होंने मांग की कि तेजस्वी सूर्या संसद में बिना शर्त माफी मांगें और भाजपा तेलंगाना के गठन पर अपना स्पष्ट रुख सामने रखे।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई, दो युवकों की मौत

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में गुरुवार रात कीसारा के यादगारपल्ली चौराहे पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान कनकराजू (22) और अरुण (20) के रूप में हुई है, जो जवाहरनगर के गब्बिलालपेट के निवासी थे और कार धोने का काम करते थे। बताया गया कि दोनों युवक अपने दो दोस्तों के साथ अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर यादगारपल्ली जा रहे थे। लौटते समय थिममैपल्ली की ओर जाते हुए तेज रफ्तार के कारण कनकराजू की बाइक एक तीखे मोड़ पर अनियंत्रित हो गई और पेड़ से जा टकराई। हादसे में कनकराजू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे अरुण गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापिका की मौत

पूजा के दौरान साड़ी में लगी आग

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बेगमपेट स्थित एक घर में गुरुवार को आग लगने की घटना में 62 वर्षीय सेवानिवृत्त सरकारी स्कूल की प्रधानाध्यापिका की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान विजयलक्ष्मी के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब वह रोज की तरह पूजा के दौरान दीपक जला रही थीं। इसी दौरान उनकी साड़ी में अचानक आग लग गई। घबराहट में वह अपने कमरे की ओर भागीं, लेकिन आग तेजी से फैलकर कंबल तक पहुंच गई और भी भयंकर हो गई।

इस हादसे में विजयलक्ष्मी गंभीर रूप से झुलस गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घर से धुआं निकलते देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बताया गया कि सेवानिवृत्ति के बाद विजयलक्ष्मी घर में अकेली रहती थीं, जबकि उनकी बेटी उसी इमारत की दूसरी मंजिल पर रहती है। बेटी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी मां रोजाना पूजा-अर्चना करती थीं और इस घटना में किसी तरह का संदेह नहीं है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Service No JC-774839M, Rank- SUB, Name- DINESH KUMAR, S/o CHIRANJI LAL, R/o. Vill & Po- Jhal, Tehsil- Kosli, Dist- Rewari, Haryana, I have changed my Daughter Name from: ANJLI SHARMA to ANJALI SHARMA for all purpose vide affidavit dated: 14/04/2026.

I, M ALIVELU MANGAMMA Spouse of Service No. JC-240301W Ex. Sub MODALAVALASA NARAYANA RAO, residing at Villa No.68, Opp: MYPI Green Castles, VTC: Gundlapochampalle, PO: Pochampally, Teh:Medchal, Medchal Malkajgiri Dt -500014, TS have changed my name from M ALIVELU MANGAMMA to MODALAVALASA ALIVELU MANGAMMA vide affidavit dt:13-4-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist at L.B.Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

रिश्वत लेते आबकारी निरीक्षक रंगे हाथ गिरफ्तार

एसीबी की कार्रवाई में 2 लाख रुपये की घूस बरामद

मदनूर, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए निषेध एवं उत्पाद शुल्क निरीक्षक दीनु सत्यनारायण को 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को बिचकंडा स्थित उसके आवास से पकड़ा गया। बताया जा रहा है कि अधिकारी ताड़ी की दुकानों को बिना किसी दखलंदाजी के संचालित करने देने के लिए रिश्वत की मांग कर रहा था। इसमें दुकानदारों को मुकदमों से बचाने और स्थानांतरण का दबाव न बनाने का आश्वासन भी शामिल था। एसीबी अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान 45,760 रुपये की अतिरिक्त बेहिसाब नकदी भी बरामद की। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार और कर्तव्यों के अनुचित निर्वहन के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार निरीक्षक को हैदराबाद स्थित एसीबी विशेष न्यायालय में पेश किया गया है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है। मामले की जांच जारी है।

बीआरएस सभा रोकने की साजिश का आरोप

सड़क खुदाई पर उठा विवाद

हैदराबाद/जगतियाल, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बल्कोंडा के विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कांग्रेस सरकार और स्थानीय नेताओं पर 20 अप्रैल को जगतियाल में प्रस्तावित बीआरएस की जनसभा को बाधित करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सड़क खुदाई के कारण पार्टी कार्यकर्ताओं के आने-जाने में बाधा उत्पन्न की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही वैकल्पिक मार्ग नहीं बनाया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को बीआरएस जिला अध्यक्ष कलवाकुंतला विद्यासागर राव के साथ एनएच-63 के खुदे हुए हिस्से का निरीक्षण करते हुए प्रशांत रेड्डी ने कहा कि अरमूर, बालकौंडा, कोरुतला और मेटपल्ली से आने वाले कार्यकर्ताओं का रास्ता रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।

उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य सामान्य लग सकता है, लेकिन जनसभा से ठीक पहले इसका शुरू होना संदेह पैदा करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व अनुरोधों के बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारियों ने वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था नहीं की, जो नियमों के खिलाफ है। पूर्व मंत्री ने कहा कि बिना वैकल्पिक मार्ग के सड़क बंद करना जनता के साथ अन्याय है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के कामों के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि तमाम बाधाओं के बावजूद बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव की जगतियाल में होने वाली जनसभा सफल रहेगी।

दो बाइकों की भिड़ंत में पति की मौत

अमेठी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेठी जिले के मुसाफिरखाना-प्रतापगढ़ हाईवे पर मुंशीगंज के कमलानगर बाजार के पास शुक्रवार देर रात दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और बेटा समेत छह लोग घायल हो गए। हादसे में गौरीगंज क्षेत्र के नरौली गांव निवासी पवन (28) की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ बाइक पर सवार पत्नी रमावती और बेटा अमन घायल हो गए।

दूसरी बाइक पर सवार मुंशीगंज के आजाद नगर पश्चिम दुआरा निवासी सतेंद्र (18), निहाल (17) और लक्ष्मण (18) भी घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सीएम सम्राट चौधरी से मिले अनंत सिंह

मोकामा के लिए कर दी बड़ी मांग, जानिए क्या कुछ बात हुई

मोकामा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की है। उन्होंने सीएम से मिलकर क्षेत्र के लिए एक हॉस्पिटल की मांग की है। सम्राट चौधरी से मिलने के बाद खुद अनंत सिंह ने बताया है कि उनकी क्या-क्या बात हुई है। अनंत सिंह ने कहा कि हमने सम्राट चौधरी से मिलकर उनको बधाई दी। मोकामा में हॉस्पिटल खोलने के लिए कहा। अनंत सिंह ने कहा कि एक अच्छा हॉस्पिटल बन जाएगा तो क्षेत्र के लोगों को आराम हो जाएगा। क्योंकि सबको अभी इलाज के लिए पटना आना पड़ता है। सब आदमी पटना आने में सक्षम भी नहीं है।

अनंत सिंह ने कहा कि सम्राट चौधरी ने कहा है कि बना देंगे। नीतीश कुमार के हटने और अब सम्राट चौधरी के सीएम बनने पर अनंत सिंह ने कहा,।

एतना हम बताएंगे कि काम खूब होगा। पूछा गया कि निशांत सरकार में शामिल नहीं हुए। इस पर अनंत सिंह ने कहा कि वो अभी कुछ नहीं समझा, उसको मन हुआ कि अभी सीखेंगे, लेकिन बनना चाहिए था। जनता की मांग थी, लेकिन उसको लगा कि अभी क्षेत्र घूमेंगे। अनंत सिंह ने कहा कि हम अभी भी बोल रहे हैं कि हम आगे चुनाव नहीं लड़ेंगे। हमारे बेटे की तो एंट्री हो गई, लेकिन उसकी (निशांत) एंट्री नहीं हुई तो हम लोग क्या करें। उसको भी बढ़ाने में हम लोग मदद करते। मेरा तो बहुत मन था। आगे जेडीयू विधायक अनंत सिंह ने कहा कि पहले बिहार में कुछ था क्या? इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार के किए गए कामों को गिनाया। एक सवाल पर कहा कि तेजस्वी यादव का नाम ही लेना बेकार है। लालू यादव का बेटा है तो नाम जान रहे हैं। कोई विशेषता है उसमें? नाम ही लेना बेकार है। दूसरी ओर जेडीयू विधायक ने कहा कि हम चाहते हैं कि शराबबंदी कानून को खत्म कर देना चाहिए। शराब चालू होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बंद कराने के समय हम भी पक्ष में थे, लेकिन पीने वाला छुपकर पी ही रहा है। इतना है कि रोड पर नहीं चलता है। सरकार शराब चालू कर दे और अगर रोड पर पीते हुए पकड़ाएंगे तो जेल जाएंगे। गांव में तो पी ही रहा है। सब गलत-गलत नशा कर रहा है, इसलिए शराब को चालू कर देना चाहिए।

नेत्र चिकित्सक भर्तीः लखनऊ खंडपीठ ने नियुक्ति पत्रों पर लगाई अंतरिम रोक

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने नियमित नेत्र चिकित्सकों की भर्ती मामले में राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई तक चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र न जारी किए जाएं। कोर्ट ने राज्य सरकार को अपना जवाब पेश करने का अवसर दिया है और मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को निर्धारित की है। यह आदेश जस्टिस राजीव सिंह की एकल पीठ ने सुदीप शुक्ला और 45 अन्य की ओर से दाखिल एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया है।

याचियों का कहना है कि उन्हें कई वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के तहत संविदा पर नेत्र चिकित्सक के रूप में नियुक्त किया गया था। उनका तर्क है कि वे लंबे समय से संतोषजनक सेवाएं दे रहे हैं, इसलिए नियमित भर्ती में उनके अनुभव को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हालांकि, उनकी मांग को नजरअंदाज करते हुए नए सिरे से नियमित चयन की प्रक्रिया चल रही है। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने बताया कि नियमित नेत्र चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और चयन सूची राज्य सरकार को भेज दी गई है।

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि नियमों में संविदा कर्मियों को वरीयता देने का कोई प्रावधान नहीं है। राज्य सरकार ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक किसी भी अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र जारी न किया जाए। साथ ही राज्य सरकार को चेतावनी दी कि यदि अगली तारीख तक जवाब दाखिल नहीं किया गया तो मामले में उचित आदेश पारित किया जाएगा।

सीएम बनते ही सम्राट चौधरी का बड़ा एक्शन

बिहार की जेलों में ताबड़तोड़ छापेमारी

पटना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री पद संभालते ही बिहार के विभिन्न जिलों की जेलों में शुक्रवार सुबह पुलिस-प्रशासन ने व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान जेलों के हर वार्ड और बैरक की सघन तलाशी ली गई, जिससे कैदियों के बीच हड़कंप मच गया। हालांकि कहीं से भी कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ। सिवान मंडल कारा में डीएम विवेक रंजन मैत्रेय और एसपी पूरन कुमार झा के नेतृत्व में छापेमारी की गई।

करीब एक घंटे तक चली इस कार्रवाई में पांच थानों की पुलिस और अतिरिक्त बल शामिल रहा, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसी तरह भोजपुर में डीएम तन्य सुल्तानिया और एसपी राज के नेतृत्व में सुबह चार बजे से छह बजे तक संयुक्त छापेमारी की गई। अधिकारियों ने सभी वार्डों की गहन तलाशी ली, लेकिन यहां भी कुछ आपत्तिजनक बरामद नहीं हुआ। बक्सर केंद्रीय कारा में डीएम और एसपी के नेतृत्व में करीब ढाई घंटे तक तलाशी अभियान चला। वहीं वैशाली में डीएम वर्षा सिंह और एसपी विक्रम सिहाग के नेतृत्व में लगभग दो घंटे तक छापेमारी की गई। दोनों स्थानों पर सभी वार्ड, बैरकों और सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई, लेकिन कहीं से भी प्रतिबंधित सामग्री नहीं मिली।

छापेमारी के दौरान कारा परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, बंदियों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं और विधि-व्यवस्था की स्थिति का भी गंभीरता से मूल्यांकन किया गया। अधिकारियों ने सुरक्षा को और मजबूत बनाने तथा निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों के अनुसार यह अभियान कारा सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने तथा जेलों में किसी भी प्रतिबंधित सामग्री की मौजूदगी की जांच के उद्देश्य से चलाया गया था। फिलहाल सभी जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई है।

कोलकाता से किडनैपिंग भदोही में निकाह

पहले से शादीशुदा युवक ने छात्रा का किया जबरन धर्मांतरण, कोर्ट के आदेश पर साजिशी परिवार पर एफआईआर

भदोही, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले की औराई पुलिस ने अदालत के आदेश पर एक शादीशुदा युवक और उसके माता-पिता के खिलाफ कोलकाता से एक छात्रा का अपहरण कर जबरन धर्मांतरण कराने और शादी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिनव त्यागी ने बताया कि कोलकाता निवासी दुर्गा प्रसाद साव (52) ने 24 मार्च 2026 को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) किरण कौर की अदालत में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई के बाद एसीजेएम ने गुरुवार को औराई थाना क्षेत्र के खमरिया नगर निवासी शीबू अंसारी उर्फ शैब (31), उसके पिता सोहराब अंसारी और मां रुखसाना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया।

'वारिसों को पक्षकार बनाना जरूरी नहीं'

किरायेदारी कानून पर इलाहाबाद हाई कोर्ट का अहम फैसला

प्रयागराज, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने किरायेदारी कानून के संबंध में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। एक निर्णय में स्पष्ट किया है कि मूल किरायेदार की मौत के बाद सभी कानूनी वारिसों को बेदखली केस में पक्षकार बनाना जरूरी नहीं है। मूल किरायेदार की मृत्यु के बाद उसकी किरायेदारी सभी कानूनी वारिसों पर 'संयुक्त किरायेदारी' के रूप में हस्तांतरित होती है। किसी एक के खिलाफ केस चल सकता है और मकान मालिक के लिए सभी वारिसों को अलग-अलग पक्षकार बनाना जरूरी नहीं है।

न्यायमूर्ति डॉ। योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने वाराणसी निवासी आशीष कुमार अग्रवाल की याचिका खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट तथा पुनरीक्षण अदालत के निर्णय को बरकरार रखा है। कहा है कि ट्रायल कोर्ट किसी भी पक्ष को अनावश्यक स्थगन नहीं देते हुए मामले

की सुनवाई तेजी से करे तथा अधिकतम छह महीने में इसे सुलझाए। कोर्ट ने कहा, किसी एक वारिस/संयुक्त किरायेदार के खिलाफ बेदखली की कार्यवाही चलाई जा सकती है और डिक्री सभी पर बाध्यकारी होगी।

अपवाद तब हो सकता है जब कोई यह दावा करे कि उसे किरायेदारी से अलग किया गया है अथवा उसका हित अलग है तो उसे अपना केस साबित करना होगा। कोर्ट ने इस सिलसिले में एचसी पांडेय बनाम जीसी पाल, कांजी मांझी बनाम ट्रस्टी आफ पोर्ट आफ बांबे में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का उल्लेख किया। कहा, यह सिद्धांत यूपी अर्बन बिल्डिंग एक्ट के तहत भी लागू होता है। मुकदमे से जुड़े संक्षिप्त तथ्य ये हैं कि लघु वाद अदालत में 2014 में चित्रकूट रामलीला समिति, रामकृष्ण अग्रवाल व अखिल अग्रवाल ने किरायेदार कृष्ण गोपाल गुप्ता की बेदखली के लिए वाद दायर किया।

कृष्ण गोपाल की 14 फरवरी 2019 को मृत्यु हो गई तो 18 फरवरी 2021 को ट्रायल कोर्ट ने याची आशीष को अकेले पक्षकार बनाया। इसके बाद 27 अप्रैल 2022 को उसकी अनुपस्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही हुई।

दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, टेंपो ट्रेवलर ने तीन युवकों को रौंदा, तीनों की मौत

गाजियाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा विजयनगर थाना क्षेत्र में हुआ। दिल्ली से मेरठ जाने वाली मेन एक्सप्रेसवे लेन पर आईपीईएम कॉलेज एग्जिट प्वाइंट के पास एक थार गाड़ी खड़ी थी। कार से नीचे उतर कर दो युवक एक बाइक वाले से बात कर रहे थे। तभी पीछे से आई ट्रेवलर बस ने तीनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक थार सवार और एक बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। जबकि एक थार सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना सुबह 6.10 बजे की है। इस हादसे में दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और तीसरे की मौत अस्पताल ले जाते समय हो गई। वहीं, तीसरा अज्ञात है। जिस टेंपो ट्रेवलर ने युवकों को रौंदा वह दिल्ली से हरिद्वार जा रहा था, उसमें 26 महिलाएं सवार थीं। पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

शिवपुर सीट को लेकर एनडीए में घमासान

ओम प्रकाश राजभर के दावे ने बढ़ाई बीजेपी की मुश्किल

वाराणसी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले वाराणसी की अलग-अलग विधानसभा सीटों पर सियासी सरगर्मी लगातार बढ़ती नजर आ रही है। ख़ासतौर से शिवपुर विधानसभा सीट का पारा अभी से हाई होता दिख रहा है। इस सीट पर वर्तमान में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर विधायक हैं, जिन्होंने 2022 चुनाव में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर को 25296 वोटो से हराया था।

हैरानी की बात यह है कि गठबंधन में होने के बावजूद दोनों नेताओं ने इसी शिवपुर विधानसभा सीट से 2027 चुनाव में उतरने के साफ संकेत दे दिए हैं। वाराणसी की शिवपुर विधानसभा सीट पर 2027 चुनाव में लड़ाई बेहद दिलचस्प होने वाली है। सपा, कांग्रेस और बसपा से पहले इस सीट पर

एनडीए के बीच ही सियासी तलवार खींचती नजर आ रही है।

इसके पीछे एनडीए गठबंधन के ही दो कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर और ओमप्रकाश राजभर के बीच सियासी वर्चस्व की लड़ाई है जो इसी क्षेत्र से आते हैं। मंत्री अनिल राजभर 2017 से लगातार शिवपुर विधानसभा से ही विधायक हैं जबकि उनके ही गठबंधन साथी मंत्री ओमप्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर ने सपा गठबंधन के दौरान 2022 चुनाव में अनिल राजभर को ही टक्कर दी थी और इस बार भी ओपी राजभर ने इस सीट पर अपनी दावा ठोंकना शुरू कर दिया है। वाराणसी के विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने के बारे में पूछा तो उन्होंने साफ कर दिया कि वह इस बार वाराणसी के तीन विधानसभा सीटों पर तैयारी कर रहे हैं जिसमें शिवपुर तो सबसे प्रमुख है।

वहीं मंत्री अनिल राजभर भी अभी से ही इस सीट पर चुनाव लड़ने को लेकर पूरी तैयारी में जुट चुके हैं। विधानसभा में लोगों से संपर्क करने के साथ-साथ समीकरण साधने के साथ ही उन्होंने सीट पर चुनाव लड़ने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। शिवपुर विधानसभा सीट के लिए माना जाता है कि राजभर और सवर्ण वोटर जीत हार तय करते हैं। और सबसे प्रमुख बात की शिवपुर विधानसभा सीट पर दो कैबिनेट मंत्रियों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। फिलहाल में भी अलग-अलग विषयों को लेकर दोनों नेताओं ने एक दूसरे पर जमकर जुबानी हमला भी बोला है।

इसलिए शिवपुर विधानसभा सीट पर जीत हार से ज्यादा इस बात पर लोगों की नजर बनी हुई है कि एनडीए से उम्मीदवार कौन होता है।

बर्खास्त सिपाही ने बुजुर्ग को जिंदा जलाया

हाथरस, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। हाथरस में जेल जाने से बचने के लिए हत्यारोपी बर्खास्त सिपाही ने अपनी मौत की झूठी कहानी रच दी। अपना आधार कार्ड, मोबाइल सहित अन्य डॉक्यूमेंट एक व्यक्ति की जेब में रखकर उसे जिंदा जला कर मार डाला। हालांकि, जिंदा जलाते वक्त आरोपी सिपाही भी बुरी तरह झुलस गया। दो दिन तक चोरी-छिपे हाथरस जिला अस्पताल में अपना इलाज कराता रहा लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उधर, लाश मिलने और अधजले आधार कार्ड को देखते हुए पहले तो पुलिस ने सिपाही को मृत मान लिया। लेकिन रेलवे स्टेशन पर दिखने वाले एक भिखारी के अचानक गायब होने पर शक हुआ।

पुलिस ने सिपाही के गांव में पता लगाया। इसी दौरान जिला अस्पताल में सिपाही के नाम के गंभीर रूप से झुलसे हुए व्यक्ति के भर्ती होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस अलर्ट हुई। जांच-पड़ताल की तो पता चला कि सिपाही जिंदा है और मरने वाला रेलवे स्टेशन के आसपास एरिया में दिखने वाला भिखारी है।

'लालू यादव पहली बार बीजेपी आरएसएस के समर्थन से बने थे मुख्यमंत्री', संजय सरावगी के दावे से हलचल

पटना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में बिहार के बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी ने एक बयान देकर बिहार की राजनीति को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने कहा कि जब लालू प्रसाद यादव पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। तब उन्हें बीजेपी और आरएसएस का समर्थन मिला था। जानकारी के अनुसार, बिहार के बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। अब देखा है कि इस बयान पर विपक्ष के नेताओं की क्या प्रतिक्रिया रहती है।

आईएएनएस से बातचीत के दौरान संजय सरावगी ने स्पष्ट किया कि उस समय मुख्यमंत्री का चयन विधानमंडल दल के भीतर ही किया गया था। उन्होंने कहा कि चाहे वह बीजेपी का विधानमंडल दल हो या एनडीए का, मुख्यमंत्री का फैसला हमेशा विधायकों की सहमति से ही होता है।

उन्होंने यह भी बताया कि उस समय नीतीश कुमार ने प्रस्ताव रखा था, जिसे एनडीए के सभी नेताओं और विधायकों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया था। सरावगी ने यह भी जोड़ा कि यह पूरी घटना अब अतीत का हिस्सा है और वर्तमान राजनीति इससे अलग दिशा में आगे बढ़ रही है। हालांकि उनके इस बयान को लेकर विपक्षी दलों की ओर से प्रतिक्रिया आने की संभावना है, क्योंकि लालू प्रसाद यादव और बीजेपी के रिश्तों को लेकर यह बयान राजनीतिक रूप से संवेदनशील माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के बयान चुनावी माहौल में पुराने समीकरणों को सामने लाने की कोशिश हो सकते हैं। बिहार की राजनीति में गठबंधन और समर्थन का इतिहास हमेशा से चर्चा का विषय रहा है और ऐसे बयान उस इतिहास को फिर से चर्चा में ला देते हैं। अब देखना होगा कि इस बयान पर अन्य राजनीतिक दल क्या प्रतिक्रिया देते हैं और यह मुद्दा आगे कितना तूल पकड़ता है।

500 रुपये के नोटों की 90 गड्डियां सीलबंद सूटकेस में देकर सोने के आभूषण ले गए, जांच में निकले नकली नोट

वाराणसी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। लक्सा थाना क्षेत्र में एक बड़ी ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें ज्वेलरी कारोबारियों को निशाना बनाकर लगभग 45 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। पीड़ित व्यापारी ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की है और लक्सा थाने से सख्त कार्रवाई की मांग की है। माना जा रहा है कि पुलिस अब जांच के बाद आरोपितों की पहचान कर प्राप्त जानकारी के अनुसार, ठठेरी बाजार स्थित एनडी। सर्राफ ज्वेलर्स होलसेल प्रा लि। के निदेशक राधाकृष्ण अग्रवाल आनलाइन ज्वेलरी कारोबार करते हैं।

बातचीत के दौरान आरोपियों ने विश्वास जीतते हुए 285 ग्राम सोने के आभूषण, जिसकी कीमत लगभग 45 लाख रुपये है, खरीदने की सहमति जताई। बताया गया कि वीडियो कॉल के जरिए आभूषण पसंद करने के बाद आरोपियों ने आनलाइन भुगतान में समस्या बताई और वाराणसी के लक्सा स्थित पीडीआर माल के पास कैश में भुगतान करने का प्रस्ताव दिया। इसके बाद पीड़ित के कर्मचारी बताए गए स्थान पर पहुंचे,

बीजेपी नेता ने रामायण और गीता पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

पार्टी ने बताया व्यक्तिगत विचार

महोबा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। महोबा में बीजेपी के जिला पंचायत अध्यक्ष जयप्रकाश अनुरागी ने रामायण और गीता जैसे पवित्र ग्रंथों पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर विवाद खड़ा कर दिया है। संविधान की आड़ में कथावाचकों पर कटाक्ष करते उनके इस बयान ने तूल पकड़ लिया है। बीजेपी ने इसे व्यक्तिगत विचार बताकर पल्ला झाड़ लिया है और मामले की जानकारी शीर्ष नेतृत्व को भेज दी है। महोबा जनपद के प्रथम नागरिक और जिला पंचायत अध्यक्ष जयप्रकाश अनुरागी अपने एक विवादित बयान को लेकर चौतरफा घिर गए हैं। कुलपहाड़ तहसील के सुगिरा गाँव में डॉ। भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में अनुरागी ने मंच से कुछ ऐसा कहा जिससे न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँची है,

बल्कि अपनी ही पार्टी के अनुशासन को भी तार-तार कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में जयप्रकाश अनुरागी माथे पर तिलक लगाए हुए संविधान की बात कर रहे हैं, लेकिन इसी दौरान उन्होंने रामायण और गीता जैसे पवित्र ग्रंथों पर आपत्तिजनक बयान दिया। उन्होंने कहा कि रामायण और गीता को घर-घर पहुंचाने की बात तो करते हैं, लेकिन संविधान की पूजा की सलाह कोई नहीं देता। अनुरागी ने कथावाचकों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे रामकथा और भागवत तो सुनाते हैं, लेकिन संविधान के बारे में चुप रहते हैं क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं समाज जागरूक होकर अपने अधिकारों की मांग न करने लगे।

इतना ही नहीं, जयप्रकाश अनुरागी ने बाबा साहेब अंबेडकर के धर्म परिवर्तन का जिक्र करते हुए कड़े तेवर दिखाए और यहाँ तक कह दिया कि अगर उनके भगवान अंबेडकर की श्रद्धा पर चोट पहुंचाई गई, तो वे नेतागिरी का कुर्ता-पैजामा फाड़कर फेंक देंगे। इस बयान के वायरल होते ही भारतीय जनता पार्टी ने खुद को इससे पूरी तरह अलग कर लिया है। कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के महामंत्री संत विलास शिवहरे ने इसे मानसिक संकीर्णता करार देते हुए कहा कि आस्था और संविधान में भेद करना गलत है।

तस्कर शुभम जायसवाल के पिता पिट-एनडीपीएस एक्ट में निरुद्ध

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सोनभद्र पुलिस ने कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात तस्कर शुभम जायसवाल के पिता भोला प्रसाद को पिट-एनडीपीएस एक्ट के तहत एक वर्ष के लिए निरुद्ध कराया है। शासन ने पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के प्रस्ताव पर यह आदेश जारी किया।

निरोधादेश 15 अप्रैल 2026 से प्रभावी किया गया है। भोला प्रसाद, निवासी वाराणसी, पर आरोप है कि वह फर्जी फर्मों के जरिए कोडीन युक्त कफ सिरप का अवैध डायवर्जन और काले बाजार में बिक्री करता था।

जांच में सामने आया कि फर्जी बिलिंग कर बड़े पैमाने पर कफ सिरप की तस्करी की जा रही थी, जिसका नेटवर्क देश के बाहर तक फैला था। पुलिस के अनुसार शुभम जायसवाल ने अपने पिता की प्रोपराइटरशिप वाली फर्म "शैली ट्रेडर्स" के माध्यम से एबाट कंपनी से फेन्साडिल कफ सिरप लेकर उसे नशे के लिए अवैध रूप से बांग्लादेश तक पहुंचाया। आरोपी को जिला कारागार में रखा जाएगा।

लखनऊ में पकड़े गए आतंकियों के निशाने पर था हिंदू रक्षा दल कार्यालय और दिल्ली-6 मॉल, खुलासा

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान हैंडलर्स के इशारे पर देश में बड़ी आतंकी वारदात की साजिश रचने वाले चार संदिग्ध आतंकियों के मोबाइल से चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में पता चला है कि आरोपियों ने गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित हिंदू रक्षा दल के कार्यालय और राजनगर एक्सटेंशन के दिल्ली-6 मॉल को विस्फोट व आगजनी के लिए टारगेट बनाया था। दोनों स्थानों की रेकी कर वीडियो और फोटो पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजे थे। एटीएस ने 2 अप्रैल को लखनऊ से मेरठ निवासी साकिब, अरबाब, लोकेश और विकास को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी के अनुसार आरोपी पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में रहकर देशविरोधी गतिविधियों की साजिश रच रहे थे। मोबाइल से व्हाट्सएप चैट, ऑडियो रिकॉर्डिंग और लोकेशन शेयरिंग के साक्ष्य मिले हैं। जिनसे पता चला कि जब आरोपियों ने इन दोनों स्थानों के वीडियो, फोटो आदि पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजे थे, तब उनकों इसके एवज में 13 हजार रुपये मिले थे। यह रकम विकास द्वारा दिए गए क्यूआर कोड पर ट्रांसफर की गई। सूत्रों के मुताबिक विकास ने अपने जीजा के खाते में यह रकम मंगवाई थी। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने अलीगढ़ के एक कार शोरूम की रेकी की थी, जहां आगजनी की योजना थी। इसके अलावा गाजियाबाद में सड़क किनारे खड़े ट्रकों के वीडियो भी पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजे गए थे। आरोपियों के पास से 24 पर्चे भी बरामद हुए, जिनमें एक तरफ हिंदी व दूसरी तरफ उर्दू में लिखा था कि... हम ऐलान करते हैं कि हम अपने मकसद से पीछे हटने वाले नहीं हैं और अपने रास्ते पर चलते रहेंगे।

मणिपुर की लड़की की झांसी में संदिग्ध मौत

झांसी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी में एक स्पा सेंटर में काम करने वाली युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद कब्रिस्तान में जमकर हंगामा हो गया। मृतका का बॉयफ्रेंड शव को दफनाने के लिए कब्रिस्तान पहुंचा था, लेकिन वहां पहचान पत्र न होने के कारण कर्मचारियों ने दफनाने से इनकार कर दिया। इसी दौरान युवती का पति मौके पर पहुंच गया और हत्या का आरोप लगाते हुए विवाद खड़ा हो गया। मृतका की पहचान सिम्मी उर्फ टेरेसा (30) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मणिपुर की रहने वाली थी।

उसकी शादी करीब 10 साल पहले जॉन नाम के व्यक्ति से हुई थी। शादी के बाद दोनों दिल्ली में रहते थे, लेकिन नवंबर 2025 में टेरेसा झांसी आ गई थी। यहां वह सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के नंदनपुरा इलाके में स्थित एक मसाज पार्लर में काम करने लगी थी। बताया जा रहा है कि पार्लर में काम के दौरान सिम्मी की दोस्ती एक महिला सहकर्मी से हुई और वह उसी के घर रहने लगी। इसी दौरान सहकर्मी के भाई से उसकी नजदीकियां बढ़ीं और दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे।

सहकर्मी के मुताबिक, सिम्मी पिछले करीब 10 दिनों से बीमार थी और उसका इलाज कराया जा रहा था। बुधवार शाम उसकी अचानक मौत हो गई, जिसकी सूचना परिजनों को दी गई। मौत के बाद उसका कथित प्रेमी शव को लेकर जीवनशाह स्थित कब्रिस्तान पहुंचा, जहां बिना पहचान पत्र के शव लाने पर कर्मचारियों ने दफनाने से मना कर दिया। इसके बाद शव को कानपुर चुंगी क्षेत्र के एक अन्य कब्रिस्तान ले जाया गया, लेकिन वहां भी अनुमति नहीं मिली।

इसी बीच मृतका का पति जॉन अपने परिचितों के साथ मौके पर पहुंच गया और मौत पर संदेह जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी की हत्या की गई है और बिना उचित प्रक्रिया के शव को दफनाने की कोशिश की जा रही थी। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पूर्व सीएम नीतीश कुमार को

मिली जेड प्लस सुरक्षा, दिल्ली में नया बंगला भी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना बिहार के पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार को जेड प्लस सुरक्षा दी गई है। यह निर्णय उनके राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद, बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट-2000 के तहत लिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिल्ली में नया सरकारी बंगला भी मिला है। उन्हें सुनहरी बाग रोड स्थित बंगला नंबर-9 आवंटित किया गया है। यह बंगला वीआईआईआई कैटेगरी का है। इससे पहले नीतीश कुमार को 6, कामराज लेन बंगला आवंटित था।

नीतीश कुमार ने 14 अप्रैल को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। इससे पहले उन्होंने अपना मंत्रिमंडल भी भंग कर दिया था। वह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय चौधरी के साथ इस्तीफा देने के लिए लोक भवन पहुंचे थे और महज सात मिनट में इस्तीफा देकर वापस चले गए थे। इसके बाद बीजेपी ने सम्राट चौधरी की

अगुआई में सरकार बनाने का दावा पेश किया। अब साफ हो चुका है कि सम्राट चौधरी बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा में 89 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी भाजपा है। अब बीजेपी की अगुआई में ही बिहार में सरकार चलेगी। यह पहली बार है, जब बिहार में बीजेपी की अगुआई में सरकार चलेगी।

बिहार विधानसभा में 202 सदस्यीय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में जनता दल (यूनाइटेड) के 85 विधायक, चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के 19 विधायक और जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाली हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के पांच विधायक शामिल हैं। इसके अलावा राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा के पांच विधायक भी राजग का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने दावा किया कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) अध्यक्ष नीतीश कुमार अपने ही दल के उन सहयोगियों के दबाव में बिहार का मुख्यमंत्री पद छोड़ रहे हैं, जिन्हें सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा धमकाया या प्रलोभन दिया गया है।

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने यह टिप्पणी कुमार के राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद की जब कुमार का सामान मुख्यमंत्री आवास से पास की एक गली में स्थित सरकारी बंगले में स्थानांतरित किया जा रहा था। राजद के एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा, मेरा मानना है कि नीतीश कुमार को हटाने का सौदा जदयू के कुछ बड़े नेताओं ने बहुत पहले ही कर लिया था। इसे सार्वजनिक नहीं किया गया, क्योंकि विधानसभा चुनावों के दौरान इसका उल्टा असर पड़ सकता था।

नहीं देखेंगे तो पाप नहीं लगेगा! चोरों ने शनिदेव की आंखों पर बांध दिया काला कपड़ा, फिर चुराए सोने-चांदी के गहने

बालासोर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर जिले से एक बेहद सनसनीखेज और आस्था को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। नीलगिरी सब-डिवीजन के औपादा ब्लॉक अंतर्गत श्यामसुंदरपुर पंचायत के कोलीगाड़ी गांव में चोरों ने दो मंदिरों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के गहनों की चोरी कर ली। जानकारी के अनुसार, चोरों ने सबसे पहले गांव के हनुमान मंदिर का ताला तोड़ा और वहां रखे चांदी के मुकुट, कंगन, पैरों की अंगूठियां, भगवान राम, लक्ष्मण और सीता के मुकुट, हनुमान जी का लॉकेट, गले की चेन और चांदी के बर्तन सहित कई कीमती सामान चोरी कर लिए। इसके बाद चोर पास ही स्थित शनि मंदिर में भी घुस गए। शनि मंदिर में चोरी के दौरान चोरों ने एक ऐसी हरकत की, जिसने पूरे इलाके में चर्चा और आक्रोश दोनों पैदा कर दिया।

ऑनलाइन लोन एप पर जबरन वसूली और प्रताड़ना के केस, बीडीएस छात्र मौत मामले में हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। एक ऑनलाइन लोन एप के खिलाफ शुक्रवार को जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। एप पर आरोप है कि उसने बीडीएस प्रथम वर्ष के छात्र नितिन राज आरएल को मानसिक रूप से परेशान किया और धमकाया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। उन्होंने आगे बताया कि एप ने कर्ज के रूप में उसे दी गई राशि को वसूलने के लिए धमकी का सहारा लिया।

छात्र की मौत के लगभग एक सप्ताह बाद पुलिस की साइबर सेल की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर यहां चक्कराक्कल्लू पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। भारतीय न्याय संहिता की धारा 308 (जबरन वसूली) और केरल साहूकार अधिनियम और केरल अत्यधिक ब्याज वसूलने पर प्रतिबंध अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत एप के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। जाति और रंग के आधार पर छात्र को परेशान करने के आरोप में कुछ शिक्षकों के खिलाफ शिकायतों के बीच कर्ज एप के खिलाफ जबरन वसूली की धाराएं लगाई गईं।

एफआईआर के अनुसार, जनवरी में राज को एप के माध्यम से 36 प्रतिशत की ब्याज दर पर 15,000 रुपये का कर्ज वितरित किया गया था, जो कानूनों का उल्लंघन है। एफआईआर के अनुसार, इसके बाद 9 अप्रैल से एप चलाने वाले लोग छात्र को कर्ज राशि वसूलने के लिए बार-बार फोन करने लगे और कथित तौर पर उसे मानसिक रूप से परेशान और धमकाया। यहां अंजराकंडी के एक निजी डेंटल कॉलेज में बीडीएस के प्रथम वर्ष के छात्र राज (22) 10 अप्रैल को एक इमारत से गिरने के बाद गंभीर रूप से घायल पाए गए और बाद में चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

अमृतपाल सिंह को पंजाब सरकार ने दी बड़ी राहत

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को बताया- 22 अप्रैल को एनएसए खत्म हो रहा

चंडीगढ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब स्थित खडूरसाहिब लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद अमृतपाल सिंह को राज्य सरकार ने बड़ी राहत दी है। हालांकि उसको जेल में ही रहना होगा। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने कोर्ट को एक अहम जानकारी दी। सरकार ने कहा कि अमृतपाल सिंह पर लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) 22 अप्रैल को खत्म हो रहा है और सरकार अब इसकी अवधि बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। पंजाब सरकार ने कहा वो अजनाला केस में अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार करना चाहती है लेकिन गिरफ्तारी के बाद उसे डिब्रूगढ़ में ही रखा जाएगा। पंजाब सरकार द्वारा पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में दायर याचिका पर हाई कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी किया।

सभी मामलों की सुनवाई असम की जेल में ही होगी। वारिस पंजाब दे प्रमुख अमृतपाल के खिलाफ कुल 12 मामले दर्ज किए गए हैं। एनएसए के तहत गिरफ्तारी के बाद से असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद अमृतपाल सिंह ने 2024 में पंजाब की खडूर साहिब सीट से लोकसभा चुनाव जीता था। अमृतपाल सिंह को लोकसभा में शपथ लेने के लिए चार दिनों की संक्षिप्त पैरोल दी गई थी। इस कदम को तब मंजूरी मिली जब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। उनके मामले की तुलना उन अन्य जेल में बंद नेताओं से की जा रही है जिन्हें शपथ लेने की अनुमति दी गई है, जिनमें जम्मू-कश्मीर के इंजीनियर राशिद भी शामिल हैं। खुद को खालिस्तानी उपदेशक बताने वाले अमृतपाल सिंह ने दावा किया था कि वो मारे गए खालिस्तानी नेता जरनैल सिंह भिंडरांवाले से प्रेरित हैं।

चुनाव प्रचार के दौरान जब्ती 800 करोड़ के पार 2021 के मुकाबले लगभग दोगुनी हुई

चेन्नई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु में चल रहे चुनावी माहौल के अब तक करीब 800 करोड़ रुपए की नकदी, कीमती सामान और अवैध वस्तुएं जब्त की जा चुकी हैं। यह आंकड़ा 2021 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले लगभग दोगुना है। चुनाव विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, 2021 के चुनाव में 446.28 करोड़ रुपए के उपहार और कीमती धातुएं बिना वैध दस्तावेज के जब्त की गई थीं। इसके अलावा 236.70 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी पकड़ी गई थी। खास बात यह रही कि जब्त किए गए सामान में से 50 प्रतिशत से ज्यादा बाद में सही दस्तावेज दिखाने पर लोगों को वापस लौटा दिए गए थे।

उस समय कुल जब्ती में केवल सोने की हिस्सेदारी ही 173.19 करोड़ रुपए की थी। वहीं, इस बार स्थिति और ज्यादा सख्त नजर आ रही है। करीब 800 करोड़ रुपए की जब्ती हो चुकी है, जिसमें नकदी, आभूषण, नशीले पदार्थ

और शराब शामिल हैं। अब तक 126.64 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी जब्त की गई है, जिसके पास वैध कागजात नहीं थे।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों का सामान जब्त हुआ है, वे जरूरी दस्तावेज दिखाकर उसे वापस ले सकते हैं। अब तक करीब 400 करोड़ रुपए की जब्त सामग्री (जिसमें नकदी और कीमती धातुएं शामिल हैं) जांच के बाद लौटाई भी जा चुकी है। इससे यह भी पता चलता है कि सख्ती के साथ-साथ सही लोगों को राहत देने की व्यवस्था भी मौजूद है। यह पूरी कार्रवाई राज्यभर में तैनात फ्लाइंग स्क्वॉड, स्थिर निगरानी टीमों और आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा की जा रही है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर ये टीमें 24 घंटे सक्रिय हैं। वे लगातार वाहनों की जांच कर रही हैं, परिवहन मार्गों पर नजर रख रही हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि इस सख्ती का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान मतदाताओं को नकदी या अन्य प्रलोभन देने की कोशिशों को रोकना है। एक अधिकारी ने कहा, हम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं।

मुस्लिम महिलाओं को कोटा देने की मांग पर इकरा हसन ने खेला स्मार्ट मूव

अखिलेश यादव से एक कदम बढ़ीं आगे

कैराना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित कैराना से समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने लोकसभा में पेश किए गए 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम और परिसीमन (डीलिमिटेशन) एवं जनगणना को लेकर सरकार पर गंभीर सवाल उठाए। इस दौरान वह अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से एक कदम आगे बढ़ गईं। कैराना सांसद के बयान के इस हिस्से को उनका स्मार्ट मूव माना जा रहा है।

बता दें अखिलेश और आजमगढ़ से सांसद धर्मेंद्र यादव ने महिला आरक्षण के तहत मुस्लिम महिलाओं को अलग से आरक्षण देने की मांग की थी जिसे गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने असंवैधानिक मांग करार दिया था। अब इसी मुद्दे पर इकरा ने अलग दांव खेला। इकरा ने 16 अप्रैल 2026, गुरुवार को लोकसभा में कोटे में कोटा की मांग करते हुए कहा-

देश की रिलीजियस माइनॉरिटीज की महिलाओं को भी एक कोटा इसमें दिया जाना चाहिए। यानी इकरा ने सिर्फ मुस्लिम महिलाओं की बात न करते हुए सभी अल्पसंख्यकों के लिए रिजर्वेशन की मांग की है। उन्होंने ओबीसी और वंचित वर्ग की महिलाओं के लिए उप-आरक्षण (सब-कोटा) की मांग की। सांसद ने यह भी सुझाव दिया कि ओबीसी, अल्पसंख्यक और गरीब वर्ग की महिलाओं के लिए अलग प्रावधान किए जाएं तथा चुनावी खर्च में राज्य सहयोग दे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 में सर्वसम्मति से पारित हो चुका है,

काशी को इलाज के लिए 15 करोड़ की जरूरत

उज्जैन में दुर्लभ बीमारी से जूझ रही 5 महीने की मासूम; विदेशी इंजेक्शन से होगी जीन थेरेपी

उज्जैन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उज्जैन में 5 महीने की मासूम आनुवांशिक बीमारी स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) टाइप-1 से जूझ रही है। उसके इलाज के लिए करीब 15 करोड़ रुपए के जीन थेरेपी इंजेक्शन की जरूरत है, जो भारत में उपलब्ध नहीं है। परिवार ने फंड रेज शुरू कर मदद की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव से भी गुहार लगाई है। डॉ। रोहित दुबे पुरिया और डॉ। प्रकृति की बेटी काशी का इलाज फिलहाल भोपाल एम्स की मेडिसिन एचओडी डॉ। भावना डिगरे की निगरानी में चल रहा है।

इस बीमारी का प्रभावी इलाज 'जीन थेरेपी' है, जिसके लिए 'जोलजेनस्मा' इंजेक्शन लगाया जाता है। वालटिश कंपनी का ये इंजेक्शन विदेश से मंगवाना पड़ेगा, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.72 मिलियन डॉलर है। डॉ। रोहित दुबे पुरिया भोपाल एम्स में मेडिसिन विभाग के सीनियर रेसिडेंट हैं। डॉ। प्रकृति हमीदिया अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ थीं। वे बीते एक साल से बेटी के कारण नौकरी नहीं कर पा रही हैं। डॉ। रोहित ने बताया- काशी का जन्म 14 नवंबर 2025 को हुआ। जन्म के एक महीने बाद भी काशी के हाथ-पैरों में सामान्य मूवमेंट नहीं दिखे। शुरुआत में फिजियोथेरेपी कराई, लेकिन सुधार नहीं हुआ।

इसके बाद भोपाल में डॉ। महेश माहेश्वरी को दिखाया। उन्होंने बताया कि आपकी बेटी को स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) टाइप-1 नाम की बेहद दुर्लभ बीमारी है। बाद में ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हो गई। एसएमए टाइप-1 एक गंभीर जेनेटिक डिसऑर्डर है, जिसमें मांसपेशियां धीरे-धीरे कमजोर होती जाती हैं। समय रहते इलाज नहीं मिलने पर यह बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। डॉ। प्रकृति ने कहा- बेटी के इलाज के लिए अब तक करीब 30 लाख रुपए ही इकट्ठा हो पाए हैं। ऑनलाइन फंड रेजर शुरू किया है।

हमें धमकी देने की जरूरत नहीं है

महिला आरक्षण पर संजय राउत ने पीएम मोदी को दी सीधी चुनौती

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने महिला आरक्षण बिल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी में इतनी हिम्मत है तो उन्हें पहले महिलाओं के खाते में पैसे भेजने बंद कर देने चाहिए, उसके बाद उन्हें पता चलेगा कि कितनी महिलाएं उनको दिल से वोट देती हैं। हमें धमकी देने की जरुरत नहीं है। संजय राउत ने पीएम मोदी के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि, 'ये धमकियां मत दीजिए, प्रधानमंत्री जो धमकियां दे रहे हैं अगर आप समर्थन नहीं करेंगे तो नुकसान होगा।। अगर हिम्मत है तो बीजेपी सरकारों में चुनाव से पहले आप जो महिलाओं को योजनाएं देते हैं दस हजार रुपये उनके खाते में देते हो।। महाराष्ट्र में लाडली बहन योजना में 2-2 हजार रुपये देते हो, ये सब बंद करो। शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा कि आप जो ये ख़ुराक दे रहे हो, सरकारी पैसों से महिलाओं को वो बंद करके दिखाइए। फिर आपको पता चलेगा महिलाएं आपके साथ।।आपकी पार्टी और आपके पीछे कितनी है।

कितने आपको वोट कर रहे हैं। ये सब पैसों का खेल चल रहा है। महिलाओं के वोट जो ख़रीद रहे हैं ना।।महाराष्ट्र से लेकर पूरे देश में।।लाडली बहन योजना, कभी लाडकी बहन योजना।। कभी बिहार में महिलाओं के खातों में भेजते हो उससे महिलाओं के वोट आपको मिलते हैं। आप ये बंद करके दिखाइए।। और फिर चुनाव में जाओ। फिर आपको पता चलेगा कि कितनी महिलाएँ आपको मन से वोट देती है। दरअसल गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर बोलते हुए विरोधी दलों को आड़े हाथों लिया था।

उन्होंने कहा कि अगर हम सब मिलकर इस बिल को पास कराएंगे तो इससे सभी को फायदा होगा। हमारे देश में जबसे महिला आरक्षण को लेकर चर्चा हुई और जब-जब चुनाव आया महिलाओं ने इसका विरोध करने वालों को माफ नहीं किया। उनका हाल बुरे से बुरे किया है। पीएम मोदी ने कहा कि हम अगर देश की नारी को कुछ दे रहे हैं तो ये उनका हक है। इतने बड़े वर्ग को हिस्सेदारी से रोकने में ताक़त क्यों लगा रहे हैं। उनके जुड़ने से हमारी ताक़त बढ़ेगी। पीएम मोदी ने कहा कि अगर इसमें फिर से देरी हुई तो इसका ज़िम्मेदार पूरी तरह से विपक्ष होगा।

पति से अलग मायके में रह रही थी महिला

गांव के लड़के से हुआ प्यार; फिर प्रेमी ने क्यों की 'रील स्टार' की हत्या?

पंढरपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पंढरपुर तहसील में हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर 'रील स्टार' के नाम से पहचान बनाने वाली 34 वर्षीय महिला की हत्या से इलाके में हड़कंप मचा है। हत्या प्रेम संबंध के शव में की गई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना करकंब पुलिस थाना क्षेत्र का है। तहसील के भोसे गांव की रहने वाली सोनाली नेताजी जाधव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती थी। वह सोशल मीडिया पर रील्स बनाती थी, जिससे स्थानीय स्तर पर उनकी एक अलग पहचान बन गई थी। पुलिस जांच के मुताबिक, सोनाली अपने पति से अलग अपने मायके में रह रही थीं। इसी दौरान गांव के ही तुकाराम गावंधरे के साथ उसका प्रेम प्रसंग हो गया। शुरुआत में दोनों का रिश्ता सामान्य था, लेकिन वाद में दोनों में विवाद होने लगा। बताया जा रहा है कि तुकाराम को शक था कि सोनाली किसी और व्यक्ति के संपर्क में भी हैं।

इसी शक उसने महिला की हत्या की योजना बनाई। 6 अप्रैल को उनसे जन्मदिन के बहाने गिफ्ट दिलाने का लालच देकर सोनाली को बाहर बुलाया और मोटरसाइकिल पर अपने साथ ले गया और उसकी हत्या कर दी। दो दिन तक कोई संपर्क न होने पर परिजनों ने करकंब पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

इसी बीच रोपले इलाके के एक नहर में एक महिला का सड़ा-गला शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पहचान की प्रक्रिया शुरू की। बाद में पुष्टि हुई कि शव सोनाली जाधव का ही है। शक के आधार पर पुलिस ने तुकाराम गावंधरे को हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ की।

'मां-बहन की गालियां' पर हरियाणा महिला आयोग का एक्शनः मासूम शर्मा को आज करनाल बुलाया

करनाल, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। टटीरी गाने से विवादों में आए रैपर बादशाह पर कार्रवाई के बाद अब महिला आयोग ने गायक मासूम शर्मा पर भी कड़ा एक्शन लिया है। आयोग ने मासूम शर्मा को नोटिस जारी कर 18 अप्रैल को तलब किया है। मासूम पर आरोप है कि उन्होंने देहरादून में एक कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं के सामने स्टेज से ही अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए गालियां भी दी थी। ये बातें वीरवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पहुंची हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने कही। उन्होंने कहा कि ऐसे ही कुछ लोग प्रदेश में गन और गंद कल्चर फैला रहे हैं।

ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग गाने गाएं, नाचें और अपनी कला दिखाएं, इसमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन समाज में गलत संदेश फैलाने वाली चीजों को बढ़ावा देना स्वीकार नहीं किया जाएगा। आयोग इस मामले में पूरी गंभीरता से कार्रवाई कर रहा है। मासूम की धमकी की बात पर उन्होंने कहा कि ये सच है या झूठ ये वे ही बताएंगे। वहां पुलिस मौजूद थी वे उनकी सहायता ले सकते थे लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि वे किसी के सामने भी, किसी भी मंच से, कुछ भी करेंगे या कहेंगे। रेणु भाटिया ने ऐसे ही कुछ लोगों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एक ओर महिलाओं के सम्मान की बात करना और दूसरी ओर गानों में मां-बहन की गालियां देना या महिलाओं की तुलना शराब और हथियारों से करना बेहद निंदनीय है।

उन्होंने गाली दो और माफी मांगो संस्कृति को घटिया मानसिकता करार देते हुए कहा कि अब केवल माफी मांगना स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को मिलकर इस तरह की सामग्री के खिलाफ खड़ा होना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री से भी पत्राचार किया है। इसमें फिल्मों की तरह ही डिजिटल कंटेंट के लिए भी सेंसरशिप व्यवस्था लागू करने, सोशल मीडिया, रील्स और गानों पर निगरानी के लिए एक विशेष तंत्र बनाने की सिफारिश की गई है।

'बिल पास नहीं हुआ तो 2029 में मतदाता देंगी जवाब', महिला आरक्षण पर बोलीं किरण बेदी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व आईपीएस अधिकारी और पुदुचेरी की पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर किरण बेदी ने शुक्रवार को महिला आरक्षण विधेयक पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर संसद महिला आरक्षण विधेयक पारित करने में असफल रहती है, तो महिला मतदाता निर्णायक रूप से उन उम्मीदवारों का समर्थन कर सकती हैं, जो 2029 की संसद और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं अब शासन और नीति निर्माण में वास्तविक भूमिका की मांग कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अगर संसद महिलाकोटाविधेयक पारित करने में विफल रहती है,

तो महिला मतदाता निर्णायक रूप से उन लोगों का समर्थन कर सकती हैं जो 2029 की संसद और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई प्रतिनिधित्व

सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अब यह स्पष्ट है कि महिलाएं एक निर्णायक चुनावी ताकत हैं। प्रतीकात्मक तुष्टीकरण से काम नहीं चलेगा। वे वास्तविक रूप से सत्ता में अपनी जगह चाहती हैं और भारत के भविष्य को आकार देने में प्रत्यक्ष भूमिका चाहती हैं।' इस बीच, महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन आयोग की स्थापना के उद्देश्य से लाए गए तीन महत्वपूर्ण विधेयकों पर लोकसभा में शुक्रवार को मतदान होने वाला है। संविधान (131 संशोधन) विधेयक, 2026, जिसका उद्देश्य महिलाओं के लिए आरक्षण को सक्षम बनाना और परिसीमन को सुगम बनाना है। लोकसभा में मतों के विभाजन के बाद मंजूरी मिल गई। कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि परिसीमन प्रक्रिया के साथ-साथ महिला कोटा लागू करने के अभ्यास के तहत सभी राज्यों में लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो कई राज्यों में सीटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उत्तर प्रदेश में 120 सीटें, तमिलनाडु में 59, पश्चिम बंगाल में 63, केरल में 30 और गुजरात में 39 सीटें होने की संभावना है। लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करते हुए मेघवाल ने कहा, 'महिला आरक्षण विधेयक 2023 में पारित किया गया था, जिसमें 2026 के बाद की जनगणना और उसके बाद के परिसीमन के आधार पर इसके प्रावधानों को लागू करने का प्रावधान है। लोकसभा सदस्यों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी,

सहमति से बने संबंध वाले पॉक्सो केस रद्द करने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने जारी की गाइडलाइंस

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पॉक्सो एक्ट में कई बार ऐसे मामले सामने आते हैं जिसमें रिश्ते लड़का और लड़की की सहमति से बने होने की बात कही जाती है। इसके बारे में लड़की की तरफ से खुद स्पष्टता दी जाती है। लड़की कानूनी लड़ाई न लड़ने की अपील करती है क्योंकि उस मामले में दोनों की शादी की जा चुकी होती है, लेकिन चूंकि लड़की की उम्र 18 साल से कम होती है, ऐसे में उसे वैधानिक पीड़ित यानी कानूनी रूप से पीड़िता मान लिया जाता है। ऐसे में दिल्ली हाई कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामलों को कब रद्द किया जा सकता है,

इसको लेकर कई सिद्धांत निश्चित किए गए। जस्टिस अनुप जैराम भांभानी ने इससे जुड़ा अहम फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के तहत आपराधिक कार्यवाही को रद्द करना कानून के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि लेकिन ऐसी परिस्थिति को बहुत ही गंभीरता से लिया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों को रद्द करने के लिए तथ्यों और परिस्थितियों पर बहुत सावधानी और संवेदनशीलता से समझने और विचार करने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के तहत किसी अपराध को रद्द करने की याचिका पर विचार किया जाता है तो कोर्ट को उन कारणों का बहुत सावधानी से मूल्यांकन करना चाहिए कि आखिर क्यों पीड़िता यह मानने से इनकार कर रही है। उसे कोई नुकसान या चोट पहुंची है। क्या वो किसी के दबाव में तो ऐसा नहीं कर रही है। कोर्ट को इस बात पर अपनी संतुष्टि भी दर्ज करनी चाहिए।

ये चीजें उन मामलों पर होंगी जो कानूनी तौर पर पीड़ित वैधानिक पीड़ित की सहमति पर आधारित होती हैं। कोर्ट ने कहा कि अदालतों को उन अपराधियों के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो अपने पक्ष में आपराधिक कार्यवाही रद्द करवाने के लिए धोखे, चालबाजी या बेईमानी के तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। कोर्ट ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के तहत आने वाले अपराधों से जुड़ी आपराधिक कार्यवाही रद्द करने के लिए, सहमति के संबंध में मजबूत सुरक्षा उपाय और नियम तय करना जरूरी है।

अमेरिकी सेना ने 12 साल बाद सीरिया छोड़ा

जॉर्डन लौट रहे सैनिक, सरकार बोली– अब देश में एक ही प्रशासन चलेगा

दमिश्क, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। करीब 12 साल की सैन्य मौजूदगी के बाद अमेरिका ने सीरिया से अपने सभी सैनिक निकाल लिए हैं और सैन्य ठिकाने खाली कर दिए हैं। अप्रैल 2026 में हसाका के कसराक एयरबेस से आखिरी अमेरिकी काफिला निकल गया। इसके बाद सीरियाई सरकार ने सभी बेस अपने कब्जे में ले लिए।

सीरियाई विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यह कदम देश को एकजुट करने और पूरे इलाके पर सरकार का नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में बड़ा मोड़ है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की कि करीब 2000 सैनिक जॉर्डन जा रहे है।

अमेरिका ने हसाका, रुमैलान और देइर एज-जोर में मौजूद कम से कम सात बड़े ठिकाने खाली किए। आखिरी ठिकाना कसराक एयरबेस था। अब इस पर सीरियाई सेना का नियंत्रण है।

इस बीच, सीरिया सरकार और एसडीएफ के बीच हुए समझौते के बाद कुर्द लड़ाकों को राष्ट्रीय सेना में शामिल किया जा रहा है। हसाका और क़ामिशली जैसे शहरों

में सरकारी बल तैनात हो चुके हैं और सीमाई इलाकों पर भी दमिश्क का नियंत्रण बढ़ा है।

इसी साल दोनों पक्षों के बीच झड़पें भी हुई थीं, जिसके बाद मार्च में एक नया समझौता हुआ। इसके तहत एसडीएफ और कुर्द प्रशासनिक ढांचे को धीरे-धीरे राज्य में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू हुई। सीरिया ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय एंटी-आईएसआईएल गठबंधन में शामिल होकर अपनी भूमिका बदली है। इससे अमेरिका के लिए सीरिया में सैन्य मौजूदगी का आधार कमजोर हुआ और अब वह क्षेत्र में अपनी रणनीति को नए सिरे से तय कर रहा है।

एसडीएफ एक कुर्द-नेतृत्व वाला गठबंधन है, जिसे 2015 में बनाया गया था और इसमें कुर्द, अरब और दूसरे स्थानीय समूह शामिल हैं। सीरिया के गृहयुद्ध के दौरान जब सरकार कमजोर हुई, तब कुर्द लड़ाकों ने उत्तर-पूर्वी इलाकों पर कब्जा कर लिया। बाद में यही एसडीएफ के रूप में मजबूत ताकत बन गया।

अमेरिका के हटने के बाद सबसे बड़ा असर सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एसडीएफ) पर पड़ा है। पिछले एक दशक में उत्तर-पूर्वी सीरिया के बड़े हिस्से पर इसी संगठन का नियंत्रण रहा था। यह पूरी तरह अमेरिकी समर्थन पर टिका हुआ था।

हालांकि एसडीएफ और सीरियाई सरकार के बीच रिश्ते बेहतर हो रहे हैं। सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने दमिश्क में एसडीएफ के कमांडर मजलूम अब्दी और राजनीतिक प्रमुख इलहम अहमद से मुलाकात की है। विदेश मंत्री असाद हसन अल-शैबानी भी मौजूद थे। यह बैठक एसडीएफ को राष्ट्रीय ढांचे में शामिल करने की प्रक्रिया का हिस्सा थी। इससे पहले जनवरी 2025 में दमिश्क और एसडीएफ के बीच समझौता हुआ था। इसके तहत कुर्द लड़ाकों को सीरियाई सेना में शामिल किया जा रहा है। सीमा चौकियों और सरकारी संस्थानों का नियंत्रण दमिश्क को सौंपा जाएगा।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोला, कमर्शियल जहाज गुजर सकेंगे

तेहरान/वॉशिंगटन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान ने सीजफायर के दौरान होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोल दिया है। विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने X पर पोस्ट कर बताया कि इस दौरान में सभी कमर्शियल जहाजों को गुजरने की इजाजत होगी।अराघची ने बताया कि यह फैसला लेबनान में सीजफायर के बाद लिया गया है।

उन्होंने बताया कि जहाज एक सुरक्षित रास्ते से गुजरेंगे, जिसे ईरान के पोर्ट्स और मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने पहले से तय कर रखा है, ताकि सफर के दौरान कोई खतरा न हो। अराघची ने कहा कि इस दौरान जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समुद्री व्यापार प्रभावित न हो।

इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ईरान को शुक्रिया कहा है। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खुल गया है।

इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया है कि भारत ने अब तक ईरान से 2,358 नागरिकों को सुरक्षित बाहर

ट्रम्प बोले– शुक्रिया, भारत ने ईरान से 2,358 लोगों को निकाला

निकाल लिया है। इन लोगों को ईरान से निकालकर आर्मेनिया और अजरबैजान पहुंचाया, जहां से उनकी भारत वापसी कराई जा रही है।

ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान अपने एनरिच्ड (संवर्धित) यूरेनियम का भंडार अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है। एनरिच्ड यूरेनियम का इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में होता है।

ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से यह भी कहा कि दोनों देश शांति समझौते के काफी करीब हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह डील हो जाती है तो तेल की सप्लाई शुरू हो जाएगी और हालात सामान्य हो जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर समझौता इस्लामाबाद में होता है तो वे पाकिस्तान भी जा सकते हैं। हालांकि ईरानी मीडिया ने ट्रम्प के दावे को गलत बताया है और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति हवाई किले बना रहे हैं।

यूरेनियम एक ऐसा पदार्थ है, जिससे परमाणु ऊर्जा भी बनाई जा सकती है और परमाणु बम भी। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ता है कि उसे कितना एनरिच यानी शुद्ध किया गया है।

प्राकृतिक यूरेनियम में काम का हिस्सा बहुत कम होता है, इसलिए उसे मशीनों (सेंट्रीफ्यूज) के जरिए स्टेप बाय स्टेप शुद्ध किया जाता है। इसी प्रक्रिया को 'यूरेनियम एनरिचमेंट' कहते हैं।

अंतरराष्ट्रीय एजेंसी IAEA की रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के पास कुल मिलाकर करीब 5 से 6 टन के बीच एनरिच्ड यूरेनियम मौजूद है। हालांकि, यह इतना एनरिच्ड नहीं है कि इससे परमाणु हथियार बन सकें।

अभी 120 से 130 किलोग्राम के आसपास यूरेनियम को 60% तक एनरिच्ड किया जा चुका है। अगर यह एनरिच्डमेंट 90% तक कर लिया गया तो इससे परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं।

सट्टा सिंडिकेट का मास्टरमाइंड बाबू खेमानी मुंबई से अरेस्ट

महादेव ऐप की तर्ज पर कराई बेटिंग, रिश्तेदार ऑपरेट कर रहे थे

रायपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर का इन्फ्लुएंसर और सट्टा सिंडिकेट का मास्टरमाइंड बाबू खेमानी को रायपुर पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया। 17 अप्रैल को खेमानी को फ्लाइट से रायपुर लाया गया है। इसके साथ ही 6 और आरोपी भी पकड़े गए हैं। उनके कब्जे से बीएमडब्ल्यू समेत 60 लाख का सामान जब्त हुआ है।

जांच में खुलासा हुआ है कि, खेमानी के बहुत फॉलोअर थे, जिसका फायदा उठाकर हाई प्रोफाइल सट्टा खेलने वालों लोगों से संपर्क किया। उसने महादेव ऐप की तर्ज पर '3 स्टंप्स' ऑनलाइन वेबसाइट शुरू किया था। जानकारी के मुताबिक, उसके रिश्तेदार इसे ऑपरेट कर रहे थे।

खेमानी दबाव बनाकर सट्टे का पैसा वसूलता था। रायपुर पुलिस के दबाव के कारण उसने दूसरे

राज्यों में ऑनलाइन सट्टा खिलाना शुरू कर दिया था। पुलिस इसके विदेशी कनेक्शन की भी जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, बाबू खेमानी साल 2011 में दुबई, साल 2023 में थाईलैंड, 2025 में 3 बार दुबई गया है। इसके विदेशों के कनेक्शन की भी जांच की जा रहीं है।

बताया जा रहा है कि, इस पूरे नेटवर्क का संचालन देश के अलग-अलग शहरों से किया जा रहा था, जबकि बाबू खेमानी खुद रायपुर से कहीं बाहर बैठकर पूरे सिंडिकेट को कंट्रोल कर रहा था।

चीनी दादागिरी से मुक्ति के भारत के सपने को झटका

कोबाल्ट और कॉपर से भरे अफ्रीकी देश ने टाली डील

लुसाका, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन दुनियाभर में खनिजों पर कब्जा करने की होड़ में लगा हुआ है। रेअर अर्थ एलिमेंट पर एक तरह से चीन का पूरी तरह से दबदबा है। रेअर अर्थ के बिना आज ईवी से लेकर अत्याधुनिक चिप तक की कल्पना तक नहीं की जा सकती है। दुर्लभ खनिजों की इस दौड़ में भारत भी अब पीछे नहीं रहना चाहता है और इसी वजह से वह अफ्रीका की ओर देख रहा है। भारत अफ्रीकी देश जांबिया से खनिजों की डील करना चाहता था और दोनों के बीच बातचीत चल रही थी लेकिन यह डील अब लटक गई है। जांबिया कोबोल्ट और कॉपर से भरा हुआ है और इसी के खनन के लिए भारत बातचीत कर रहा था।

बिजनस इनसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक जांबिया के खनन के अधिकार पर आश्वासन नहीं देने की वजह से भारत के साथ उसकी यह डील स्थगित हो गई है। भारत

को पिछले साल कोबाल्ट और कॉपर की खोज के लिए जांबिया में 9000 वर्ग किमी का इलाका मिला था। कॉपर और कोबॉल्ट दोनों इलेक्ट्रिक वाहनों की बैट्री, इलेक्ट्रॉनिक्स और पॉवर इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए बहुत ही जरूरी है। कोबाल्ट बैट्री के लिए तो बेहद जरूरी खनिज है। वहीं दुनियाभर में ऊर्जा की बढ़ती मांग की वजह से कॉपर की डिमांड बहुत बढ़ती जा रही है।

यही नहीं भारतीय जिओलॉजिकल टीम को पिछले साल जांबिया में तैनात किया गया था और वे कोबाल्ट तथा कॉपर के नमूने लेकर वापस आ गए थे। इस खोज प्रोग्राम को शुरू में तीन साल के लिए बनाया गया था। इसके बाद भारत की योजना थी कि इसमें निजी कंपनियों को शामिल किया जाए ताकि खनन के औपचारिक अधिकार को सुनिश्चित किया जा सके। सूत्रों का कहना है कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि क्यों जांबिया ने जरूरी आश्वासन भारत को नहीं दिया। भारत जांबिया के साथ फिर से बातचीत को शुरू करना चाहता है लेकिन इसका कोई नतीजा अब तक नहीं आया है।

जांबिया सरकार या भारत सरकार ने इस पूरे मामले पर अभी कोई बयान नहीं दिया है। भारत के इस प्रयास में उस समय बाधा आई है जब मोदी सरकार अफ्रीकी, लैटनि अमेरिकी देशों और ऑस्ट्रेलिया के साथ सरकार से सरकार के स्तर पर क्रिटिकल मनिरल को लेकर डील कर रही है। भारत यह प्रयास तब कर रहा है जब दुनियाभर में सप्लाई चेन में दिक्कत आ रही है। साल 2018 से ही भारत के घरेलू कॉपर उत्खनन में दिक्कत आ रही है और इसी वजह से वह दुनिया के अन्य देशों में इसे तलाश रहा है।

भारत ने पिछले साल 12 लाख मीट्रिक टन कॉपर खरीदा था। भारत के कुल आयात में 4 प्रतिशत की तेजी आई है।

बालेन शाह के ऐक्शन से भारतीय सीमा पर बवाल

काठमांडू, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल में नए प्रधानमंत्री बालेन शाह के ऐक्शन से नेपाल में सियासी तूफान खड़ा हो रहा है। नेपाल पुलिस ने भारत से लगने वाली सीमा शुल्क चौकियों पर निगरानी बढ़ा दी है। दरअसल, बालेन शाह की सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि भारत से आने वाले 100 रुपये से ज्यादा की कीमत के सामान पर कस्टम ड्यूटी अनिवार्य रूप से वसूली जाए। अब पुलिस ने लोगों से कहना शुरू कर दिया है कि वे अनिवार्य रूप से कस्टम ड्यूटी अदा करें।

यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया गया है कि सीमावर्ती इलाकों के निवासी खाने-पीने की चीजें, कपड़े और घर का अन्य सामान खरीदने के लिए भारतीय बाजारों में जाते हैं, जिससे नेपाल के स्थानीय व्यापारियों के साथ ही राजस्व का भी नुकसान होता है। वहीं, नेपाल के इस कदम ने बॉर्डर के पास मौजूद भारतीय बाजारों में चिंता बढ़ा दी है।

इसके साथ ही भारतीय सीमा से लगे मधेश प्रांत में भारत में रजिस्टर्ड गाड़ियों की आवाजाही पर भी सख्ती शुरू कर दी गई है। प्रांतीय अधिकारियों का कहना है कि भारत में रजिस्टर्ड गाड़ियों का बिना इजाजत इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन यह मामला राजनीतिक विवाद का रूप लेता दिखाई दे रहा है। नेपाल में राजनीतिक पार्टियों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि कंट्रोल कड़े करने से सीमा पार लंबे समय से चले आ रहे सामाजिक और आर्थिक रिश्ते बिगड़ने का खतरा है।

मिस्र की कमाई देख ललचाए एर्दोगन

तुर्की में 20 अरब यूरो से बनाएंगे यूरोप का 'स्वेज नहर', नोटों की होगी बरसात

अंकारा, 17 अप्रैल(एजेंसियां)। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास जारी तनाव ने दुनिया का ध्यान वैकल्पिक समुद्री मार्गों पर केंद्रित किया है। इससे तुर्की को इस्तांबुल नहर प्रोजेक्ट एक फायदे का सौदा नजर आने लगा है। यह जलमार्ग बोस्फोरस जलडमरूमध्य के समानांतर चलेगा, और यूरोप को स्वेज नहर जैसी एक शिपिंग सुविधा देगा। यह नहर प्रतिदिन लगभग 160 जहाजों या तेल टैंकरों को संभालने में सक्षम होगी। इस कारण तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन इस्तांबुल नहर को यूरोप के स्वेज नहर के रूप में विकसित करने के लिए एक बड़ा मास्टरप्लान तैयार किया है।

तुर्की को उम्मीद है कि यह परियोजना उसे मिस्र की स्वेज नहर और पनामा के अंतर-महासागरीय मार्ग की तरह ही, इससे गुजरने वाले जहाजों से कमाई करने का अवसर प्रदान करेगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 20 अरब यूरो (21,88,92,00,00,000 रुपये) है। इसमें 12 बिलियन यूरो नहर निर्माण पर और 8 बिलियन यूरो नहर के दोनों किनारों पर विकास पर खर्च किए जाएंगे। उम्मीद है कि यह परियोजना 2027 तक पूरी हो जाएगी।

तुर्की के लिए यह कोई नई परियोजना नहीं है। इस परियोजना का ख्वाब 2021 में राष्ट्रपति एर्दोगन ने देखा था। उन्होंने इसे तुर्की की अर्थव्यवस्था के लिए एक क्रांतिकारी कदम बताया था। उन्होंने कहा थाः आज हम तुर्की के विकास के इतिहास में एक नया अध्याय लिख रहे हैं। हम 'कनाल इस्तांबुल' को इस्तांबुल के भविष्य को बचाने वाली एक परियोजना के रूप में देखते हैं, जिसका उद्देश्य इस्तांबुल के बोस्फोरस क्षेत्र और उसके आसपास रहने वाले नागरिकों के जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

मिस्र की स्वेज नहर से होने वाली कमाई ने कई देशों की नहर संबंधी महत्वकांक्षाओं को बढ़ावा दिया है। इसमें तुर्की के अलावा थाईलैंड का क्रा कैनाल भी शामिल है। यह लगभग 100-135 किमी लंबी नहर परियोजना है, जो अंडमान सागर को थाईलैंड की खाड़ी (प्रशांत महासागर) से जोड़ेगी।

अमेरिका में वैज्ञानिकों के लापता होने पर ट्रम्प बोले– मामला गंभीर, जांच का आदेश दिया

वाशिंगटन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों के लापता या मृत होने की रिपोर्ट को लेकर चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को इस मामले को 'गंभीर' बताया और जांच के आदेश दिए।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर बैठक की है और जल्द ही इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुछ बेहद महत्वपूर्ण लोग इससे जुड़े हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2023 के बाद से कम से कम 10 वैज्ञानिक या सरकारी कर्मचारी, जो एडवांस डिफेंस और एयरोस्पेस रिसर्च में काम कर रहे थे, लापता हो गए हैं या उनकी मौत हो गई है।

इन मामलों में लॉस एलामोस नेशनल लैबोरेटरी, नासा की जेट प्रोपल्शन लैब और एमआईटी के प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर से जुड़े लोगों का जिक्र किया गया है। कुछ लोग बिना निजी सामान लिए घर से गायब हुए, जबकि कुछ की मौत संदिग्ध हालात में हुई है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि संवेदनशील रिसर्च से जुड़े लोग निशाने पर हो सकते हैं, हालांकि अभी तक किसी ठोस कारण या पैटर्न की पुष्टि नहीं हुई है।

यूरोप के आकाश में रूस और फ्रांस के लड़ाकू विमानों का आमना–सामना

पेरिस, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। लिथुआनिया में तैनात फ्रांसीसी एयरफोर्स के राफेल लड़ाकू विमानों और रूसी एसयू-30एसएम फाइटर्स का आमना-सामना हुआ है। राफेल और एसयू-30 विमानों के बीच यह 'टक्कर' इस महीने तब हुई, जब फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों ने बाल्टिक एयर पुलिसिंग के लिए अपनी नई तैनाती (रोटेशन) शुरू की। ये विमान सियाउलियाई एयर बेस पर उतरे थे, जो रूसी सीमा से मात्र 130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इनके सामने आने वाले रूसी विमानों को कलिनिनग्राद के बेस से ऑपरेट किया गया।

मिलिट्री वॉट मैगजीन के मुताबिक, रूसी विमानों के इंटरसेप्शन (रोकने की कार्रवाई) के दौरान राफेल के पायलटों ने थेल्स TALIOS यानी टारगेटिंग और लेजर डेजिग्नेशन पॉड का इस्तेमाल किया। यह पॉड लंबी दूरी से खतरे की पहचान करने में उच्च-रिजॉल्यूशन वाली दृश्य क्षमता देता है। दूसरी ओर एसयू-30एसएम लड़ाकू विमान केएच-31 एंटी-रेडिएशन मिसाइलों से लैस थे, जिन्हें वायु रक्षा प्रणालियों को निषक्रिय करने के लिए डिजाइन किया गया है।

रूस के लड़ाकू विमानों का इस क्षेत्र में आगमन उस समय हुआ, जब फ्रांसीसी सेना ने रोमानिया (यूक्रेन की सीमा के पास) में लाइव फायर अभ्यास के लिए अपने युद्धक टैंकों को तैनात किया था। फ्रांसीसी सशस्त्र बलों की ओर से जारी वीडियो फुटेज में राफेल विमानों को एक रूसी Il-20एम इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विमान और एक एसयू-30एसएम लड़ाकू विमान की एस्कॉर्टिंग करते हुए दिखाया गया है।

चतरा–हजारीबाग सीमा पर मुठभेड़ में 4 नक्सली ढेर

15 लाख के इनामी सहदेव महतो संग पत्नी भी मारी गई, दो एके–47 राइफल बरामद

चतरा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के चतरा और हजारीबाग जिले की सीमा पर शुक्रवार को सुरक्षाबलों और प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई।

इस मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए, जिनमें 15 लाख रुपए का इनामी सब-जोनल कमांडर सहदेव महतो, उसकी पत्नी नताशा, रंजीत गंझु और बुधन करमाली शामिल हैं।

सीआरपीएफ के आईजी साकेत कुमार ने बताया कि सहदेव महतो 2014 में चाईबासा जेल ब्रेक कर भागा था। पुलिस से लूटे गए हथियार बरामद किए गए हैं।

रंजीत गंझु पर 10 लाख रुपए और बुधन करमाली पर 1 लाख

रुपए का इनाम घोषित था। वहीं, सहदेव महतो पर 41, नताशा पर 17, रंजीत गंझु पर 9 और बुधन करमाली पर 10 कांड दर्ज थे।

वहीं, मुठभेड़ के बाद जब जवानों ने इलाके में गहन सर्च ऑपरेशन चलाया। मौके से चारों नक्सलियों के शव बरामद किए गए। इसके साथ ही दो एके 47 राइफल, 1 कोल्ट एआर 15 राइफल और 1 इंसास राइफल बरामद किया गया है।

यह कार्रवाई पुलिस और कोबरा बटालियन के संयुक्त अभियान के तहत की गई। यह मुठभेड़ आज सुबह चतरा जिले के पिपरवार और हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत 'बटुका' के घने जंगलों में हुई। सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि नक्सलियों का एक बड़ा दस्ता इस इलाके में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश रचने के लिए इकट्ठा हुआ है। सूचना के आधार पर चतरा-हजारीबाग पुलिस और कोबरा बटालियन के जवानों ने संयुक्त रूप से घेराबंदी अभियान शुरू किया। जैसे ही सुरक्षाबलों ने इलाके को घेरना शुरू किया, नक्सलियों ने खुद को घिरा पाकर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

जवानों ने तुरंत मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की।

सरगुजिहा बोलने पर बच्चे को नहीं दिया एडमिशन

सरगुजा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में प्री-प्राइमरी स्कूल स्वरंग किड्स एकेडमी में एक बच्चे को इसलिए एडमिशन नहीं मिला, क्योंकि वह स्थानीय सरगुजिहा बोली बोलता है। पेरेंट्स का आरोप है कि प्रबंधन ने कहा कि हमारे स्कूल में बड़े घर के बच्चे पढ़ते हैं। वे आपके बच्चे की भाषा सीख जाएंगे, इसलिए उसे एडमिशन नहीं दे सकते।

परिजनों ने इसकी शिकायत कलेक्टर अजीत वसंत से की। अब कलेक्टर ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि, यदि सरगुजिहा बोलने पर स्कूल में एडमिशन नहीं मिला तो ऐसे स्कूल को बंद कर देना चाहिए।

बस ने बाइक सवार दंपती को मारी टक्कर

हादसे में पति की मौत, पत्नी घायल साली के घर जाते वक्त हुआ हादसा

कोडरमा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-कोवार मुख्य मार्ग पर गरचांच के पास एक तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

मृतक की पहचान गिरिडीह जिले के लरियाटांड निवासी 40 वर्षीय मोहम्मद निजामुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है। उनकी पत्नी 38 वर्षीय महरूम निशा घायल हुई हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों पति-पत्नी लारियाडीह डोरंडा से अपनी बाइक पर सवार होकर जयनगर के गरचांच स्थित पत्नी की छोटी बहन के घर जा रहे थे। रिश्तेदार के घर के पास सड़क पार करते समय गिरिडीह से कोडरमा आ रही राधा ट्रेवल्स नामक बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर से निजामुद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी पत्नी को भी चोटें आईं। मौके पर मौजूद योगियाटील्हा पंचायत के मुखिया इरफान अंसारी ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को एक ऑटो से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सक उपलब्ध न होने के कारण उन्हें एम्बुलेंस से सदर अस्पताल कोडरमा रेफर किया गया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने निजामुद्दीन को मृत घोषित कर दिया। उनकी घायल पत्नी का इलाज अभी जारी है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने बस के टायरों की हवा निकाल दी।

ग्रामीणों द्वारा बस को और अधिक क्षति पहुंचाने से पहले जयनगर पुलिस मौके पर पहुंची और बस को अपने कब्जे में ले लिया। घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने कोडरमा-कोवार मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिसे जयनगर थाना पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद खुलवाया।

आदि कैलाश में पार्वती सरोवर की सतह जमी

14 दिन बाद शुरू होगी यात्रा; बर्फीले रास्तों के बीच भगवान शिव के होंगे दिव्य दर्शन

उत्तराखंड में आदि कैलाश इस समय बर्फ की मोटी चादर से ढका हुआ है। हालात ऐसे हैं कि पवित्र पार्वती सरोवर की सतह तक जम चुकी है, जो आमतौर पर अप्रैल में खुले पानी के रूप में दिखाई देती है। ऐसे में 14 दिन बाद शुरू होने वाली यात्रा में श्रद्धालुओं को बर्फीले रास्तों के बीच भगवान शिव के दिव्य दर्शन होंगे।

आदि कैलाश समुद्र तल से करीब 14,600 फीट की ऊंचाई पर पिथौरागढ़ जिले के ज्योलिंगकांग में स्थित है। फिलहाल पूरे क्षेत्र में भारी बर्फ जमी है और तापमान -7°C बना हुआ है। ऐसे में 1 मई तक पूरी तरह सामान्य हालात बनना मुश्किल नजर आता है, लेकिन मौसम साफ रहा तो प्रशासन मार्ग को सुचारु करने में सफल हो सकता है।

जानिए कैसा होगा आदि कैलाश यात्रा का अनुभव

इस बार श्रद्धालुओं को एक अलग ही आध्यात्मिक और रोमांचक अनुभव मिलेगा। मंदिर, पहाड़ और पूरा परिसर बर्फ की सफेद चादर में ढका रहेगा, जिससे पूरा क्षेत्र 'सफेद धाम' जैसा नजर आएगा। ठंडी हवाओं, बर्फीले रास्तों और जमी झील के बीच शिव-पार्वती के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए दुर्लभ और यादगार अनुभव बनेंगे। हालांकि कड़ाके की ठंड के कारण यात्रा थोड़ी कठिन जरूर होगी, लेकिन यही बर्फीला माहौल इसे और ज्यादा खास बना देगा।

यहीं स्थित पार्वती सरोवर धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है, जहां सामान्य दिनों में श्रद्धालु स्नान कर शिव-पार्वती मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं। लेकिन इस बार सरोवर की जमी सतह ने इस स्थल को और भी अलौकिक बना दिया है।

1 मई को खुलेंगे कपाट, बर्फ के बीच तैयारियां तेज

आदि कैलाश स्थित शिव-पार्वती मंदिर के कपाट इस वर्ष 1 मई को विधि-विधान के साथ खुलेंगे। कुटी गांव के पुजारी पारंपरिक रीति-रिवाजों से पूजा-अर्चना करेंगे। कपाट खुलते ही यात्रा औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी। ग्राम प्रधान नगेंद्र कुटियाल के अनुसार, क्षेत्र में अब भी बर्फबारी का असर है, लेकिन ग्रामीण धीरे-धीरे पशुओं के साथ गांव लौटने लगे हैं। इससे साफ है कि स्थानीय स्तर पर यात्रा की तैयारियां तेज हो चुकी हैं।

मौसम की चुनौती के बावजूद प्रशासन सक्रिय है। धारचूला के एसडीएम आशीष जोशी ने कुटी से ज्योलिंगकांग तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। राहत की बात है कि मार्ग फिलहाल खुला है, जिससे यात्रा संचालन की उम्मीद बनी हुई है।

होम स्टे संचालक भी तैयारियों में जुटे हैं। ठहरने, साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। पानी-सड़क पर फोकस, गैस संकट के बीच इंतजाम यात्रियों को परेशानी न हो, इसके लिए ग्राम गुंजी में टैंकर से पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पेयजल योजनाओं को जल्द सुचारु करने पर जोर है।

बीआरओ को सड़कों की मरम्मत, गड्ढे भरने और संवेदनशील मार्गों को सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बर्फ के बीच भी यात्रा सुचारु रहे।

गैस की संभावित कमी को देखते हुए होम स्टे संचालकों से वैकल्पिक संसाधनों के उपयोग की अपील की गई है। साथ ही यात्रियों को बेहतर सुविधा, स्वच्छता और सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

परमिट नियम पहले जैसे, स्थानीयों को राहत

आदि कैलाश यात्रा के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) इस वर्ष भी पहले की तरह ही जारी किए जाएंगे। प्रशासन ने साफ किया है कि नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

हालांकि स्थानीय निवासियों को राहत दी गई है। धारचूला क्षेत्र के लोग अब आधार कार्ड के आधार पर यात्रा कर सकेंगे, जिससे उन्हें बार-बार औपचारिकताओं से नहीं गुजरना पड़ेगा।

फर्जी परमिट पर सख्ती, प्रशासन अलर्ट

पिछले वर्ष सामने आए फर्जी परमिट मामलों को देखते हुए इस बार प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सभी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और कंप्यूटर सेंटर संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि किसी भी तरह की गड़बड़ी पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। धारचूला के एसडीएम आशीष जोशी ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों और मौसम अनुकूल रहने पर 1 मई 2026 से आदि कैलाश यात्रा के लिए पास जारी किए जाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आईएलपी के लिए इस वर्ष भी वही दस्तावेज और नियम लागू रहेंगे, जो पिछले साल तक प्रभावी थे- इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

एसडीएम ने बताया कि इस बार प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है। किसी भी तरह के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आईएलपी जारी नहीं की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति, सीएससी या कंप्यूटर सेंटर इसमें लिप्त पाया गया, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ओम पर्वत भी बर्फ से लकदक

आदि कैलाश के साथ ही प्रसिद्ध ओम पर्वत भी इस समय बर्फ से पूरी तरह ढका हुआ है। हाल ही में हुई बर्फबारी के कारण यहां की सड़कें और रास्ते भी सफेद चादर में नजर आ रहे हैं।

ओम पर्वत का यह दृश्य श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। माना जा रहा है कि इस बार यात्रा सीजन में यहां आने वालों को पहले से ज्यादा खूबसूरत और बर्फीले नजारे देखने को मिलेंगे।

भीष्म पितामह की सीख

गलत साधनों से प्राप्त धन व्यक्ति के विचारों को भी दूषित कर सकता है

महाभारत का प्रसंग है। युद्ध का अंतिम समय चल रहा था। कौरवों और पांडवों के बीच भयंकर संघर्ष हो चुका था। कौरव सेना के लगभग सभी महारथी पराजित हो चुके थे और युद्ध अपने निर्णायक मोड़ पर था। उस समय महान योद्धा भीष्म पितामह बाणों की शय्या पर लेटे हुए थे, अपने अंतिम समय की प्रतीक्षा करते हुए।

एक दिन युद्ध में विराम के बाद सभी पांडव, श्रीकृष्ण भीष्म पितामह से मिलने पहुंचे। उनके साथ द्रौपदी भी थीं। भीष्म पितामह सभी को जीवन, धर्म और नीति से जुड़ी गहरी बातें समझा रहे थे।

तभी द्रौपदी के मन में एक प्रश्न उठा, उन्होंने कहा, "पितामह, आज आप धर्म और ज्ञान की इतनी गहरी बातें कर रहे हैं, लेकिन जब सभा में मेरा चीरहरण हो रहा था, तब आप भी वहां उपस्थित थे। उस समय आपका यह ज्ञान कहां था? आपने मेरी रक्षा क्यों नहीं की?"

भीष्म पितामह कुछ क्षण शांत रहे। फिर गंभीर स्वर में बोले, "पुत्री, मुझे पता था कि एक दिन तुम यह प्रश्न अवश्य पूछोगी। उस समय मैं दुर्योधन का दिया हुआ अन्न खा रहा था। वह अन्न अधर्म और अन्याय से कमाया गया था। ऐसे अन्न का प्रभाव मन और बुद्धि पर पड़ता है। मैं सब समझ रहा था, लेकिन मेरी बुद्धि दुर्योधन के सामने निर्णय लेने में असमर्थ हो गई थी।"

द्रौपदी ने फिर पूछा, "तो आज आप इतने स्पष्ट और निर्भीक होकर सत्य कैसे बोल पा रहे हैं?"

भीष्म ने उत्तर दिया, "जब अर्जुन के बाणों ने मेरे शरीर को भेद दिया, तब मेरे शरीर का सारा रक्त बह गया। वह रक्त उसी अन्न से बना था, जो दुर्योधन का था। अब मैं उस प्रभाव से मुक्त हूं, इसलिए सत्य को स्पष्ट रूप से कह पा रहा हूं।"

यह सुनकर वहां उपस्थित सभी लोग गहरे विचार में डूब गए। यह केवल एक उत्तर नहीं था, बल्कि जीवन का एक गहरा सत्य था।

प्रसंग की सीख

कमाई का स्रोत शुद्ध होना चाहिए

हम जो भी खाते हैं, पहनते हैं या उपयोग करते हैं, वह हमारी कमाई से जुड़ा होता है। यदि कमाई गलत तरीकों से होती है, तो उसका असर हमारे सोचने और निर्णय लेने की क्षमता पर पड़ता है। इसलिए ईमानदारी से कमाया गया धन ही वास्तविक सुख देता है।

भोजन केवल शरीर नहीं, मन को भी प्रभावित करता है

भोजन केवल शरीर को ऊर्जा नहीं देता, बल्कि मन और बुद्धि को भी प्रभावित करता है। गलत साधनों से प्राप्त भोजन व्यक्ति के विचारों को भी दूषित कर सकता है।

गलत संगति और निर्भरता से बचें

भीष्म जैसे महान योद्धा भी गलत व्यक्ति के अन्न के कारण प्रभावित हो गए। इससे यह सीख मिलती है कि हमें किसी भी तरह की ऐसी निर्भरता से बचना चाहिए, जो हमारी स्वतंत्र सोच को कमजोर करती है। गलत संगत में न रहें। अच्छे लोगों के साथ रहें।

अगर हम गलत को देखकर चुप रहते हैं, तो हम भी उस गलत के भागीदार बन जाते हैं। सही समय पर सही के पक्ष में खड़ा होना ही सच्चा धर्म है। भीष्म भी द्रौपदी के चीरहरण के समय मौन रहकर दुर्योधन के अधर्म में भागीदार बन गए थे। जीवन में समय-समय पर खुद से सवाल करना जरूरी है - क्या हम सही रास्ते पर हैं? क्या हमारे निर्णय नैतिक हैं? यह आदत हमें भटकने से बचाती है।

परिस्थितियों से ऊपर उठकर सोचें

कभी-कभी हालात ऐसे होते हैं कि सही निर्णय लेना मुश्किल लगता है, लेकिन हमें अपनी मूल्यों और सिद्धांतों को नहीं छोड़ना चाहिए। मुश्किल समय में भी धैर्य और समझ बनाए रखें, ताकि हम सही रास्ता चुन सकें।

किसी भी व्यक्ति या परिस्थिति का खुद पर इतना प्रभाव न होने दें कि आप सही और गलत का फर्क ही न समझ पाएं। जीवन में सफलता, प्रेम और शांति केवल शक्ति या ज्ञान से नहीं मिलते, बल्कि हमारी सही सोच और नैतिकता से मिलते हैं।

वास्तुशिल्प का अद्भुत नमूना है अम्मापल्ली का श्री रामचंद्र मंदिर

हैदराबाद शहर से महज़ 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक ऐसा मंदिर है जो न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि तेलुगु सिनेमा की 'लकी' शूटिंग लोकेशन भी माना जाता है. जी हां, हम बात कर रहे हैं अम्मापल्ली के श्री रामचंद्र स्वामी मंदिर की. यह मंदिर अपने अद्भुत वास्तुशिल्प, शांत वातावरण और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है।

जानकारी के अनुसार, यह मंदिर अत्यंत प्राचीन है. मंदिर भवन का निर्माण 13वीं शताब्दी में वेंगी राजाओं द्वारा कराया गया था, जबकि मुख्य मूर्ति लगभग 1000 वर्ष पुरानी मानी जाती है. मंदिर परिसर में एक विशाल सात मंजिला गोपुरम (मीनार) है, जिसके प्रवेश द्वार पर भगवान विष्णु की शयन मुद्रा में एक विशाल प्रतिमा अत्यंत मनोहर प्रतीत होती है।

मंदिर की अनोखी विशेषताएं

गर्भगृह में भगवान श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण जी की मूर्तियां एक ही काली चट्टान से सुंदर ढंग से तराशी गई हैं. इनका मकर तोरणम (पत्थर की मेहराब) भी उसी एक पत्थर से निर्मित है जो अपने आप में एक आश्चर्य है. दिलचस्प बात यह है कि हनुमान जी की मूर्ति गर्भगृह के अंदर नहीं, बल्कि भगवान राम के सामने स्थित ध्वज स्तंभ के पास स्थापित है. मंदिर परिसर में एक विशाल और प्राचीन तालाब स्थित है, जो चारों ओर बरामदों और नारियल के पेड़ों से घिरा हुआ है. पुराने समय में यह तालाब तीर्थयात्रियों के स्नान और विश्राम का प्रमुख स्थान हुआ करता था.

टॉलीवुड का पसंदीदा स्थल

यह मंदिर तेलुगु फिल्म उद्योग (टॉलीवुड) में बेहद लोकप्रिय है. निर्माता-निर्देशकों का मानना है कि यहां फिल्म की शूटिंग करने से भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है और फिल्म सफलता प्राप्त करती है. मंदिर का भव्य और रमणीय परिवेश फिल्मांकन के लिए एक आदर्श स्थल प्रदान करता है.

यहां कई फेमस फिल्में शूट हुई है, जैसे फिल्म अधूरू (2021) – महेश बाबू अभिनीत इस सुपरहिट फिल्म का एक लोकप्रिय गीत "सरु सरु" इसी मंदिर में फिल्माया गया था. फिल्म जर्सी (2022) – नानी अभिनीत इस भावनात्मक फिल्म का गीत "हया हया" मंदिर परिसर में शूट किया गया था. विक्रमार्का (2022) – रवि तेजा की इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की कुछ शूटिंग भी यहां हुई थी. उप्पेना (2021) – पंचजन्य और ईशा रवि अभिनीत इस फिल्म का प्रसिद्ध गीत "नि कसम" मंदिर के विशाल तालाब और बरामदों में फिल्माया गया था।

मंदिर पहुंचने का आसान रास्ता है, हैदराबाद से मेहदीपट्टनम होते हुए शमशाबाद की ओर जाएं, शमशाबाद बस स्टैंड या जंक्शन से मात्र 5 किलोमीटर की दूरी पर मंदिर स्थित है. बस स्टैंड से बाईं ओर मुड़ें, और मुख्य सड़क पर थोड़ी ही दूरी पर मंदिर स्पष्ट दिखाई देगा।

अक्षय तृतीया पर करें ये खास उपाय

फरीदाबाद में अक्षय तृतीया का पर्व इस बार खास महत्व लेकर आ रहा है. 19 अप्रैल को पड़ने वाली अक्षय तृतीया को लेकर शहर के लोगों में उत्साह है. मान्यता है कि इस दिन किए गए शुभ कार्य, खरीदारी और पूजा-पाठ का फल कभी समाप्त नहीं होता. ऐसे में औद्योगिक नगरी फरीदाबाद के लोगों के लिए यह दिन न सिर्फ धार्मिक बल्कि आर्थिक उन्नति का भी अवसर बन सकता है।

अक्षय तृतीया के दिन क्या खरीदें

आश्रम के महंत कामेश्वरानंद वेदांताचार्य ने बताया अक्षय तृतीया के दिन विशेष रूप से सोने या चांदी के सिक्के खरीदना शुभ माना जाता है. खासकर व्यापारिक और औद्योगिक वर्ग के लोगों को लक्ष्मी माता और भगवान गणेश की तस्वीर के साथ चांदी के सिक्के खरीदकर उन पर हल्दी-कुमकुम लगाकर अपनी तिजोरी में रखना चाहिए. इससे व्यापार और उद्योग में वृद्धि होती है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

कामेश्वरानंद वेदांताचार्य ने बताया कि इस दिन सात कौड़ियां लेकर उन्हें हल्दी से पीला कर लें और पीले कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखें. यह उपाय भी अत्यंत शुभ माना जाता है और धन वृद्धि का संकेत देता है. साथ ही गरीबों को मक्का और चने का सत्तू दान करना चाहिए. धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन सत्तू का विशेष महत्व है और इसे भगवान को भोग लगाने से पुण्य प्राप्त होता है।

कामेश्वरानंद वेदांताचार्य ने बताया अक्षय तृतीया का अर्थ ही है जो कभी क्षय न हो. इस दिन किए गए दान, यज्ञ, पूजा और व्यापार से जुड़ी गतिविधियों का फल लंबे समय तक मिलता है. लक्ष्मी नारायण भगवान की पूजा इस दिन विशेष रूप से की जाती है और मीठा पानी बांटने की परंपरा भी है जिससे समाज में सेवा और सद्भाव बढ़ता है. इस बार 19 अप्रैल को रविवार के दिन अक्षय तृतीया पड़ रही है जिसे ज्योतिष के अनुसार भी शुभ संयोग माना जा रहा है।

पूजा-पाठ और शुभ काम करें

महंत ने बताया इस दिन का अंक योग भी अच्छा फल देने वाला है, इसलिए फरीदाबाद के लोगों को इस अवसर का लाभ उठाते हुए पूजा-पाठ और शुभ कार्य जरूर करने चाहिए. फरीदाबाद जैसे विकसित और औद्योगिक शहर में अक्षय तृतीया न केवल आस्था का पर्व है बल्कि यह व्यापार और समृद्धि को बढ़ाने का भी एक महत्वपूर्ण मौका है. सही विधि और श्रद्धा के साथ किए गए उपाय जीवन में स्थायी सुख और उन्नति ला सकते हैं।

प्रकृति को छेड़ेंगे तो वह अपना विपरीत ही आपको सौंपेगी

देर रात की पार्टियां अब महंगी पड़ रही हैं। इनमें नशे का खेल चल रहा है। मौज-मस्ती की आड़ में आनंद अनैतिक होता जा रहा है। नई पीढ़ी के बच्चे, जो रात की पार्टियां करते हैं, उनमें से कई के तो माता-पिता को मालूम भी नहीं कि देर रात ये कहां हैं। कुछ घरों में इन बच्चों के माता-पिता खुद ऐसी पार्टी कर रहे हैं। इस समय मिडिल-एज के माता-पिता के बच्चे जवान हो गए। वो अपने चरित्र में गम्भीरता नहीं ला पा रहे हैं। वो अभी भी अपने को उसी उम्र में समझ रहे हैं और उसमें आकर उनके बच्चे जुड़ गए। इसलिए समाज का दृश्य बड़ा विचित्र हो गया। मनोवैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि किशोर होने की उम्र 11 साल हो गई, जो पहले लगभग 15-16 साल थी।

बच्चे उम्र से पहले जवान हो रहे हैं। अपोजिट जेंडर के प्रति उत्सुकता होना स्वाभाविक है। लेकिन अब नई बात निकलकर आई कि 11 वर्ष के किशोर भी जेंडर बदलने की तमन्ना रख रहे हैं। यह भी कुदरत से छेड़छाड़ है और प्रकृति को जब भी छेड़ा जाएगा, वह अपना विपरीत आपको सौंपेगी।

सोना नहीं इन 5 राशियों के लिए चांदी है लकी धातु

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों और धातुओं का गहरा संबंध बताया है। चांदी को चंद्रमा और शुक्र से जोड़कर देखा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार शिव जी की पूजा से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं। चंद्रमा मन के कारक ग्रह हैं और शुक्र सुख, वैभव और क्रिएटिविटी का प्रतीक है। चांदी पहनने से ये दोनों ग्रह मजबूत होते हैं। जिन लोगों तो चांदी सूट कर जाए, उनके जीवन में तेजी से सकारात्मक बदलाव आते हैं, खासकर करियर और मानसिक स्थिति में। हालांकि सभी के लिए चांदी पहनना लाभकारी नहीं है, लेकिन कुछ राशियों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है।

संघीय संतुलन की चुनौती

वृषभ राशि: चांदी है वरदान

वृषभ राशि के जातकों के लिए चांदी बेहद शुभ मानी जाती है। इसे पहनने से उनका गुस्सा नियंत्रण में रहता है और वे विवादों से दूर रहते हैं। मेहनती होने के बावजूद जो सफलता उन्हें देर से मिलती है, वह चांदी धारण करने के बाद तेजी से मिलने लगती है। करियर में भी अच्छे अवसर मिलते हैं।

कर्क राशि: मिलेगी मानसिक शांति

कर्क राशि के लोग भावुक और ज्यादा सोचने वाले होते हैं। ऐसे में चांदी पहनने से उनका मन शांत रहता है और तनाव कम होता है। यह उन्हें भावनाओं पर नियंत्रण रखने में मदद करता है। साथ ही जीवन में आगे बढ़ने के रास्ते भी खुलते हैं और स्वास्थ्य में भी सुधार देखने को मिलता है।

वृश्चिक राशि: धन लाभ

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए चांदी काफी लाभकारी साबित होती है। इसे पहनने से रुके हुए काम पूरे होने लगते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। साथ ही मानसिक दबाव कम होता है और सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। मेहनत का फल जल्दी मिलने लगता है।

तुला राशि: जीवन में आता है बैलेंस

तुला राशि के स्वामी शुक्र हैं, इसलिए चांदी इनके लिए खास मानी जाती है। इसे धारण करने से जीवन में संतुलन आता है और उलझनें कम होती हैं। सोचने में ज्यादा समय लगाने की आदत भी कम होती है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, परिवार और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

मीन राशि: आध्यात्मिक लाभ

मीन राशि के लोग स्वभाव से आध्यात्मिक और संवेदनशील होते हैं। चांदी की ऊर्जा इनके लिए बेहद अनुकूल मानी जाती है। इसे पहनने से उनकी क्रिएटिविटी, अंतर्ज्ञान और भावनात्मक संतुलन मजबूत होता है। साथ ही करियर में भी नए मौके मिलते हैं और मानसिक शांति बनी रहती है।

कब और कैसे पहनें चांदी

ज्योतिष के अनुसार, चांदी पहनने से कुंडली में ग्रहों का संतुलन बना रहता है। चंद्रमा और शुक्र के मजबूत होने से जीवन में सुख-समृद्धि, अच्छी सेहत और यश मिलता है। चांदी पहनने के लिए सोमवार का दिन सबसे शुभ होता है। इस दिन स्नान के बाद सफेद वस्त्र धारण करें और शिव जी का दूध से अभिषेक करें। इसके बाद चांदी का आभूषण धारण करें।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 18 अप्रैल - 2026

संघीय संतुलन की चुनौती

लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों के संभावित पुनर्निर्धारण के जरिए होने वाले आगामी परिसीमन की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। जनगणना के बाद सीटों की संख्या और उनका वितरण बदलने की संभावना ने देश की राजनीति में नई सियासी तूफान ला दिया है। यह बहस केवल तकनीकी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़ा सवाल लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व, क्षेत्रीय संतुलन और संघीय ढांचे की स्थिरता से भी है। परिसीमन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि हर सांसद लगभग समान जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करे। लेकिन पिछले कई दशकों से सीटों की संख्या स्थिर रहने के कारण राज्यों के बीच जनसंख्या अनुपात में बड़ा अंतर पैदा हो गया है। अब जब परिसीमन की संभावना सामने है, तो स्वाभाविक है कि अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की सीटें बढ़ सकती हैं। कम जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों की हिस्से में कम सीटें आ सकती हैं। यही वह बिंदु है जिसने दक्षिण भारत के कई राज्यों को बेचैन कर दिया है। दक्षिण भारत के राज्यों ने लंबे समय तक जनसंख्या नियंत्रण में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। यदि परिसीमन केवल जनसंख्या के आधार पर किया जाता है, तो इन राज्यों को उनकी इस सफलता के बावजूद राजनीतिक प्रतिनिधित्व में नुकसान उठाना पड़ सकता है। इससे यह संदेश जा सकता है कि जनसंख्या नियंत्रण के प्रयासों का कोई सकारात्मक प्रतिफल नहीं मिला। यह स्थिति न केवल नीति निर्माण की दृष्टि से निराशाजनक होगी, बल्कि संघीय संतुलन को भी प्रभावित कर सकती है। दूसरी ओर, उत्तर भारत के कई राज्यों का तर्क है कि लोकतंत्र का मूल सिद्धांत समान प्रतिनिधित्व है और यदि उनकी जनसंख्या अधिक है तो उन्हें अधिक सीटें मिलना ही चाहिए। यह तर्क भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित है। ऐसे में परिसीमन का प्रश्न केवल गणितीय संतुलन का नहीं, बल्कि राजनीतिक संवेदनशीलता और राष्ट्रीय एकता का भी है। इस संदर्भ में आवश्यक है कि केंद्र सरकार और नीति निर्माता परिसीमन की प्रक्रिया को केवल जनसंख्या के आधार तक सीमित न रखें, बल्कि इसमें विकास, क्षेत्रीय संतुलन और प्रशासनिक आवश्यकताओं जैसे पहलुओं को भी शामिल करें। परिसीमन का उद्देश्य केवल सीटों की संख्या बढ़ाना या घटाना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अधिक न्यायसंगत और संतुलित बनाना होना चाहिए। इसके अलावा परिसीमन की प्रक्रिया पारदर्शी और सर्वसम्मति पर आधारित होनी चाहिए। यदि यह प्रक्रिया राजनीतिक लाभ-हानि के दृष्टिकोण से संचालित होती दिखाई देगी, तो इससे राज्यों के बीच अविश्वास की भावना पैदा होने का खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि सभी राज्यों को विश्वास में लेकर एक संतुलित समाधान निकाला जाए, जिससे कोई भी क्षेत्र उपेक्षित महसूस न करे। स्पष्ट है कि परिसीमन केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक संरचना को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण निर्णय है। ऐसे में आवश्यक है कि सरकार इस विषय पर जल्दबाजी के बजाय व्यापक संवाद और सहमति की नीति अपनाए। तभी परिसीमन का उद्देश्य पूरा होगा और भारत का संघीय ढांचा मजबूत बना रहेगा।

महिला आरक्षण को लेकर मायावती का तीखा प्रहार

संजय सक्सेना

महिला आरक्षण अधिनियम के लागू होने के बाद देश की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई सीटें आरक्षित करने वाले इस कानून ने सभी दलों को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने को मजबूर कर दिया है। इसी सिलसिले में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा पोस्ट लिखकर भाजपा कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर सीधी चोट की है। उन्होंने कांग्रेस को गिरगिट तक कह डाला है। मायावती का कहना है कि कांग्रेस दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के मुद्दों पर दोहरा चरित्र अपनाती रही है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि देश के अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के संवैधानिक अधिकारों के मामले में कांग्रेस का रिकॉर्ड कभी भरोसेमंद नहीं रहा। मायावती ने आरोप लगाया कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब इन वर्गों को आरक्षण का पूरा लाभ दिलाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। आज महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस इन वर्गों की बात कर रही है लेकिन यह महज राजनीतिक मजबूरी है। मायावती ने अपने पोस्ट में भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में रहते हुए दलितों और पिछड़ों के हितों की अनदेखी करती रही है। समाजवादी पार्टी को भी उन्होंने पिछड़े वर्गों के प्रति उदासीन बताया। बसपा प्रमुख ने चेतावनी दी कि महिला आरक्षण कानून का लाभ एससी एसटी और ओबीसी महिलाओं को मिलना चाहिए अन्यथा यह कानून मात्र दिखावा साबित होगा। उन्होंने सभी दलों से अपील की कि वे इन वर्गों की महिलाओं के लिए वास्तविक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करें। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

इस खबर को गहराई से समझने के लिए हमें पहले महिला आरक्षण अधिनियम के संदर्भ को देखना होगा। यह कानून 128 संशोधन विधेयक के रूप में 2023 में पारित हुआ था। लोकसभा राज्यसभा और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान इसमें है। लेकिन इसका पूर्ण कार्यान्वयन 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद होगा जब परिसीमन होगा। इसी बीच मायावती का यह बयान राजनीतिक दलों के बीच आरक्षण के लाभार्थियों को लेकर हो रही बहस को तेज कर रहा है। बसपा हमेशा से दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक वोट बैंक पर निर्भर रही है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां जातिगत समीकरण निर्णायक होते हैं वहां यह बयान बसपा की रणनीति का हिस्सा लगता है। मायावती का कांग्रेस पर गिरगिट कहना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद आरक्षण नीतियों को लागू तो किया लेकिन कई बार इसे कमजोर करने की कोशिश भी की। उदाहरण के तौर पर 1990 के मंडल आयोग की सिफारिशों के समय कांग्रेस ने विरोध किया था। वी पी सिंह की सरकार ने ओबीसी आरक्षण लागू किया तो कांग्रेस ने इसे अदालत में चुनौती दी। मायावती का इशारा इसी ओर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में रहते हुए एससी एसटी को प्रमोशन में आरक्षण देने से कतरा गई। 2006 में प्रमोशन में आरक्षण बिल लाने की कोशिश हुई लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। आज जब महिला आरक्षण आया तो कांग्रेस एससी एसटी ओबीसी महिलाओं के कोटे की बात कर रही है जो पहले कभी नहीं उठाई। यह राजनीतिक उलटफेर मायावती को चुभ रहा है।

भाजपा पर मायावती का हमला भी कम तीखा नहीं है। भाजपा ने महिला आरक्षण बिल पास कराया लेकिन इसमें एससी एसटी ओबीसी के उप कोटा का जिक्र नहीं है। विपक्ष ने इसे लेकर आपत्ति जताई थी। मायावती का कहना है कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर दलितों के खिलाफ अत्याचारों को नजरअंदाज करती है। उत्तर प्रदेश में बसपा शासनकाल में मायावती ने दलितों के लिए कई योजनाएं चलाईं लेकिन अब वे कहती हैं कि भाजपा ने उन सबको उलट दिया। समाजवादी पार्टी पर भी उन्होंने चोट की जो यादव और मुस्लिम वोट पर केंद्रित है। सपा को पिछड़ों का ठेकेदार बताते हुए मायावती ने कहा कि यह दल अन्य पिछड़ों की अनदेखी करता है।

इस बयान का राजनीतिक संदर्भ गहरा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश में झटका लगा था। नरेंद्र मोदी की लहर के बावजूद सपा और कांग्रेस गठबंधन ने 43 सीटें जीतीं। बसपा मात्र एक सीट पर सिमट गई। अब 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। मायावती जानती हैं कि महिला आरक्षण बहस में दलित महिलाओं का मुद्दा उठाकर वे अपना वोट बैंक मजबूत कर सकती हैं। बसपा का कोर वोटर जाटव समुदाय है जो एससी का बड़ा हिस्सा है। मायावती का यह पोस्ट दलित युवाओं को लामबंद करने का प्रयास है।

कांग्रेस की स्थिति भी कमजोर नहीं है। राहुल गांधी ने हाल ही में जाति जनगणना की मांग उठाई है। वे कहते हैं कि महिला आरक्षण में एससी एसटी ओबीसी का उपकोटा जरूरी है। लेकिन मायावती इसे दिखावा मानती हैं। कांग्रेस का इतिहास देखें तो नेहरू काल में आरक्षण को अस्थायी बताया गया था। इंदिरा गांधी ने इसे मजबूत किया लेकिन सोनिया राज में भी प्रमोशन आरक्षण टला रहा। आज प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश में सक्रिय हैं और दलित मुद्दों पर बोलती हैं लेकिन मायावती को भरोसा नहीं। गिरगिट वाली टिप्पणी इसी अविश्वास को दर्शाती है।भाजपा का पक्ष भी देखा जाए तो उन्होंने आरक्षण को संवैधानिक दर्जा दिया। मोदी सरकार ने एससी एसटी एक्ट को मजबूत किया। लेकिन मायावती के आरोप सत्ता के दुरुपयोग के हैं। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार पर दलित अत्याचार के मामले बढ़ने का इल्जाम लगता है। बसपा इसे भुनाने की कोशिश कर रही है। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने भी महिला आरक्षण पर उपकोटा की बात की लेकिन मायावती उन्हें भी निशाने पर ले रही हैं।

महिला आरक्षण का असली सवाल लाभार्थी कौन होंगे। कुल सीटों का एक तिहाई महिलाओं को मिलेगा लेकिन एससी एसटी ओबीसी का अनुपात क्या होगा। संविधान में एससी के लिए 15 प्रतिशत एसटी के लिए 7.5 और ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण है। लेकिन विधानसभाओं में यह लागू नहीं होता। लोकसभा में एससी एसटी सीटें आरक्षित हैं लेकिन ओबीसी नहीं। महिला आरक्षण में उपकोटा न होने से सामान्य वर्ग की महिलाओं को फायदा हो सकता है। मायावती इसी डर से चिंतित हैं। वे चाहती हैं कि दलित पिछड़ी महिलाओं को अलग कोटा मिले। इस बहस से देशव्यापी प्रभाव पड़ेगा। बिहार झारखंड और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में जातिगत समीकरण उलट सकते हैं। बिहार में नीतीश कुमार ने ओबीसी सर्वे कराया जो कांग्रेस भाजपा को असहज कर रहा है। मायावती का बयान बहुजन समाज को एकजुट करने का संदेश दे रहा है।

मौसम की आंख मिचोली , कभी लू तो कभी बरसात

अशोक भाटिया

वर्तमान में, देश भर में मौसम में बड़ा बदलाव है, कुछ हिस्सों में गरज और गरज के साथ तूफान और कुछ हिस्सों में गर्मी की लहर और आर्द्र मौसम की चेतावनी दी गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 21 अप्रैल तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। इस पूर्वानुमान के अनुसार, महाराष्ट्र सहित 13 राज्यों में लू चलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ हिस्सों में 19 अप्रैल तक लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़, तेलंगाना, पश्चिम मध्य प्रदेश, ओडिशा में 17 से 19 अप्रैल, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और रायलसीमा में 17 और 18 अप्रैल को लू की स्थिति की भविष्यवाणी की है।

आईएमडी के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी हवाओं के साथ एक पश्चिमी प्रणाली सक्रिय है। 16 अप्रैल की रात से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक नया लेकिन कमजोर पश्चिमी सिस्टम आने की संभावना है। इसके कारण, उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। मध्य, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में गर्म हवा के साथ आर्द्र मौसम की संभावना है। 16 से 19 अप्रैल तक पूर्वोत्तर भारत के असम और मेघालय में हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। गरज के साथ बारिश की संभावना है। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। नागपुर जिला प्रशासन ने विदर्भ में लू की स्थिति और पारा 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास मंडरा रहे मद्देनजर सभी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए हाई अलर्ट जारी किया है।अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अविनाश गवांडे ने कहा कि कोल्ड बाथ रखा गया है और पर्याप्त दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।पुणे में आज और कल तापमान बढ़ेगा और 17 अप्रैल को पुणे में लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि दोपहर में काम न होने पर बाहर न निकलें। पुणे में तापमान 42 डिग्री तक जाने की संभावना है। 18 और 19 अप्रैल को पुणेकरों को मिलेगी गर्मी से राहत शहर में कुछ बारिश होने की संभावना है। सड़कें सुनसान हैं।

बताया जाता है कि पश्चिम एशिया में अभी भी युद्ध के बादल घने होने के साथ, इस साल का मानसून और भी शुष्क होने की उम्मीद है, दो गहराते बादलों के संयुक्त प्रभाव के साथः तेल की अनिश्चितता, आयात-निर्यात में देरी और युद्ध के कारण मुद्रास्फीति, बिना किसी वर्षा के। पीने के पानी का भी संकट है। कम से कम जल संकट के लिए तैयारी करना संभव है, इस तथ्य को देखते हुए कि युद्ध के बारे में कुछ भी नहीं किया जा सकता है। बेहतर होगा कि अगर हम अभी करने की कोशिश नहीं करेंगे तो इससे समस्याएं ही पैदा होंगी। इस संभावित संकट पर ध्यान देना जरूरी है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हाल ही में इस साल देश में सामान्य से 92 प्रतिशत बारिश होने का दीर्घकालिक पूर्वानुमान जारी किया है। इसलिए तैयार रहना जरूरी है। ला नीना और अल नीनो दो कारक हैं जिनका हमारी वर्षा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। सीधे शब्दों में कहें तो 'ला नीना' बारिश के लिए अच्छा है और 'अल नीनो' मारक है। अल नीनो की स्थिति के दौरान, अधिकांश समय वर्षा सामान्य से कम होती है। अब तक, ला नीना में नरमी आ गई है और स्थिति तटस्थ है, लेकिन आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि जून के बाद अल नीनो का प्रभाव बढ़ेगा, जो मानसून के लिए अनुकूल नहीं है। इसके संभावना बढ़ जाते हैं। इतना ही नहीं, इस साल की स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि मौसम विभाग द्वारा 92 प्रतिशत बारिश का पूर्वानुमान पिछले तीन दशकों में सबसे कम है। इस संबंध में और अधिक तैयारी करना आवश्यक है।

पिछले तीन दशकों में बढ़ता शहरीकरण, इसकी बढ़ती आबादी और राज्य के किसी भी शहर में पीने के पानी की कमी से विकट स्थिति पैदा हो सकती है। पुणे, मुंबई और ठाणे जैसे शहरों में नवविकसित क्षेत्रों में बड़ी इमारतों को अभी भी पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता है, क्योंकि पानी के वितरण में ढिलाई बरती जा रही है, लेकिन उन क्षेत्रों के लिए भी जहां पानी कम होने पर पाइप से पानी बहता है। इस तरह के संकट में मुनाफाखोरी कैसे हो सकती है और यह कैसे आम आदमी को बर्बाद कर सकती है, यह नए सिरे से बताने की जरूरत नहीं है।

महाराष्ट्र के कई बांध सिंचाई के लिए पानी भी उपलब्ध कराते हैं, लेकिन चूंकि पानी की कमी के समय पीने के पानी को प्राथमिकता दी जाती है, इसलिए कम वर्षा के पूर्वानुमान का कृषि पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन में व्यवधान केवल समस्याओं को बढ़ाएगा। वर्तमान में महाराष्ट्र के बांधों में जल भंडारण पिछले साल की तुलना में अधिक है। इसकी योजना अभी तत्काल प्राथमिकता है। आईएमडी मई के अंत तक संशोधित मानसून पूर्वानुमान जारी करेगा। वर्तमान पूर्वानुमान में सबसे आश्वस्त करने वाली चीजों में से एक यह है कि मानसून के बाद की अवधि में हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) की स्थिति सकारात्मक होने की संभावना है। आईओडी हिंद महासागर की पूर्वी और पश्चिमी महासागर सतहों पर तापमान में अंतर है। जब पश्चिम में समुद्र की सतह का तापमान औसत से ऊपर होता है, तो आईओडी सकारात्मक होता है, जो अच्छी वर्षा के लिए उपयोगी होता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि बाद के वर्षों में यह प्रभाव कितना देखा जाएगा, और यदि यह वास्तव में सकारात्मक होने जा रहा है, तो मानसून के पहले चरण में क्या किया जाना चाहिए?

इसका उचित कारण यह है कि हमारे शासकों में इस संभावित संकट से निपटने की इच्छाशक्ति नहीं है, शायद पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव, नारी शक्ति वंदन आदि जैसे अधिक महत्वपूर्ण व्यवधानों के कारण, लेकिन यह जलवायु संकट हमारे शासकों की प्राथमिकता में नहीं होना चाहिए। स्थिति का उदाहरण याद रखें। दरअसल, बारिश के मौसम की तरह ही सर्दियों के आगमन को भी नेमेची कहा जाता है। हालांकि, नियमित बारिश के कारण, मुंबई में नियमित रूप से गड्ढे होते हैं और सामान्य ठेकेदारों को भीख मांगने का मौका मिलता है। साथ ही दिल्ली में सर्दियों में हवा प्रदूषित होती है और कई लोगों के पास छाती के पिंजरे होते हैं। लेकिन हमारे शासक प्रदूषण को रोकने के लिए निवारक उपाय नहीं करना चाहते हैं, कम से कम इसे कम करने के लिए। इसका कारण यह है कि यदि पर्यावरण संरक्षण के उपाय किए जाते हैं, तो भी इसके परिणामों का अनुभव करने के लिए संबंधित लोगों को कुछ समय देना पड़ता है। पर्यावरण संरक्षण के उपाय वृक्षारोपण के समान हैं। पेड़ लगाने वालों के लिए उस पेड़ के फलों का स्वाद लेना संभव नहीं है। लेकिन जिस तरह हमें पेड़ लगाना बंद नहीं करना है, उसी तरह हमें पर्यावरण की रक्षा के उपाय करने से नहीं बचना चाहिए।

'प्रजा पालना–प्रगति योजना' के सामने चुनौतियां

सुरेश कश्यप

लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि सरकार खुद जनता के पास जाए—इसी उद्देश्य के साथ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने यह पहल शुरू की है। मंत्रियों और अधिकारियों को दफ्तरों से बाहर निकलकर सीधे जनता से जुड़ने, उनकी समस्याएं सुनने और मौके पर ही समाधान करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी लक्ष्य है कि सरकारी कल्याणकारी योजनाएं वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचें।

इसी सोच के तहत "99 दिनों की प्रजा पालना–प्रगति योजना" तैयार की गई है, जो 6 मार्च से शुरू होकर 12 जून तक लगातार चलेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और कलेक्टरों के साथ विशेष बैठकें कर दिशा-निर्देश दिए हैं। इस कार्यक्रम को दस प्रमुख विषयों और पांच चरणों में पूरे राज्य में लागू किया जा रहा है।

10 प्रमुख क्षेत्रः बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कृषि, स्वच्छता, जल आपूर्ति, सड़कें, बिजली, इंदिरम्मा आवास, राशन कार्ड, रोजगार सृजन और नशा उन्मूलन। इसके अलावा एक विशेष मोबाइल ऐप के माध्यम से कार्यों की निगरानी की जा रही है। जनभागीदारी को बढ़ाने के लिए कलेक्टरों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका के साथ ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में सुधार, 100 तेलंगाना पब्लिक स्कूलों की पहचान और रोजगार मेलों का आयोजन भी शामिल है।

मार्च 6 से तैयारियों के साथ शुरू होकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया और राज्यभर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अप्रैल में "अराइव अलाइव" नामक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और जनहानि रोकना है। इस अभियान में ट्रैफिक नियमों का पालन, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, तेज गति पर नियंत्रण, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल न करना और नशे में वाहन न चलाने जैसे नियमों पर जोर दिया जा रहा है। यह संदेश भी दिया जा रहा है कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार की कार्यशैली का आकलन अब केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जमीनी प्रदर्शन से भी हो रहा है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में घोषित यह 99 दिनों की योजना एक ओर वादा है, तो दूसरी ओर एक परीक्षा भी। इसका उद्देश्य यह साबित करना है कि सरकार कितनी तेजी और प्रभावशीलता से जनता की जरूरतों का जवाब दे सकती है।

यह योजना "मिशन मोड" में प्रशासन को संचालित करने का प्रयास है, जिसमें गांव पंचायतों से लेकर शहरी निकायों तक जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। जनसभाएं, शिकायत निवारण शिविर और जनप्रतिनिधियों के साथ सीधी बातचीत इसके प्रमुख आधार हैं। यह एक गतिशील लोकतंत्र की ओर संकेत करता है, जहां शासन जनता के करीब और त्वरित प्रतिक्रिया देने वाला हो।

मई महीने में कल्याणकारी कार्यक्रमों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। राज्य में किसान कल्याण, 'रायथु बंधु' योजना, सिंचाई के लिए पानी, कृषि उपकरणों पर सहायता, उर्वरकों की आपूर्ति, धान की खरीद, सब्सिडी गैस सिलेंडर, सीमित मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, तथा आवास योजनाओं को इस अवधि में प्रभावी रूप से लागू करने पर जोर है। इसके साथ ही डिजिटल प्रशासन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। भवन अनुमति, यूटिलिटी कनेक्शन जैसी सेवाओं को ऑनलाइन किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार कम होगा। हालांकि, इसके लिए तकनीकी ढांचे के साथ-साथ प्रशिक्षण और प्रशासनिक बदलाव भी जरूरी हैं। शिक्षा क्षेत्र में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मध्याह्न भोजन योजना का सुचारू संचालन, और शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही किताबें व वर्दी उपलब्ध कराने की योजना है। युवाओं के लिए रोजगार मेले और कौशल विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, हालांकि दीर्घकालिक रोजगार सृजन पर भी जोर दिया गया है।प्रशासनिक दृष्टि से यह योजना काफी चुनौतीपूर्ण है।

चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा बिहार का नया 'सम्राट'

योगेश कुमार गोयल

बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा।

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है। राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है।

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो। अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे।

चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए। सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा। बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से 'फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना है।

टेढ़े आंगन में खट्टे अंगूर तो होंगे ही

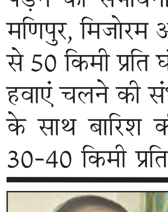

संजीव ठाकुर

महान साहित्यकार जमुना लाल जी ने साहित्य में एक नया शास्त्र को प्रतिपादित कर दिया बहाना-शास्त्र। इसमें विद्वान वही लोग हैं, जो न मंच पर टिक पाए, न पाठकों के दिल में बस पाए, लेकिन आत्मविश्वास ऐसा कि खुद साहित्य के भगवान हों।

इनका पहला सूत्र अगर हम सफल नहीं हो सके तो सफलता को ही संदेही घोषित कर दो। जिसने खुद कभी किसी को चाय ऑफर नहीं की हो पर दूसरों के यहां दावत उडाने को तैयार रहते हैं। जमुनालाल जी का परफॉर्मेंस भी इसी तरह का है जो मंच पर सफल नहीं हो पाए पर वो नाक-भौं सिकोड़कर फरमाते हैं कि अब मंच प्रबुद्ध साहित्यकारों के लिए नहीं रहा है और जो मंच पर चढ़े लेकिन टिक नहीं पाए वे कहते श्रोता भी अब समझदार नहीं रह गए हैं, जो दो मिनट में हूट हो गए, वे निष्कर्ष निकालते हमारी रचना है ही इतनी उच्च स्तरीय है कि जनता समझ ही नहीं पाती है। अब यह नई बात सामने आई है कि तालियाँ मिल जाएँ तो आप हिट हैं, और अगर लोग चुप रह जाएँ तो आपका साहित्य गंभीर हैं,यानि असफलता को भी अब साहित्यिक सम्मान में बदल देने की अद्भुत कला में माहीर हो गए है।

कभी-कभी तो लगता है कि वे साहित्य नहीं, अपनी असफलताओं का महाकाव्य लिख रहे है हर पंक्ति में समाज का दर्द कम खुद का दुखड़ा ज्यादा होता है। जमुना लाल जी का एक प्रिय वाक्य है हम भीड़ के लिए नहीं लिखते असल में भीड़ भी इनके लिए नहीं रुकती ही नही और जो दो-चार लोग रुक भी जाएँ वे भी मोबाइल बाज ही होतें हैं,लेकिन ये सज्जन इसे भी मौन प्रशंसा मान लेते देखो मेरे वक्तव्य के दौरान पूरा सभागार मौन था पर हकीकत यह थी कि सब मोबाइल में लगे हुए थे। अगर आपकी कविता में दम नहीं है, तो आंगन टेढ़ा होना ही था, मंच और श्रोताओं को दोष दे दीजिए।अगर आपकी प्रस्तुति में जान नहीं है, तो कह दीजिए दर्शक हल्के स्तर के थे ।

अगर लोग समझ नहीं पा रहे, तो दर्शक महान अज्ञानी और जो लोकप्रिय हैं उन्हें हल्का स्तरहीन हैं कहना नया फैशन हो गया है।

जो मंचों पर जोरदार चल रहा है वह निश्चित तौर पर ड्रामेबाज,जुमलेबाज होगा। जैसा खुद नहीं कर पाए, वह स्तरहींन । यह वही मानसिकता है, जिसमें आदमी परीक्षा में फेल हो जाए तो कहे पेपर सिलेबस से बाहर का बता देते हैं। नौकरी न मिले तो कहो सिस्टम में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है यह अलग बात है कि उसके बाद भी लोगों को हजारों नौकरियां मिल रही है। कविता न चल पाए तो यह कहकर पीछा छुड़ाइए कि साहित्य में वो बात नही रही है। कुछ लोग तो इतने महान बन चुके हैं कि उन्होंने अपनी अक्षमता को ही विचारधारा बना लिया है।हम अलग हैं, हम हटकर है कह कर गला नहीं सुखाते,असल में वे बस त्रिशंकु बने लटके हुए हैं। इनके लेखन में एक खास बात है,जहां उनके शब्द तो होते वहां संवेदना छुट्टी पर होती है,विचार तो होते हैं पर पाठक गायब होते हैं,वहां सबसे ज्यादा मौजूद होता लेखक का अहंकार। वह अहंकार भी बड़ा मजेदार,खुद को पढ़ने वाला कोई नहीं, लेकिन शिकायत पूरी दुनिया से है कि हमें समझा नहीं गया।

क्या ज्यादा गंभीर है रोहित शर्मा की चोट? कोच जयवर्धने ने दिया अपडेट; हार्दिक पर कही ये बात

मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहला मैच जीतने के बाद टीम को लगातार चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है और टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। टीम के लिए चिंता की बात यह भी है कि उसके स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा चोटिल हो गए हैं और वह पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे।

आरसीबी के खिलाफ चोटिल हुए थे रोहित

पंजाब के खिलाफ मैच से पहले मुंबई इंडियंस का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हुआ था। इस मैच में हिटमैन दूसरी पारी के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते नजर आए थे और रन-चेज के छठे ओवर में ही उन्हें चोट के कारण अपनी पारी बीच में ही छोड़नी पड़ी थी। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने बताया था कि पंजाब के खिलाफ रोहित को आराम दिया गया है। उनकी वापसी फिलहाल निश्चित नहीं है। हार्दिक ने कहा था, उन्हें यह देखने में कुछ मैच लगेंगे कि वह फिलहाल किस स्थिति में हैं।

रोहित पर दबाव नहीं डालना चाहता टीम प्रबंधन

अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने भी रोहित की फिटनेस पर अपडेट दिया है। मुख्य कोच ने कहा कि रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है और टीम प्रबंधन उन्हें ज्यादा दबाव में नहीं रखना चाहता क्योंकि टूर्नामेंट अभी शुरुआती दौर में है। जयवर्धने ने कहा, रोहित ने बुधवार से दौड़ना शुरू कर दिया है, बल्लेबाजी भी की है। हम हर दिन उनकी प्रगति का आकलन कर रहे हैं। उनकी चोट गंभीर नहीं है लेकिन साथ ही, हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते और अभी सत्र की शुरुआत है।

जयवर्धने ने इस बात को नकार दिया की टीम की लगातार चौथी हार से कप्तान हार्दिक पांड्या दबाव में हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ हार्दिक की जिम्मेदारी है। यह हम सभी की जिम्मेदारी है। जब हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं, तो यह किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं होती, बल्कि यह पता करना मेरी और टीम प्रबंधन में शामिल हर व्यक्ति की जिम्मेदारी होती है कि हम बेहतर प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं।

अर्शदीप का लकी चार्म! पंजाब-मुंबई मैच के दौरान दिखी ये मिस्ट्री गर्ल कौन?

आईपीएल में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मुकाबले में जहां एक तरफ अर्शदीप सिंह ने अपनी शानदार गेंदबाजी से टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, वहीं दूसरी तरफ स्टेडियम में मौजूद एक मिस्ट्री गर्ल ने भी सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मैच के दौरान कैमरा बार-बार उस लड़की पर गया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने दावा करना शुरू कर दिया कि वह कोई और नहीं बल्कि पंजाबी एक्ट्रेस और मॉडल समरीन कौर हैं।

समरीन ने सोशल मीडिया पर साझा की तस्वीरे

दरअसल, समरीन कौर ने खुद भी मैच से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसके बाद इन अटकलों को और हवा मिल गई। फैंस का मानना है कि वह अर्शदीप सिंह की रूमर्ड गर्लफ्रेंड हैं।

अर्शदीप ने साझा की थी तस्वीर

अर्शदीप का हाल ही में स्नैपचैट वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक मिस्ट्री गर्ल का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर अटकलों का बाजार गर्म हो गया था।

अर्शदीप के साथ दिखीं समरीन

हाल ही में अर्शदीप और समरीन को साथ में स्पॉट किया गया था। वायरल वीडियो आईपीएल का बताया गया, क्योंकि अर्शदीप के पीछे पंजाब की टीम बस खड़ी दिख रही है। अर्शदीप भी सामान के साथ हैं, यानी वीडियो टीम ट्रैवल के दौरान की है। अर्शदीप के साथ समरीन खड़ी हैं और अर्शदीप कुछ क्यूट से जेस्चर बनाते हैं और समरीन उस पर हंसने लगती हैं। इसके बाद समरीन से मिलने कोई महिला आती है और समरीन उनसे गले मिलती दिखती हैं। इसके बाद अर्शदीप और वो फिर से बात करने लग जाते हैं।

कौन हैं समरीन कौर?

समरीन कौर एक पंजाबी एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जो 2018 की मिस इंडिया फाइनलिस्ट रह चुकी हैं। वह मूल रूप से जम्मू-कश्मीर की रहने वाली हैं और उन्होंने पुणे के सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स से पढ़ाई की है। समरीन ने कई म्यूजिक वीडियो, हिंदी और पंजाबी फिल्मों में काम किया है और अपनी अलग पहचान बनाई है।

फिल्मों और म्यूजिक वीडियो में काम

समरीन कौर ने 83 में रणवीर सिंह के साथ काम किया था। इसके अलावा वह 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में भी नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'नेल पॉलिश' के बाद उन्हें अच्छी पहचान मिली। उन्होंने बादशाह और जस मानक जैसे कलाकारों के साथ भी काम किया है।

अब तक नहीं हुई कोई आधिकारिक पुष्टि

इन सभी कयासों के बावजूद, न तो अर्शदीप सिंह और न ही समरीन कौर की ओर से इस रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने आया है। इस वजह से यह मामला अभी सिर्फ अटकलों और फैंस के अनुमान तक ही सीमित है। आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों की पर्सनल लाइफ भी चर्चा का विषय बन जाती है। अर्शदीप और समरीन को लेकर चल रही यह चर्चा भी सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रही है और फैंस लगातार इस पर नजर बनाए हुए हैं।

बुमराह को मिला कोच जयवर्धने का समर्थन, बोले- हमारा गेंदबाजी आक्रामण अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने आईपीएल 2026 में विकेट न लेने के बावजूद जसप्रीत बुमराह का समर्थन किया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद उन्होंने स्वीकार किया है कि गेंदबाजी इकाई सामूहिक रूप से संघर्ष कर रही है। मुंबई इंडियंस को आईपीएल के मौजूदा सीजन में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है।

बुमराह के फॉर्म ने बढ़ाई चिंता

जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी का सबसे मजबूत और प्रमुख हथियार हैं। शुरुआती ओवर हों या डेथ ओवर, बुमराह के खिलाफ रन बनाना हमेशा मुश्किल होता है। बल्लेबाज उनके खिलाफ जोखिम नहीं लेते और अपनी विकेट बचाने की कोशिश करते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी उनके साथ ऐसा ही होता है, लेकिन आईपीएल 2026 बुमराह के लिए बिल्कुल अलग, असाधारण और निराशाजनक साबित हुआ है। यॉर्कर किंग के नाम से मशहूर बुमराह की गेंदों पर आराम से रन बन रहे हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने उनकी पहली गेंद पर छक्का लगा दिया था। सीजन के पांच मैचों में 19 ओवर फेंक कर 164 रन लुटाने वाले बुमराह को एक भी विकेट हासिल नहीं हो सका है। यह परेशान करने वाला है और मुंबई की लगातार हार का एक कारण भी है।

जयवर्धने ने कहा, बुमराह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। बस पावरप्ले में हम विरोधी टीमों पर दबाव नहीं बना पा रहे हैं। विपक्षी टीम जानती है कि बुमराह के खिलाफ ज्यादा जोखिम लेने की जरूरत नहीं है। हमने कुछ अलग-अलग तरीके आजमाए हैं। विरोधी टीम में ऐसे तरीके आजमा रही हैं, लेकिन वे अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। मैं किसी एक चीज पर अंगुली नहीं उठा सकता और यह नहीं कह सकता कि उन्होंने विकेट नहीं लिया है।

जयवर्धने बोले- आईपीएल की शुरुआत में चोटिल थे बुमराह

श्रीलंका के पूर्व कप्तान ने खुलासा किया कि आईपीएल की शुरुआत में बुमराह मामूली रूप से चोटिल थे, लेकिन अब वह पूरी तरह ठीक हो गए हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शुरुआत में ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि विश्व कप के दौरान उन्हें हल्की चोट लग गई थी। पिछले कुछ मैचों में उनकी गति में सुधार हुआ है। हमने इन सभी बातों को ध्यान रखा है, इसलिए वह काफी सहज महसूस कर रहे हैं। कभी-कभी किस्मत का साथ भी जरूरी होता है।

जयवर्धने ने हालांकि स्वीकार किया कि उनके गेंदबाज एक इकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करके विरोधी टीमों पर दबाव नहीं बना पाए हैं। उन्होंने कहा, एक गेंदबाजी इकाई के रूप में हम विभिन्न पिचों पर मिलकर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और यह कुछ ऐसा है जिस पर हमें काम करने की जरूरत है।

धीमी गेंदों को अपना हथियार बना रहे गेंदबाज पावरप्ले में अधिक रन बनाने पर ध्यान

2023 से शुरुआती 20 मैचों में धीमी गेंदों का इस्तेमाल

सीजन	धीमी गेंद	विकेट	इकोनॉमी
2023	14.7%	29	9.5
2024	22.4%	51	10.0
2025	22.9%	37	9.5
2026	25.6%	37	10.5

आईपीएल 2026 का पहला चरण शुरू हुए अब समय हो गया है और दो टीमों को छोड़कर अन्य टीमों ने पांच-पांच मुकाबले खेल लिए हैं। लीग चरण में 70 मैच खेले जाने हैं और टूर्नामेंट काफी लंबा है। टी20 एक ऐसा प्रारूप है जिसमें हर पल मैच का रुख बदलता रहता है। आईपीएल 2026 में अब तक 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं और टीमों की रणनीति भी स्पष्ट नजर आ रही है।

सबसे सफल टीमों का बुरा हाल

आईपीएल की तीन सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), इन तीन टीमों का हाल इस सीजन बेहाल है। अंक तालिका में ये तीन टीमें क्रमशः आठवें, नौवें और 10वें स्थान पर मौजूद हैं। केकेआर का तो पांच मैचों के बाद भी खाता नहीं खुल सका है, जबकि मुंबई की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार चार मुकाबले गंवा चुकी है। सीएसके ने हालांकि, अपने पिछले दो मैच जीते हैं, लेकिन उसका प्रदर्शन अपेक्षा के अनुसार नहीं रहा है।

ये तीन टीमें दिख रहीं मजबूत

अब तक खेले गए मुकाबले के हिसाब से गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें बेहद मजबूत दिख रही हैं। पंजाब अब तक अजेय बनी हुई है और उसने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। पंजाब की टीम पांच मैचों में नौ अंक लेकर शीर्ष पर मौजूद है, जबकि आरसीबी की टीम आठ अंकों के साथ दूसरे और राजस्थान भी इतने अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाएंट्स और सीएसके की टीमों के एक समान चार-चार अंक हैं। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण सनराइजर्स चौथे स्थान पर है।

सीजन के पहले 25 मैचों में दिखा है ये रुझान

अब तक खेले गए मैचों में जो ट्रेंड सामने आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि टीमों का ध्यान पावरप्ले में ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर है तो धीमी पिचों पर गेंदबाजों ने धीमी गेंद को ही अपना हथियार बनाया है।

पावरप्ले में ज्यादा से ज्यादा रन की रणनीति ने कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं।

मध्य ओवरों में भी टीमें अब पावरप्ले की तरह ही धुआंधार खेल रही हैं।

पहले चरण में टीमों के 200+ स्कोर बनाने के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं।

तेज गेंदबाज पेस-ऑफ बॉल्स (धीमी गेंद) का इस्तेमाल ज्यादा कर रहे हैं।

रन बनाने की तेजी में 7 से 10 ओवरों के बीच ज्यादा विकेट गिर रहे हैं।

यूरोपा लीगः एससी ब्रागा ने बेटिस को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के दूसरे लेग में एससी ब्रागा ने शानदार वापसी करते हुए रियल बेटिस को 4-2 से हराकर कुल स्कोर 5-3 के साथ सेमीफाइनल में जगह बना ली। ब्रागा ने 15 साल बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। मैच की शुरुआत में बेटिस ने जबरदस्त दबाव बनाया। कुचो हर्नांडेज का शुरुआती प्रयास थोड़ा बाहर चला गया, लेकिन जल्द ही टीम ने बढ़त हासिल कर ली। अब्दे एजालजौली ने शानदार क्रॉस दिया, जिस पर एंटोनी ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। इसके बाद बेटिस ने तेजी से दूसरा गोल भी दागा। पाब्लो फोर्नल्स ने बेहतरीन मूव बनाते हुए एजालजौली को पास दिया, जिन्होंने मौका बनाकर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। 2-0 से पीछे होने के बाद ब्रागा ने अचानक मैच का रुख पलटा। पाउ विक्टर ने डिफेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल किया और टीम को वापसी की राह दिखाई। इसके बाद ब्रागा ने दूसरा गोल करते हुए बराबरी की। विटोर कार्वाल्हो ने रिकार्डो होर्टा की फ्री-किक पर शानदार हेडर किया।

इसके बाद ब्रागा पूरी तरह हावी हो गई। चार मिनट के भीतर रिकार्डो होर्टा ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को 3-2 की बढ़त दिलाई। यह पेनल्टी तब मिली जब सोफ्यान अमराबत ने डेमिर एगे टिकनाज को फाउल किया। मैच के अंतिम चरण में जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने एक शानदार वॉली के जरिए चौथा गोल दागा और जीत पक्की कर दी। इस शानदार जीत के साथ ब्रागा अब सेमीफाइनल में एससी फ्रीबर्ग का सामना करेगी। 15 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंची ब्रागा निश्चित रूप से एससी फ्रीबर्ग को चौंकाने का प्रयास करते हुए फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी। फ्रीबर्ग को चौकन्ना रहना होगा। पहला लेग 30 अप्रैल को पुर्तगाल में और दूसरा 7 मई को जर्मनी में खेला जाएगा।

दो दिवसीय राज्य स्तरीय राइज कंटेंडर्स कप 9 मई से

राजस्थान टेबल टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में राइज टेबल टेनिस अकादमी और स्ट्रीक इंडिया की ओर से आगामी 9 मई से दो दिवसीय राज्य स्तरीय राइज कंटेंडर्स कप-2026 का आयोजन किया जाएगा। टूर्नामेंट के विजेताओं को 50,000 रुपए से अधिक की नकद पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाएगी। राइज टेबल टेनिस एकेडमी की निदेशक जोशिता माथुर ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रतिभागिता हेतु पुरुष और महिला प्रतिभागियों के लिए तीन श्रेणियां क्रमशः, अंडर-14, अंडर-19 और ओपन श्रेणी रखी गई हैं, जिसकी अंतिम तारीख तीन मई और पंजीकरण शुल्क मात्र 600 रुपए निर्धारित है। सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को एकेडमी की ओर से एक-एक टी-शर्ट, गुडीज किट, रिफ्रेशमेंट बॉक्स और प्रतिभागिता प्रमाणपत्र आदि उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रत्येक श्रेणी में विजेता को 5100 रुपए नकद और एक विशेष उपहार मिलेगा, जबकि उपविजेता को 3100 रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

लखनऊ के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी पंजाब किंग्स

पंजाब किंग्स 19 अप्रैल को न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखने के इरादे से उतरेगी। टीम इस समय इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है और अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर काबिज है। पंजाब किंग्स ने अपने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराकर दमदार जीत दर्ज की। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 196 रन बनाए थे, लेकिन पंजाब ने इस लक्ष्य को महज 16.3 ओवर में 198/3 बनाकर आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के हीरो रहे ओपनर प्रभसिमरन सिंह जिन्होंने 39 गेंदों पर 80 रन की विस्फोटक पारी खेली और अंत तक क्रीज पर डटे रहे। उनकी इस पारी की सराहना करते हुए टीम के गेंदबाजी कोच सैराज बहुटुले ने उन्हें "सनसनीखेज खिलाड़ी" बताया। उन्होंने कहा कि प्रभसिमरन लगातार टीम को मजबूत शुरुआत दे रहे हैं और उनकी फॉर्म टीम की सफलता का बड़ा कारण है।

बहुटुले ने प्रभसिमरन की निरंतरता का श्रेय टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग को दिया। उन्होंने कहा कि पोंटिंग की सकारात्मक सोच और नेतृत्व का प्रभाव पूरी टीम पर पड़ा है, जिससे खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ उनकी जोड़ी टीम के लिए बेहद प्रभावी साबित हो रही है।

मैच के दौरान श्रेयस अय्यर ने एक शानदार कैच लेकर सभी को प्रभावित किया। बहुटुले ने इसे आईपीएल इतिहास के सर्वश्रेष्ठ कैचों में से एक करार देते हुए कहा कि यह लंबे समय तक याद रखा जाएगा। उन्होंने अय्यर को एक बेहतरीन बल्लेबाज और प्रेरणादायक कप्तान भी बताया, जो हर परिस्थिति में टीम का नेतृत्व करने में सक्षम हैं। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट झटके। बहुटुले ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने नई और पुरानी दोनों गेंद से बेहतरीन नियंत्रण और स्विंग दिखाई, जो जीत की अहम वजह बनी।

अब पंजाब किंग्स की नजरें 19 अप्रैल को होने वाले मुकाबले पर टिकी हैं, जहां टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत हासिल कर अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहेगी।

सुकेश के खिलाफ जैकलीन सरकारी गवाह बनेंगी 200 करोड़ की ठगी केस में सहयोग को तैयार

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस ने 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग केस में सरकारी गवाह बनने की इच्छा जताई है। पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक्ट्रेस ने जानकारी दी कि वे इस मामले में जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करने को तैयार हैं।

कोर्ट ने एक्ट्रेस की बात सुनने के बाद उन्हें निर्देश दिया है कि इसके लिए उन्हें सबसे पहले प्रवर्तन निदेशालय के पास एक औपचारिक अर्जी दाखिल करनी होगी। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है। सुकेश पर आरोप है कि उसने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह से करीब 200 करोड़ रुपए की ठगी की थी।

ईडी की जांच में सामने आया था कि सुकेश ने ठगी के इन पैसों से जैकलीन फर्नांडिस को करोड़ों रुपए के कीमती गिफ्ट्स दिए थे। इसमें लग्जरी बैग, हीरे की ज्वेलरी, महंगे घोड़े और बिल्लियां शामिल थीं। इस वजह से ईडी ने जैकलीन को भी इस मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया था।

सरकारी गवाह बनने से क्या बदलेगा?

जैकलीन फर्नांडिस काफी समय से इस हाई-प्रोफाइल केस में आरोपी के तौर पर जांच का सामना कर रही हैं। अब उन्होंने कोर्ट के सामने प्रस्ताव रखा है कि वे सरकारी गवाह बनकर सच्चाई सामने लाना चाहती हैं। अगर ईडी उनकी अर्जी स्वीकार कर लेती है और कोर्ट इसकी अनुमति देता है, तो जैकलीन इस केस में आरोपी से गवाह बन जाएंगी।

कानूनी जानकारों के मुताबिक, इससे उन्हें सजा में छूट या कानूनी कार्रवाई से राहत मिल सकती है, बशर्ते वे सुकेश के खिलाफ पुख्ता जानकारी दें।

जैकलीन ने लिए थे कई महंगे गिफ्ट

ED के मुताबिक, जैकलीन से दोस्ती हो जाने के बाद सुकेश ने उनके ऊपर 7 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च कर दिए थे। सुकेश ने जैकलीन को ये चीजें गिफ्ट की थीं...

महंगी ज्वैलरी- चार पर्शियन बिल्लियां

57 लाख रुपए का एक घोड़ा

बहरीन में रह रहे जैकलीन के पेरेंट्स को 1.89 करोड़ की दो गाड़ियां (पोर्श और मसेराटी)

जैकलीन के भाई को SUV

जैकलीन की बहन को सवा करोड़ की BMW कार

सुकेश के साथ जैकलीन फर्नांडिस की कई तस्वीरें वायरल हो चुकी हैं।

सुकेश के साथ जैकलीन फर्नांडिस की कई तस्वीरें वायरल हो चुकी हैं।

मामले की पूरी टाइमलाइन

अगस्त 2021: दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने सुकेश के खिलाफ FIR दर्ज की और 200 करोड़ की ठगी का खुलासा हुआ।

अक्टूबर 2021: इस मामले में पहली बार जैकलीन फर्नांडिस का नाम सामने आया और ईडी ने उनसे घंटों पूछताछ की।

दिसंबर 2021: जैकलीन को मुंबई एयरपोर्ट पर विदेश जाने से रोका गया, उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी हुआ।

अगस्त 2022: ईडी ने अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में जैकलीन को आरोपी के तौर पर नामजद किया।

नवंबर 2022: पटियाला हाउस कोर्ट से जैकलीन फर्नांडिस को इस मामले में नियमित जमानत मिल गई।

अप्रैल 2026: जैकलीन ने कोर्ट में सरकारी गवाह बनने की इच्छा जताई और ईडी को अर्जी देने की प्रक्रिया शुरू हुई।

करियर और इमेज पर पड़ा है असर

सुकेश चंद्रशेखर केस की वजह से जैकलीन फर्नांडिस को पिछले तीन-चार सालों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। उन्हें विदेश जाने के लिए हर बार कोर्ट से परमिशन लेनी पड़ती थी।

उनके कई ब्रांड एंडोर्समेंट और फिल्में भी प्रभावित हुईं। माना जा रहा है कि सरकारी गवाह बनकर जैकलीन खुद को इस कानूनी पेच से बाहर निकालना चाहती हैं ताकि वे अपने एक्टिंग करियर पर दोबारा ध्यान दे सकें।

प्रकाश राज के खिलाफ केस दर्ज कराया गया

एक्टर पर भगवान राम और रामायण का मजाक उड़ाने का आरोप लगा

दरअसल, सोशल मीडिया पर प्रकाश राज का केरल लिटरेचर फेस्टिवल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक्टर बच्चों द्वारा लिखी एक काल्पनिक रामायण की कहानी सुनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। राज ने कहा कि भगवान राम, लक्ष्मण और सीता दक्षिण की ओर जा रहे थे। रास्ते में जंगल देखकर लक्ष्मण ने खुशी जताई। इस पर राम ने कहा कि यह किसी का खेत है। लक्ष्मण ने पूछा कि वहां लगे फल खाए जा सकते हैं या नहीं। राम ने जवाब दिया कि भूख लगने पर फल खा सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जब वे फल खाने लगे, तब शूर्पणखा और रावण वहां पहुंचे। शूर्पणखा ने इस पर आपत्ति जताई, लेकिन रावण ने कहा कि वे भूखे हैं, उन्हें खाने दिया जाए और बाद में बात की जाएगी।

प्रकाश राज के मुताबिक, फल खाने के बाद राम ने लक्ष्मण से कहा कि कुछ आदिवासी आए हैं। इस पर रावण ने जवाब दिया कि वो मालिक हैं। इसके बाद बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ा।

कहानी में जीएसटी और छूट का जिक्र

प्रकाश राज ने अपनी कहानी में जीएसटी का संदर्भ भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि राम ने फल खाने के बाद पैसे देने की बात कही। इस पर शूर्पणखा ने हिसाब लगाकर 2000 डॉलर जीएसटी सहित बताए। राम और लक्ष्मण ने कहा कि उनके पास पैसे नहीं हैं। इसके बाद रावण ने 20% छूट देने की बात कही, लेकिन तब भी उनके पास पैसे नहीं थे। इस पर रावण ने कहा कि अगर पैसे नहीं दे सकते तो काम करके इसकी भरपाई करें। उनसे कहा गया कि जो फल खाए हैं, उनके बीज लगाएं, पेड़ तैयार करें और फिर लौटें।

वीडियो में प्रकाश राज ने आगे कहा कि रावण ने पूछा, 'आपका नाम क्या है?' इस पर जवाब मिला, 'मैं नॉर्थ से राम हूं, और रावण ने कहा, 'मैं साउथ से रावण हूं, आपसे मिलकर अच्छा लगा।'

हिंदी भाषा और खान-पान पर टिप्पणी

वीडियो प्रकाश राज ने नॉर्थ-साउथ मुद्दे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत से आने वाले लोग दक्षिण भारत में हिंदी थोपने की कोशिश न करें। साथ ही उन्होंने खान-पान को लेकर भी टिप्पणी की और कहा कि किसी को यह नहीं बताना चाहिए कि क्या खाना है।

वकील ने दर्ज कराई शिकायत

प्रकाश राज के इस बयान पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई है। वकील अमिता सचदेवा ने दिल्ली पुलिस के साउथ डिस्ट्रिक्ट साइबर सेल में एक्टर के खिलाफ बयान को लेकर शिकायत दर्ज कराई। सचदेवा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि उन्होंने भारतीय न्याय संहिता की धारा 299, 302, 196, 352 और 353 के तहत आईटी एक्ट के साथ शिकायत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि केरल लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान प्रकाश राज ने भगवान श्रीराम और पवित्र रामायण का मजाक उड़ाया है। सचदेवा ने अपने पोस्ट में कहा कि वह इस मामले को गंभीरता से आगे बढ़ाएंगी और ऐसे मामलों को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि धार्मिक भावनाओं के अपमान की एक सीमा होती है और इसे समझना जरूरी है।

विद्युत जामवाल की हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' 16 अक्टूबर को रिलीज होगी

पैरामाउंट पिक्चर्स की फिल्म स्ट्रीट फाइटर का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया। फिल्म में नोआ सेंटिनियो, जेसन मोमोआ और एंड्र्यू कोजी मुख्य भूमिकाओं में हैं। खास बात यह है कि इसमें बॉलीवुड एक्टर विद्युत जामवाल धाल्सिम के रोल में नजर आएंगे। फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इस फिल्म से विद्युत हॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। ट्रेलर में विद्युत पूरी तरह बाल्ड लुक में दिखाई दे रहे हैं। उनके शरीर पर बने टैटू और रग्ड स्टाइलिंग दिख रही है। इसके साथ ही उनका लीन और मस्कुलर फिजीक धाल्सिम के योगा-आधारित फाइटिंग स्टाइल को बखूबी दर्शाता है। ट्रेलर में धाल्सिम का किरदार पारंपरिक शांत योगी की इमेज से थोड़ा अलग नजर आ रहा है। विद्युत की इंटेंस आंखें और खतरनाक एक्सप्रेशन उनके किरदार को एक डार्क और पावरफुल ट्विस्ट देते हैं। ट्रेलर में फिल्म के एक्शन और फाइट सीक्वेंस की झलक दिखाई गई है। फिल्म को 1993 की पृष्ठभूमि में सेट किया गया है, जहां रयू और केन मास्टर्स फिर से एक बड़े मुकाबले में उतरते हैं। कहानी में चुन-ली उन्हें वर्ल्ड वॉरियर टूर्नामेंट के लिए तैयार करती है। इस टूर्नामेंट के पीछे एक साजिश छिपी है, जो दोनों को आमने-सामने खड़ा करती है और उनके अतीत से जुड़ी चुनौतियों को सामने लाती है।

तलाक के एक महीने बाद हंसिका मोटवानी ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 'अगर आप गलत ट्रेन में चढ़ गए हैं तो...'

हाल ही में खबरें आईं कि अभिनेत्री हंसिका मोटवानी का सोहेल कथूरिया से तलाक हो गया है। लगभग एक महीने के बाद अभिनेत्री ने इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। 11 मार्च को मुंबई के बांद्रा में एक फैमिली कोर्ट ने दोनों की आपसी सहमति से तलाक दे दी। इस अलगाव ने लोगों का काफी ध्यान खींचा।

तलाक पर क्या बोलीं हंसिका?

हंसिका ने कहा 'लोगों को सनसनी चाहिए थी, उन्हें मिल गई। उन्हें सुर्खियां चाहिए थीं, उन्हें मिल गईं। मैंने कभी इस पर सफाई नहीं दी, न ही दूंगी क्योंकि मेरे लिए यह कोई मायने नहीं रखता। यह ठीक है। मुझे कोई पछतावा नहीं है। अगर आप गलत ट्रेन में चढ़ गए हैं, तो उसमें परेशान होने से बेहतर है कि आप उससे उतर जाएं।'

हंसिका का किसने दिया साथ?

उन्होंने आगे कहा कि वह अपने फैसले से संतुष्ट महसूस करती हैं और अब वह भावनात्मक रूप से बेहतर स्थिति में हैं। हंसिका ने बताया कि उनके सबसे मुश्किल दौर में उनके परिवार ने उनका पूरी तरह से साथ दिया। उन्होंने बताया कि उनकी मां और भाई ने बिना किसी शर्त उनका साथ दिया। उन्होंने हंसिका को एक बहुत ही मुश्किल दौर से गुजरते देखा था, जो उनकी आमतौर पर खुशमिजाज स्वभाव को देखते हुए काफी चिंताजनक लग रहा था।

अभिनेत्री निजी रखना चाहती हैं अपना फैसला

चीजों को निजी रखने के अपने फैसले को दोहराते हुए, उन्होंने कहा कि आखिर क्या गलत हुआ, इसकी जानकारी सिर्फ हम दोनों को ही है। उन्हें लगता है कि कुछ मामले सिर्फ उनसे जुड़े लोगों के बीच ही रहने चाहिए।

कंगना बोलीं- चिराग संग रोमांस होता तो हमारे बच्चे होते : कहा- वे सिर्फ मेरे दोस्त हैं; अगर कुछ होना होता, तो अब तक हो चुका होता

एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनोट ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ अपने रिश्तों को पर खुल कर बात की है। उन्होंने साफ किया है कि उनके और चिराग के बीच कोई रोमांटिक एंगल नहीं है। कंगना से चिराग पासवान के साथ उनके कथित अफेयर को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर मुस्कुराते हुए कंगना ने कहा, नहीं, चिराग सिर्फ मेरे एक बहुत अच्छे दोस्त हैं। जब भी मैं उनके बारे में सोचती हूं, मुझे उनमें सिर्फ एक दोस्त ही नजर आता है। कहा- रोमांस होता तो बच्चे हो गए होते बातचीत के दौरान कंगना ने बेहद बेबाक और मजाकिया अंदाज अपनाया। उन्होंने कहा, हमने करीब 10 साल पहले एक फिल्म साथ की थी। अगर हमारे बीच वाकई कुछ होना होता, तो अब तक हमारे बच्चे हो चुके होते। कंगना ने आगे कहा कि अगर रोमांस होना होता, तो अब तक हो चुका होता।

फिल्म 'मिले ना मिले हम' से शुरू हुई दोस्ती कंगना और चिराग पासवान के बीच की बॉन्डिंग

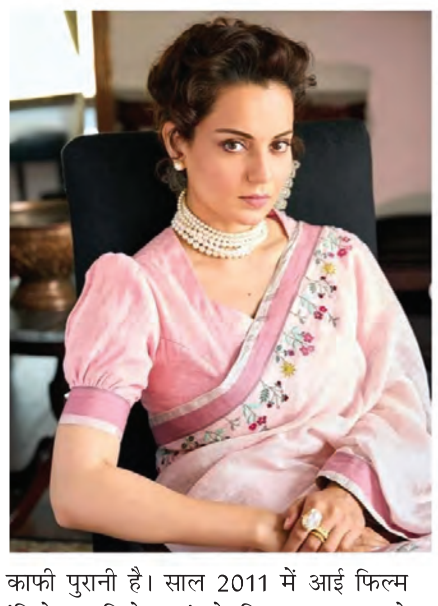

काफी पुरानी है। साल 2011 में आई फिल्म 'मिले ना मिले हम' से चिराग पासवान ने

बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में कंगना रनौत उनकी लीड एक्ट्रेस थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो खास कमाल नहीं कर पाई, लेकिन यहीं से दोनों की दोस्ती की शुरुआत हुई। आज दोनों राजनीति के मैदान में सक्रिय हैं और अक्सर संसद में एक-दूसरे के साथ हंसते-मुस्कुराते नजर आते हैं।

'इमरजेंसी' के बाद 'क्वीन 2' की तैयारी कंगना की हालिया रिलीज फिल्म 'इमरजेंसी' थी, जिसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया था।

इस फिल्म का निर्देशन भी उन्होंने खुद ही किया था। आने वाले समय में कंगना अपनी फ्रेंचाइजी की अगली कड़ियों 'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' में नजर आएंगी। वहीं, चिराग पासवान अब फिल्म इंडस्ट्री छोड़कर पूरी तरह से राजनीति और अपने मंत्रालय की जिम्मेदारियों में व्यस्त हैं।

उत्तराखंड में जुबिन नौटियाल ने गुपचुप तरीके से अपनी चाइल्डहुड फ्रेंड से रचाई शादी

अपनी आवाज से लोगों के दिलों को लुभाने वाले जुबिन नौटियाल ने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जुबिन नौटियाल ने उत्तराखंड में बहुत ही गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। उन्होंने इस शादी में सिर्फ खास लोगों को ही बुलाया है। आपको बता दें कि उत्तराखंड की वादियों में जुबिन ने अपनी बचपन की दोस्त से शादी कर ली है।

जुबिन नौटियाल का जन्म देहरादून में हुआ है और अपने इतने बड़े दिन के लिए उन्होंने अपने होमटाउन में ही इस जश्न को सेलिब्रेट किया। इस खबर को सुनने के बाद जुबिन के फैंस का खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा।

बहुत ही सादगी से की शादी

एक तरफ जहां लोग बड़े-बड़े ताम-झाम के साथ शादी कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ जुबिन नौटियाल ने सिंपल शादी कर के यह साबित कर दिया की हर जगह दिखावा करने की जरुरत नहीं है।

सूत्रों के अनुसार जुबिन अपनी लाइफ को बहुत ही प्राइवेट तरीके से रखना पसंद करते हैं। इस वजह से उन्होंने किसी को यह बात नहीं बताई थी। उनकी शादी में सिर्फ कुछ खास मेहमान ही शामिल थे। वैलेंटाइन डे पर जुबिन ने अपनी पार्टनर की झलक दिखाई थी, तभी से भी फैंस ने अंदाजा लगाना शुरू कर दिया था कि वो जल्दी ही शादी कर लेंगे।

संजय दत्त स्टारर 'आखिरी सवाल' 8 मई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज़

संजय दत्त स्टारर 'आखिरी सवाल' वाकई उन सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है जिसका हर कोई बेसब्री से इंतज़ार कर रहा है। अपनी अनाउंसमेंट के साथ हलचल मचाने के बाद, मेकर्स ने हनुमान जी के जन्मोत्सव के मौके पर इसका टीज़र रिलीज़ किया, जो हमें दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' (RSS) के इतिहास में इतनी गहराई से ले जाता है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। हालांकि, फिल्म हर बीतते दिन के साथ और भी गंभीर होती जा रही है, और इसमें उठाए गए सवाल वाकई देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाले हैं।'आखिरी सवाल' ने इतिहास के कुछ दबे हुए सवालों को उठाया है: क्या महात्मा गांधी की हत्या के पीछे आरएसएस का हाथ था? क्या आरएसएस बाबरी मस्जिद विध्वंस में शामिल था? इमरजेंसी (आपातकाल) के पीछे का सच क्या है और इसमें आरएसएस ने क्या भूमिका निभाई थी?

ये वाकई देश के इतिहास के वो गहरे और गंभीर सवाल हैं जिन्हें पूछने की हिम्मत बहुत कम लोगों ने दिखाई है। फिल्म की रिलीज़ के साथ 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में इन सब चीज़ों की पड़ताल की जाएगी। 'आखिरी सवाल' का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा प्रेजेंट की गई इस फिल्म को निखिल नंदा और संजय दत्त ने प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

विपुल अमृतलाल शाह 16 साल पुराने चेक बाउंस मामले को 'लंदन ड्रीम्स' के प्रोड्यूसर्स से जीत लिया

विपुल अमृतलाल शाह ने आखिरकार लंदन ड्रीम्स के प्रोड्यूसर्स के खिलाफ 16 साल पुराना चेक बाउंस का मामला जीत लिया है। साल 2009 में, विपुल अमृतलाल शाह ने अपनी कंपनी 'सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड' के जरिए प्रोड्यूसर्स को उनकी फिल्म पूरी करने के लिए एक लोन दिया था। प्रोड्यूसर्स द्वारा जारी किया गया रीपेमेंट चेक उस वक्त बैंक में जमा करने पर बाउंस (डिसऑनर) हो गया था।

मिस्टर पीजे सिंह और उनकी पत्नी मिसेज गीता भल्ला सिंह दोषी

16 साल तक चली इस लंबी और थका देने वाली कानूनी प्रक्रिया के बाद, अंधेरी के मेट्रोपॉलिटन कोर्ट के विद्वान मजिस्ट्रेट ने 15 अप्रैल, 2026 को दिए अपने आदेश में प्रोड्यूसर्स मिस्टर पीजे सिंह और उनकी पत्नी मिसेज गीता भल्ला सिंह को दोषी ठहराया और उन्हें 'नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881' के तहत सजा सुनाई।

9 महीने की कैद

प्रोड्यूसर्स को 90 दिनों के भीतर भुगतान करने का आदेश दिया गया है, वरना उन्हें 9 महीने की कैद का सामना करना होगा। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि इंसाफ में देरी जरूर हुई, लेकिन इंसाफ मिला।

विजय वर्मा बने मटका किंग, दमदार एक्टिंग और डार्क क्राइम ड्रामा सीरीज

मटका किंग

कलाकार: विजय वर्मा , साई ताम्हणकर , कृतिका कामरा , गुलशन ग्रोवर ,सिद्धार्थ जाधव , साइरस साहूकार और जेमी लीवर

निर्देशक: नागराज मंजुले

विजय वर्मा की मोस्ट अवेटेड सीरीज मटका किंग रिलीज हो चुकी है। 960 के दशक के बॉम्बे की पृष्ठभूमि पर बनी यह सीरीज़ मटका जुए की दुनिया और उससे जुड़े अंडरवर्ल्ड की सच्चाई को पर्दे पर लाने की कोशिश करती है। सीरीज का निर्देशन नागराज पोपटराव मंजुले ने किया है। सीरीज में गुलशन ग्रोवर और कृतिका कामरा जैसे सितारे नजर आएंगे। आइए जानते हैं कैसी है सीरीज मटका किंग।

कहानी

सीरीज़ की कहानी 'बृज भट्टी' नाम के एक साधारण से आदमी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक कॉटन मिल में मैनेजर है जिसका किरदार विजय वर्मा ने निभाया है।

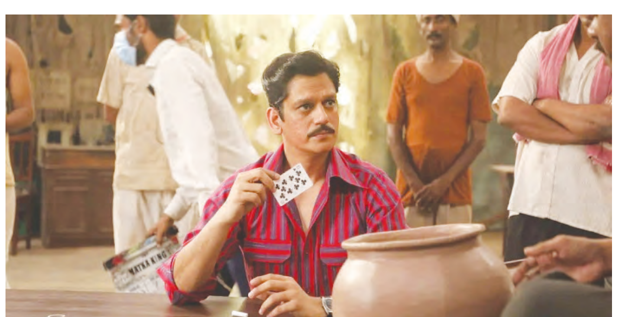

कॉटन मिल का मालिक लालजी भाई है जो एक बेहद लालची और बेइमान आदमी है जो आकंड़ो यानि सट्टे का धंधा भी करता है। शुरुआत में बृज संघर्ष करता हुआ दिखाई देता है, लेकिन हालात और महत्वाकांक्षा उसे मटका जुए की दुनिया में ले आते हैं। धीरे-धीरे वह 'मटका किंग' बनकर उभरता है और एक बड़ा गैंबलिंग एम्पायर खड़ा करता है। कहानी में उसके निजी जीवन की उलझनें भी दिखाई गई हैं, जहां एक तरफ उसकी पत्नी है, वहीं दूसरी ओर कृतिका के साथ उसका एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर कहानी में नया मोड़ लाता है।

एक्टिंग

विजय ने बृज भट्टी के किरदार में शानदार परफॉर्मेंस दी है। उनका ट्रांसफॉर्मेशन एक आम इंसान से 'मटका किंग' बनने तक काफी प्रभावशाली लगता है। कृतिका कामरा और साई ताम्हणकर ने भी अपने-अपने किरदारों के साथ न्याय किया है। वहीं गुलशन ग्रोवर, गिरीश कुलकर्णी और सिद्धार्थ जाधव जैसे अनुभवी कलाकार सीरीज़ को और मजबूती देते हैं।

निर्देशन

निर्देशक नागराज पोपटराव मंजुले ने 60 के दशक के बॉम्बे को बारीकी से दिखाने की कोशिश की है। सीरीज़ का टोन डार्क और रियलिस्टिक है, जो मटका जुए के खतरनाक सिस्टम और अंडरवर्ल्ड के कनेक्शन को अच्छे से पेश करता है। हालांकि कुछ जगहों पर कहानी की रफ्तार धीमी महसूस हो सकती है, एक एक एपिसोड थोड़ा खींचा हुआ लगता है। कई चीजें अधुरी लगती है जिन्हें पूरी गहराई से नहीं पकड़ा गया।

रिव्यू

मटका किंग एक ऐसी सीरीज़ है जो क्राइम, ड्रामा और इमोशन का बैलेंस बनाकर चलती है। अगर आपको अंडरवर्ल्ड और रियल लाइफ से प्रेरित कहानियां पसंद हैं, तो यह सीरीज़ आपको पसंद आएगी।

झारखंड में आग बरसाएगा सूरज

मौसम विभाग ने जारी किया हीटवेव का अलर्ट

रांची, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में तीखी गर्मी दस्तक दे रही है। राज्य के कई हिस्सों में 19 और 20 अप्रैल को लू (हीटवेव) चलने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इन हालात को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने अनुमान जताया है कि राज्य के कई इलाकों के तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक का उछाल आ सकता है। फिलहाल राज्य में 33.5 डिग्री सेल्सियस से 41.8 डिग्री सेल्सियस तापमान है। आईएमडी ने लोंगो से गर्मी से बचने की सलाह दी है।

इन 7 जिलों में होगी भीषण गर्मी

मौसम विभाग ने झारखंड के 7 जिलों पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसवां, पलामू, गड़वा,लातेहार और चतरा में लू चलने की आशंका जताई है। इन जिलों के लिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। उसने कहा है कि 19 अप्रैल को लातेहार, पलामू,चतरा और गढ़वा में भीषण गर्मी हो सकती है। इसके अगले दिन 20 अप्रैल को सरायकेला-खरसवां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम जिले में भी हीटवेव चलने की संभावना है।

झारखंड में पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में दर्ज किया गया। यहां पारा 41.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 37.1 और रांची में 37.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कुछ हिस्सों में शुक्रवार, 17 अप्रैल को तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। इसके बाद 18 अप्रैल को वातावरण शुष्क और साफ रहने का अनुमान है। लेकिन इसके बाद रविवार से गर्मी कहर बरसाएगी।

मौसम विभाग ने लोगों से 19 और 20 अप्रैल को धूप में नहीं निकलने की सलाह दी है। खास तौर पर पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में हीटवेव लोगों को परेशान कर सकती है। रांची सहित कुछ जिलों में गुरुवार को दोपहर के बाद हल्की बारिश हुई थी। इससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। हालांकि अब आने वाले दिनों में हीटवेव चलेगी जिससे सतर्क रहने की जरूरत है।

9 साल टीचिंग करने वाली अपूर्वा बनी मिसेज इंडिया 2026

बोलीं– मां बनने के बाद लगा लाइफ थम गई, डिप्रेशन से निकलकर खिताब जीता

आरा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। 2023 में मैं पहली बार मां बनी, तो ऐसा लगा कि लाइफ थम गई है, क्योंकि मेरी पहली प्रॉयरिटी बेटी थी। ये हर मां के साथ होता है। मैं बेटी के साथ खुश थी। लेकिन करियर को लेकर डिप्रेशन में चली गई।

मिसेज बिहार का टाइटल जीतने के बाद मैं अपने परिवार में खुश थी, लेकिन जब मिसेज इंडिया के बारे में पता चला, तो मेरे परिवार ने जबरन मुझसे रजिस्ट्रेशन कराया और नतीजा आपके सामने है।'

आरा शहर के पुरानी पुलिस लाइन की रहने वाली 30 साल की डॉ. अपूर्वा वर्मा ने बातचीत में ये बातें कही।

दरअसल, अपूर्वा वर्मा ने नेशनल लेवल पर मिसेज इंडिया का अवार्ड जीता है। गुजरात के अहमदाबाद में 11 अप्रैल को देश के अलग-अलग राज्यों की 22 प्रतिभागियों को पछाड़ कर अपूर्वा ने ये अवार्ड अपने नाम किया है।

अपूर्वा के पिता विजय लाल पेशे से कारोबारी हैं, जबकि मां सरोज श्रीवास्तव हाउस वाइफ हैं। अपूर्वा के पति अरुंजय वर्मा पटना के गांधी मैदान स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (हेड ऑफिस) में मैनेजर के पद पर हैं।

ध्यान भटकाने के लिए यूसीसी ला रही है सरकार

टीएस सिंहदेव ने कहा– यह बीजेपी की बनाई चीज नहीं, संविधान में है

अंबिकापुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में पहले से ज्यादा सलाह-मशविरा नहीं किया गया है, जो गलत है। उन्होंने कहा कि फिलहाल छत्तीसगढ़ में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) पर जो चर्चा हो रही है, उससे पता चलता है कि इस प्रक्रिया में पहले सलाह-मशविरा नहीं किया गया है। पहले इसे कैबिनेट में इस बयान के साथ लाया जाता है कि इसे लागू किया जाएगा और फिर कहा जाता है कि जनता की राय जानने के लिए एक समिति बनाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि जहां तक मैं समझता हूं, मामले आमतौर पर कैबिनेट में तभी लाए जाते हैं, जब वे पूरी तरह से तय हो जाते हैं और विधानसभा में पेश किए जाने के लिए तैयार होते हैं। कैबिनेट में मंजूरी से पहले, ठीक से जांच-पड़ताल, बारीकी से जांच और सलाह-मशविरा किया जाता है। यहां तो प्रक्रिया उलटी लग रही है।

कांग्रेस नेता ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा यूसीसी पैनल के प्रमुख के तौर पर सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की नियुक्ति के संबंध में कहा, यह लोगों का ध्यान मुख्य मुद्दों से भटकाने के लिए किया जा रहा है। कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है। अफीम की खेती बेरोकटोक चल रही है। एक के बाद एक औद्योगिक दुर्घटनाएं हो रही हैं। शिक्षा विभाग के स्कूल बंद किए जा रहे हैं। बिजली की कीमतें बढ़ाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि इन सबके बीच अगर आप लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं, तो आप क्या करेंगे? नक्सलवाद का मुद्दा भी सुलझ चुका है। वे अचानक यह कहकर लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं कि यूसीसी आ गया है। समाज की बनावट के बारे में सोचे बिना, संबंधित लोगों की राय लिए बिना ऐसा करना मूर्खता है, क्योंकि यूसीसी भाजपा की बनाई हुई चीज नहीं है, बल्कि यह संविधान में है।

छत्तीसगढ़ में वर्तमान में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण, भरण-पोषण एवं पारिवारिक मामलों से संबंधित विवादों में विभिन्न धर्मों के अनुसार अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश दिया गया है। अलग-अलग कानूनों के कारण वैधानिक प्रक्रिया में असमानता उत्पन्न होती है, जिससे न्याय प्रक्रिया जटिल होती है। ऐसे में कानून को सरल, एकरूप और न्यायसंगत बनाने के लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करना आवश्यक माना जा रहा है, जिससे धार्मिक और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा।

दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी के पिता का निधन

केजरीवाल से लेकर सिसोदिया तक ने जताया शोक

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के पिता विजय सिंह का शुक्रवार को निधन हो गया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजनक अरविंद केजरीवाल और पूर्व डीप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने शोक व्यक्त किया है।

पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने दुख प्रकट करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी जी के पिता श्री विजय सिंह जी के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने अपना पूरा जीवन शिक्षा और मूल्यों पर आधारित जीते हुए समाज को समर्पित किया। इस कठिन समय में आतिशी जी और उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं। ईश्वर उन्हें इस अपार दुख को सहने की शक्ति दें। विजय सिंह पंजाबी मूल के राजपूत समुदाय से संबंध रखते हैं। आतिशी के माता-पिता दोनों ही दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रह चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तृप्ता वाही और विजय सिंह का झुकाव वामपंथी विचारधारा की ओर था। इसी कारण उन्होंने अपनी बेटी का उपनाम 'मार्लेना' रखा, जो मार्क्स और लेनिन के नामों से प्रेरित था।

भाजपा नेता की हत्या में कांग्रेस विधायक को उम्रकैद

2016 के केस में विनय कुलकर्णी समेत 17 को सजा

बेंगलुरु, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के भाजपा नेता योगेश गौड़ा गौदार हत्याकांड में बेंगलुरु के स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री विनय कुलकर्णी समेत 17 दोषियों को उम्रकैद की सजा दी है। कोर्ट ने सभी दोषियों पर 30-30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

कर्नाटक के धारवाड़ में 15 जून 2016 को बीजेपी नेता और जिला पंचायत सदस्य योगेश गौड़ा की उनके जिम में हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में स्थानीय पुलिस ने जांच की, लेकिन राजनीतिक दबाव और आरोपों के चलते 2019 में मामला सीबीआई को सौंप दिया गया था।

कोर्ट ने 15 अप्रैल को कांग्रेस विधायक और 16 अन्य लोगों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी ठहराया था। स्पेशल जज संतोष गजानन भट ने कहा कि सभी दोषियों ने मिलकर हत्या की आपराधिक साजिश रची थी।

मामले में कांग्रेस विधायक को मुख्य साजिशकर्ता माना गया। कोर्ट के फैसले के बाद कुलकर्णी की विधानसभा सदस्यता पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि कानून के मुताबिक दो साल या उससे अधिक सजा मिलने पर जनप्रतिनिधि अयोग्य हो जाता है।

दो आरोपियों को कोर्ट ने सबूतों के अभाव में बरी किया

विधायक विनय कुलकर्णी के अलावा आरोपियों में विक्रम बेल्लारी, कीर्ति कुमार, संदीप सावदत्ती, विनायक कटगी, महाबलेश्वर होंगल उर्फ मुदाका, संतोष सावदत्ती, दिनेश एम, एस अश्वथ, केएस सुनील, नजीर अहमद, शानवाज, के नूतन, सी हर्षित, चन्द्रशेखर इंडी उर्फ चंद्रू मामा, विकास कलबुर्गी और चन्नकेशव तिंगरीकर शामिल हैं। आरोपियों में शामिल दो लोगों, वासुदेव रामा नीलेकानी और सोमशेखर न्यामगौड़ा को सबूतों की कमी के कारण बरी कर दिया गया।

अंबेडकर के पोस्टर-झंडे जलाने पर बवाल, एसीपी का सिर फटा

वाराणसी में सड़क जाम–पथराव, 6 थानों के 300 पुलिसकर्मी तैनात

वाराणसी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी में अंबेडकर के झंडे-पोस्टर जलाने और हटाने को लेकर शुक्रवार को बवाल हो गया। दलित समाज के लोगों ने बाबतपुर-चौबेपुर मार्ग पर जाम लगा दिया।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिस टीम पर भी पथराव कर दिया। इसमें एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना का सिर फट गया, जबकि चोलापुर थाने के दो दरोगा भी घायल हो गए।

पूरा मामला अंबेडकर जयंती से जुड़ा है। चोलापुर थाना क्षेत्र के नेहिया गांव में उस दिन दलित समाज के लोगों ने झंडे-पोस्टर लगाए थे। इन्हें कुछ लोगों ने फाड़कर जला दिया। इस घटना को लेकर दलित और दूसरा पक्ष आपस में भिड़ गए। दलित समाज का आरोप है कि पुलिस ने हमारी बात नहीं सुनी। दूसरे पक्ष की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली। हालांकि, पुलिस ने लाठीचार्ज कर हालात पर काबू पा लिया है। नेहिया गांव में तनाव को देखते हुए 4 आईपीएस, 2 एसीपी समेत 300 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

चोलापुर थाना क्षेत्र के नेहिया गांव में प्रवेश द्वार पर राम नवमी के अवसर पर झंडा लगाया गया था, जबकि 14 अप्रैल को का झंडे को उतारकर अंबेडकर जयंती पर अंबेडकर का झंडा लगाया दिया गया।

15 अप्रैल की रात अज्ञात लोगों ने अंबेडकर के झंडे को तोड़कर हटा दिया गया।

इस मामले की जानकारी मिलने के बाद 16 अप्रैल की सुबह पहले झंडा जलाए जाने की अफवाह फैली, जिसके बाद दलित समुदाय के लोग पहुंच गए। जमकर नारेबाजी करने लगे। हंगामे की सूचना मिलते ही चोलापुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। इसी दौरान दलितों ने गेट के ऊपर तीनों स्थानों पर फिर अंबेडकर का झंडा लगा दिए। इसे लेकर बात फिर बढ़ गई और हिंदू धर्म संगठन के लोग पहुंच गए। वो लोग भी नारेबाजी करने लगे। करीब डेढ़ घंटे तक बाबतपुर-चौबेपुर मार्ग जाम रहा। फिर पुलिस द्वारा दोनों पक्षों को समझाया गया और सभी झंडे उतार दिए गए।

विधान परिषद की दो सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा

मंगल पांडेय की सीट से कुशवाहा के बेटे का चुना जाना तय, 9 सीटों का फॉर्मूला

पटना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव आयोग की ओर से गुरुवार को मंगल पांडेय के विधायक बनने से खाली हुई विधान परिषद की एक सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा कर दी गई। इस सीट पर 12 मई को वोटिंग होगी और उसी दिन रिजल्ट भी जारी होगा।

इससे पहले राधा चरण शाह के विधायक बनने के बाद खाली हुई भोजपुर-सह बक्सर स्थानीय प्राधिकरण कोटे के सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है। इस सीट के लिए भी 12 मई को ही वोटिंग होगी।

चुनावी शर्त के लिहाज से बीजेपी के मंगल पांडेय की सीट पर उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश विधान परिषद जाएंगे। वे फिलहाल किसी सदन के सदस्य नहीं हैं और 2025 में बनी नीतीश सरकार में मंत्री थे। लोकसभा चुनाव के दौरान BJP की तरफ से उपेंद्र कुशवाहा को लिखित में सीट के लिए आश्वासन दिया गया था। ऐसे में इस सीट पर इनका चुना जाना तय माना जा रहा है।

इस बार दो पूर्व एमएलसी के बेटे के बीच मुकाबला

आरजेडी और जेडीयू ने भोजपुर-बक्सर स्थानीय प्राधिकार क्षेत्र, एमएलसी सीट पर उपचुनाव के लिए अपने कैंडिडेट की घोषणा कर दी है। आरजेडी की तरफ से पूर्व एमएलसी लालदास राय के बेटे सोनू कुमार राय को प्रत्याशी बनाया गया है।

दूसरी ओर जेडीयू ने राधाचरण साह के बेटे कन्हैया प्रसाद को जेडीयू ने उम्मीदवार बनाया है। यानी यहां इस बार दो पूर्व एमएलसी के बेटे के बीच मुकाबला होगा।

28 जून 2026 को विधान परिषद की 9 सीटें खाली हो रही है। इनमें राजद की 2, जदयू की 3, कांग्रेस और बीजेपी की 1-1 सीट शामिल है। 2 सीटें पहले से खाली हैं। जून 2026 में राजद से मोहम्मद फारुक और सुनील कुमार सिंह, जदयू से गुलाम गौस, भीष्म सहनी और कुमुद वर्मा, बीजेपी से संजय मयूख और कांग्रेस से समीर कुमार सिंह का कार्यकाल पूरा होगा।

इनके अलावा 2 सीट (बीजेपी के सम्राट चौधरी और जदयू के भगवान सिंह कुशवाहा की) पहले से ही खाली है। ये दोनों एमएलसी रहते विधानसभा का चुनाव जीत गए थे। सम्राट चौधरी तारापुर तो भगवान सिंह कुशवाहा जगदीशपुर से विधायक बने थे। इन दोनों का कार्यकाल 28 जून 2026 को पूरा हो रहा था।

इसके साथ ही विधान परिषद की 3 सीटों के लिए उप-चुनाव होना है। इसमें एक सीट नीतीश कुमार और दूसरी सीट बीजेपी नेता मंगल पांडेय की है। मंगल पांडेय विधायक बन गए हैं। वहीं, नीतीश कुमार ने राज्यसभा का चुनाव जीतने के बाद एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया है। दोनों का कार्यकाल 2030 तक है।

हाथ-पैर से कुछ काम नहीं कर सकता, 10वीं में 100% आए

लेटे-लेटे करता है पढ़ाई, गोद में उठाकर स्कूल लेकर जाते हैं पिता

उदयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित लक्षित परमार ने आरबीएसई 10वीं की दिव्यांग कैटेगरी में 100 प्रतिशत नंबर हासिल किए हैं। 18 साल के लक्षित को लिखने में दिक्कत होती है। वह खुद का नाम भी नहीं लिख पाता।

बोर्ड के नियमों के अनुसार उसे परीक्षा में एक राइटर मिला। राइटर एक क्लास जूनियर होना चाहिए यानी लक्षित का पेपर 9वीं कक्षा के एक छात्र ने लिखा।

आरबीएसई ने लक्षित का रिजल्ट गुरुवार दोपहर जारी किया। उसका रिजल्ट होल्ड पर था। बेटे की इस उपलब्धि पर उनके पिता दिनेश कुमार परमार भावुक हो गए। पिता दिनेश कुमार ने कहा- परिवार के कुछ लोग मेरे बेटे की शारीरिक क्षमता पर सवाल करते थे। आज वही मुझे फोन कर बधाई दे रहे हैं। वह अपने हाथ-पैर से कुछ काम नहीं कर सकता। अपनी मर्जी से ज्यादा हिल भी नहीं पाता। ज्यादा देर बैठ भी नहीं सकता। उसे मैं गोद में उठाकर स्कूल लेकर जाता था। उसका सपना है कि वह सिविल सर्विसेज की तैयारी कर कलेक्टर बने। लक्षित ने बताया- मैं रोजाना 3 से 4 घंटे पढ़ता था। रोज सारे सब्जेक्ट पढ़ता था। फेवरेट सब्जेक्ट साइंस है। फिलॉसफी पढ़ने में भी बहुत मजा आता था। स्कूल में हमेशा नॉर्मल व्यवहार रहा है। कभी अलग महसूस नहीं हुआ। दोस्त बहुत सपोर्ट करते थे। मुझे अपनी हालत पर कभी दुख नहीं होता, क्योंकि मैं जो हूं, उसमें बहुत खुश हूं। मैं हमेशा लेटे-लेटे पढ़ता था। ज्यादातर टाइम मैंने ऑनलाइन पढ़ाई की। फैमिली का बहुत सपोर्ट रहा। हर चीज में माता-पिता और बहनों का सपोर्ट रहा। कभी मुझे इस बीमारी के बारे में महसूस नहीं होने दिया। मुझे हमेशा लगता है कि जो फैमिली मेरे लिए इतना कर रही है, उसके लिए मुझे कुछ करना चाहिए।

लक्षित ने बताया- दिक्कतें तो सभी के जीवन में आती हैं। मेरी भले ही यह दिक्कत है, किसी और को मुझसे भी ज्यादा दिक्कत होगी। हमें दिक्कतों को छोड़कर खुद पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आगे बढ़ो और पढ़ो।

पिता दिनेश ने बताया- हम पुरोहितों की मादड़ी के रहने वाले हैं। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मेरे बेटे ने सचमुच वो कर दिखाया है, जो वो रोजाना करने को कहा करते थे।

18 साल से जिस बेटे को रोजाना गोद में उठाकर उसके हर काम और मूवमेंट में मदद करते थे। उसे स्कूल तक लेकर जाते थे, उस बेटे ने वाकई उनके नाम को बढ़ा दिया है। लक्षित की मां रेखा परमार ने बताया- बचपन से उसे मूवमेंट करने में दिक्कत थी। देशभर के अस्पतालों में इलाज करवाया, लेकिन इस बीमारी का कोई इलाज नहीं हो पाया। लक्षित की 2 छोटी बहनें हैं, जो लगातार उसके हर काम में मदद करती हैं।

रेखा ने बताया- लक्षित ज्यादा देर बैठ नहीं पाता, ऐसे में वह लेटे हुए लगातार कभी मोबाइल फोन से तो कभी किताबों से पढ़ता रहता था।

घड़ों से निकला 'सुकाल' का संकेत

200 साल पुरानी परंपरा से अच्छी बारिश का अनुमान, भगवान इंद्र को लगाया भोग

जोधपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। चाक पर आकार लेते मिट्टी के घड़े, चारों तरफ बैठे ग्रामीणों की एकटक निगाहें। ये सभी ग्रामीण इस बार के मानसून की स्थिति देखने के लिए पहुंचे हैं। मारवाड़ की धरती का यह अनोखा रंग हाली अमावस्या पर शुक्रवार को फिर देखने को मिला। जैसे ही एक घड़े से पानी निकला, लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

जोधपुर जिले के तिंवरी क्षेत्र में करीब 200 साल पुरानी लोक परंपरा से अकाल-सुकाल (मानसून) का अनुमान लगाया गया।

मान्यता के अनुसार इस बार ज्येष्ठ (मई-जून) में मानसून की शुरुआत कमजोर रहेगी, लेकिन आषाढ़, भाद्रपद और श्रावण में मानसून अच्छा रहने वाला है। इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं माना जाता, फिर भी स्थानीय अनुभव और वर्षों की परंपरा के कारण ग्रामीणों का इस पर गहरा विश्वास है। बुजुर्गों के अनुसार कई बार इस विधि से मिले संकेत वास्तविक मौसम के काफी करीब साबित हुए हैं।

किसान प्रेमसुख परिहार ने बताया- हाली अमावस्या के दिन गांव के लोग कुम्हार के घर पर पहुंचते हैं।

कुम्हार के चाक के चारों तरफ ग्रामीण बैठते हैं। कुम्हार चाक की रफ्तार बढ़ाता है और मिट्टी से पांच छोटे घड़े (कुल्हड़) तैयार करता है।

परिहार ने बताया- पांच घड़ों का विशेष महत्व होता है। चाक के पास जमीन पर एक आयताकार आसन बनाया जाता है। चार कोनों में चार घड़े रखे जाते हैं और एक घड़ा बीच में रखा जाता है।

चार कोनों में रखे गए घड़े चार महीनों- ज्येष्ठ (मई-जून), आषाढ़ (जून-जुलाई), श्रावण (जुलाई-अगस्त) और भाद्रपद (अगस्त-सितंबर) का संकेत होते हैं। बीच में रखा गया घड़ा आकाश का प्रतीक होता है।

इंद्र भगवान की पूजा-अर्चना कर आसन के पास अगरबत्ती लगाई जाती है। इसके बाद सभी घड़ों में धान डालकर पानी भरा जाता है। घड़ों से निकलने वाले पानी के आधार पर मौसम का अनुमान लगाया जाता है।

किसान देवराम परिहार ने बताया- घड़े में पानी भरकर मौसम का अनुमान लगाने की परंपरा 200 साल पुरानी है। इस परंपरा की शुरुआत में सबसे पहले पानी में गुड़, चाय, मिश्री और दूध डालकर पंचामृत बनाया जाता है। पंचामृत सबसे पहले अन्न देने वाली धरती को अर्पित किया जाता है। फिर कुम्हार के चाक, शंकर, गणेश और आकाश को अर्पित किया जाता है। इसके बाद कुम्हार चाक पर घड़े तैयार करता है। चाक घुमाने वाले कुम्हार को हल चलाने वाला किसान माना जाता है, जिसे घड़ों में भरा जाने वाला पानी पांच बार पिलाया जाता है।

किसान देवराम परिहार ने बताया कि मानसून का अनुमान लगाने के लिए घड़ों पर नजर रखी जाती है और समय का ध्यान रखा जाता है। एक मिनट को तीन दिन के बराबर माना जाता है। यदि ज्येष्ठ का घड़ा तीन मिनट में फूटता है तो माना जाता है कि ज्येष्ठ लगते ही 9-10 दिन बाद मानसून की बारिश होगी।

महाकुंभ से चर्चा में आईं हर्षा रिछारिया का ब्राइडल लुक

प्रयागराज, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। महाकुंभ से चर्चा में आईं हर्षा रिछारिया एक बार फिर ग्लैमर की दुनिया में लौटती नजर आ रही हैं। वह लगातार इंस्टाग्राम पर अपने नए-नए लुक्स शेयर कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने ब्राइडल लुक में एक वीडियो पोस्ट किया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो पर यूजर्स के तरह-तरह के रिएक्शन भी देखने को मिले।

एक यूजर ने लिखा- आखिर आ ही गईं मोह-माया में। वहीं दूसरे ने कमेंट किया- किसी अब्दुल की नजर न लगे।

बता दें कि प्रयागराज के माघ मेले के दौरान हर्षा रिछारिया ने धर्म की राह छोड़ने का ऐलान किया था। उस वक्त उन्होंने कहा था- महाकुंभ 2025 से शुरू हुई कहानी अब खत्म हो रही है। इस एक साल में मैंने काफी विरोध झेला है।

अब मैं अपने पुराने प्रोफेशन में लौटूंगी। किसी लड़की के चरित्र पर सवाल उठाना आसान होता है, लेकिन मैं सीता नहीं हूं कि अग्नि परीक्षा दूं।

छत्तीसगढ़ प्लांट हादसे में एक और मौत, 21 की जान गई

वेदांता चेयरमैन अनिल अग्रवाल और प्रबंधक पर एफआईआर

रायगढ़/सक्ती, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में हुए वेदांता प्लांट हादसे में घायल 1 और मजदूर ने दम तोड़ दिया। मध्यप्रदेश के रहने वाले किस्मत अली रायपुर के निजी अस्पताल में एडमिट थे, जिनकी मौत हुई है। अब मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। हादसे में कुल 36 लोग झुलसे हैं, 15 घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है।

घटना के बाद वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल, प्रबंधन समेत 10 लोगों के खिलाफ डभरा थाने में FIR दर्ज हुई है। घटना के 24 घंटे बाद औद्योगिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर हादसे की जांच की थी। जिसमें प्लांट प्रबंधन की गंभीर लापरवाही सामने आई है। शुरुआती जांच के मुताबिक, प्रोडक्शन दोगुना करने की जल्दबाजी में बॉयलर फटा। चेतावनी के बाद भी काम नहीं रोका गया।

इसके अलावा मशीनों के रखरखाव और संचालन में लापरवाही बरती गई। इसी आधार पर केस दर्ज किया गया है।

पैसे की ताकत दिखा रहे मस्क

रिकॉर्ड बनाने के लिए नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी, क्या है स्पेसएक्स की योजना?

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की स्पेस कंपनी स्पेस एक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार एनएएसडीएक्यू में लिस्टिंग की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ से पहले गोपनीय दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, स्पेसएक्स करीब दो ट्रिलियन डॉलर के वैल्यूएशन को लक्ष्य बनाते हुए बाजार में उतर सकती है।

कंपनी अपने कुल हिस्सेदारी का केवल छोटा भाग बेचकर लगभग 75 अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। यह सौदा सफल रहा तो यह अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है।

कंपनी का सफर और बिजनेस मॉडल

2002 में स्थापित स्पेसएक्स का लक्ष्य मानवता को बहुग्रह बनाना है। कंपनी ने रॉकेट और लॉन्च व्हीकल के दोबारा उपयोग की तकनीक विकसित कर अंतरिक्ष प्रक्षेपण की लागत को नाटकीय रूप से कम किया है, जो 2000 के दशक की शुरुआत की तुलना में महज 5% तक रह गई है। कंपनी अब तक करीब 600 सफल रॉकेट लैंडिंग कर चुकी है, जिससे वाणिज्यिक अंतरिक्ष यात्रा को नया आयाम मिला है। हालांकि, स्पेसएक्स की कमाई का बड़ा हिस्सा उसके सैटेलाइट इंटरनेट बिजनेस स्टारलिंक से आता है, जो दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक यूजर्स को सेवा दे रहा है।

एक्स एआई के साथ ऐतिहासिक विलय

फरवरी 2026 में स्पेसएक्स ने एक्सएआई के साथ विलय किया, जो ग्रोक का डेवलपर है। यह अब तक का सबसे बड़ा निजी कॉरपोरेट विलय माना जा रहा है। इस सौदे में का मूल्य 250 अरब डॉलर और स्पेसएक्स का एक ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जिससे संयुक्त इकाई का मूल्य 1.25 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इस विलय ने स्पेसएक्स के आईपीओ की जमीन तैयार करने में अहम भूमिका निभाई है। आईपीओ की रणनीति और उपयोग मस्क के मुताबिक, आईपीओ से जुटाई गई रकम का उपयोग अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर सैटेलाइट स्थापित करने के लिए किया जाएगा। इन सैटेलाइट्स को सौर ऊर्जा से संचालित करने की योजना है, जिससे पृथ्वी पर बिजली और पानी जैसी सीमाओं से बचा जा सके।

नियमों में बदलाव और बाजार पर असर

स्पेसएक्स की संभावित लिस्टिंग को देखते हुए एनएएसडीएक्यू ने अपने कुछ नियमों में बदलाव किया है। आमतौर पर किसी कंपनी को इंडेक्स में शामिल होने के लिए कम से कम 10% शेयर बाजार में उपलब्ध होना जरूरी होता है, लेकिन स्पेसएक्स के मामले में इस शर्त में ढील दी गई है। साथ ही, नई लिस्टेड कंपनियों के लिए इंडेक्स में शामिल होने की समय सीमा भी तीन महीने से घटाकर 15 ट्रेडिंग दिन कर दी गई है।

मुकेश अंबानी को पछाड़कर गौतम अडानी बने एशिया के सबसे बड़े रईस, कहां पहुंच गई नेटवर्थ?

नई दिल्ली,17 अप्रैल(एजेंसियां)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी एशिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। उन्होंने हमवतन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ अब 92.6 अरब डॉलर पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 8.10 अरब डॉलर की तेजी आई है।

इसके साथ ही वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी तरफ अंबानी की नेटवर्थ 90.8 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 16.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में मामूली गिरावट रही। सेंसेक्स 123 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। लेकिन अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी रही। इससे अडानी की नेटवर्थ में 3.56 अरब डॉलर की तेजी आई। वहीं अंबानी की नेटवर्थ 76.7 मिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। रिलायंस का शेयर कल लगभग सपाट बंद हुआ था। अंबानी एशिया में दूसरे और दुनिया में 20वें नंबर पर हैं।

इस साल दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से 7 की नेटवर्थ में गिरावट आई है। फ्रांसीसी बिजनसमैन बर्नार्ड आरनॉल्ट ने सबसे ज्यादा 44 अरब डॉलर गंवाए हैं। इस लिस्ट में आरनॉल्ट के अलावा स्टीव बालमर, ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन, माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स, जाने माने निवेशक वॉरेन बफे, स्पेन के दिग्गज एमेनशियो ओर्टेगा और मुकेश अंबानी शामिल हैं। गौतम अडानी बने एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी को पछाड़कर हासिल किया मुकाम अडानी की नेटवर्थ 92.6 अरब डॉलर पहुंची अंबानी की नेटवर्थ 90.8 अरब डॉलर रह गई है

कौन-कौन हैं टॉप 10 में एलन मस्क 656 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 36.7 अरब डॉलर की तेजी आई है। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 286 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। ऐमजॉन के जेफ बेजोस (269 अरब), सर्गेई ब्रिन (266 अरब), मार्क जकरबर्ग ($239 अरब), लैरी एलिसन ($230 अरब), माइकल डेल ($170 अरब), जेंसन हुआंग ($164 अरब), बर्नार्ड आरनॉल्ट ($164 अरब) और जिम वॉल्टन ($150 अरब) भी टॉप 10 में शामिल हैं।

अगले महीने ड्राफ्ट दाखिल कर सकती है रिलायंस

19 बैंकों को मिली देश का सबसे बड़ा इश्यू मैनेज करने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली,17 अप्रैल(एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले महीने जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ के लिए ड्राफ्ट फाइल कर सकती है। इसमें कंपनी के पूरे साल की कमाई का लेखाजोखा होगा।

माना जा रहा है कि यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। यह करीब दो दशक में रिलायंस की किसी बड़ी यूनिट का पहला आईपीओ होगा। रिलायंस ने इस इश्यू को मैनेज करने के लिए 19 बैंकों को नियुक्त किया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है।

सूत्रों का कहना है कि मुकेश अंबानी की कंपनी ने पहले दिसंबर तिमाही के आंकड़ों के आधार पर मार्च के अंत में ड्राफ्ट फाइल करने की योजना बनाई थी। लेकिन ईरान युद्ध के कारण बाजार में आई गिरावट को देखते हुए टाइमलाइन को आगे बढ़ा दिया गया। लेकिन अब पूरे फाइनेंशियल ईयर के आंकड़ों को ड्राफ्ट में शामिल किया जाएगा। रिलायंस अगले हफ्ते अपने तिमाही नतीजे घोषित करने की तैयारी कर रही है। इसलिए इस दौरान जियो के आईपीओ के लिए ड्राफ्ट फाइल होने की संभावना नहीं है।

19 बैंकों की नियुक्ति

सूत्रों के मुताबिक ड्राफ्ट पेपर में जियो के पूरे फाइनेंशियल ईयर के प्रदर्शन को शामिल किया जाएगा। इसमें सब्सक्राइबर ग्रोथ और एवरेज रेवेन्यू पर यूजर शामिल है। रिलायंस ने पिछले महीने 19 बैंकों को इस इश्यू को मैनेज करके लिए नियुक्त किया था। इनमें कोटक महिंद्रा बैंक, मोर्गन स्टेनली, जे एम फाइनेंशियल, गोल्डमैन सैश, एचएसबीसी होल्डिंग्स, बैंक ऑफ अमेरिका और सिटीग्रुप शामिल हैं।

सूत्रों का कहना है कि जियो के आईपीओ के स्ट्रक्चर और टाइमिंग पर अभी बातचीत चल रही है और इसमें बदलाव हो सकता है। इस बारे में रिलायंस और जियो के प्रतिनिधियों ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। रिलायंस के शेयरों में आज तेजी आई है। 3.20 बजे यह बीएसई पर 1.62% की तेजी के साथ 1365.20 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। पिछले सत्र में यह 1343.45 रुपये पर बंद हुआ था।

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की सप्लाई सामान्य

सरकार ने आम लोगों से की अपील– अफवाहों से बचें

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत सरकार ने ईंधन आपूर्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। सरकार ने कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य है और किसी तरह की कमी नहीं है।

पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि देश में घरेलू एलपीजी की सप्लाई सुचारु रूप से जारी है और किसी भी वितरक के पास गैस खत्म होने (ड्राई-आउट) की कोई सूचना नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की भी पर्याप्त उपलब्धता है, रिफाइनरी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है।

ऑटो एलपीजी की मांग पर उन्होंने जानकारी दी कि फरवरी में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा प्रतिदिन करीब 177 टन ऑटो एलपीजी की बिक्री हुई थी, जो अप्रैल में बढ़कर लगभग 296 टन प्रतिदिन पहुंच गई है। खासतौर पर कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में ऑटो एलपीजी की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी जा रही है।

पीएनजी नेटवर्क के विस्तार पर जोर

सरकार पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) नेटवर्क के विस्तार पर भी जोर दे रही है, ताकि एलपीजी पर दबाव कम किया जा सके। इसके लिए राज्यों से लंबित आवेदनों को शीघ्र मंजूरी देने की अपील की गई है। शर्मा ने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की खरीदारी करें।

भारतीय नाविक हैं सुरक्षित

वहीं, पश्चिम एशिया में हालात को लेकर पोर्ट्स, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय या भारतीय-ध्वज वाले जहाज से जुड़ी कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई है। उन्होंने यह भी कहा कि देशभर में बंदरगाहों का संचालन सामान्य है और कहीं भी भीड़ या बाधा की स्थिति नहीं है।

घरेलू शेयर बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग

सेंसेक्स 505 अंक चढ़ा, निफ्टी 24350 के पार

मुंबई,17 अप्रैल(एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर आशावाद व्यक्त करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई, जिससे लंबे समय तक आपूर्ति में व्यवधान की आशंकाएं कम हुईं। इसका सकारात्मक असर घरेलू शेयर बाजार पर पड़ा।

30 शेयरों वाला सेंसेक्स 504.86 अंक या 0.65 प्रतिशत बढ़कर 78,493.54 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 156.80 अंक या 0.65 प्रतिशत बढ़कर 24,353.55 पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 382.36 करोड़ रुपये के शेयर खरीदकर शुद्ध खरीदारी की।

डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 29 पैसे मजबूत होकर 92.85 (अस्थायी) पर बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ भू-राजनीतिक तनाव कम होने की बढ़ती उम्मीदों के कारण रुपये में मजबूती आई। विदेशी मुद्रा व्यापारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजारों में नए सिरे से खरीदारी और विदेशी निधियों के नए प्रवाह ने भी स्थानीय मुद्रा को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.93 पर खुला और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.65 के अंतरा-दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। सत्र के अंत में रुपया 92.98 के न्यूनतम स्तर पर भी पहुंचा और डॉलर के मुकाबले 92.85 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 29 पैसे अधिक है। गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे बढ़कर 93.14 पर बंद हुआ था।मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट अनुज चौधरी ने कहा कि वैश्विक जोखिम संबंधी बेहतर भावनाओं के कारण रुपये में मजबूती आई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित निवेश की मांग में गिरावट के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी आई और अमेरिकी डॉलर कमजोर हुआ, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में रात भर में नरमी आई।

चौधरी ने कहा, अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता के दूसरे दौर के साथ-साथ इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम की उम्मीदों के चलते रुपये में सकारात्मक रुझान रहने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा, यूएसडी-आईएनआर स्पॉट प्राइस 92.50 रुपये से 93.20 रुपये के दायरे में रहने की उम्मीद है।डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले डॉलर की मजबूती मापता है, 0.12 प्रतिशत गिरकर 97.90 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 3.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 96.18 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

सोने में आज 1748, चांदी में 3362 की गिरावट

ईरान जंग से 49 दिन में सोना 8 हजार सस्ता, चांदी भी 19 हजार नीचे आई

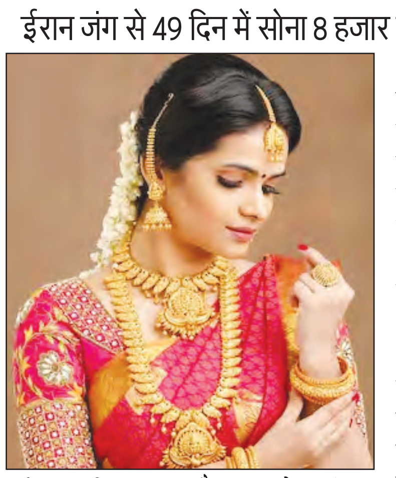

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान जंग के बीच आज सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,748 रुपए घटकर 1.51 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले गुरुवार को यह 1.53 लाख पर था। वहीं, एक किलो चांदी 3,362 रुपए घटकर 2.48 लाख रुपए रह गई, जो 16 अप्रैल को 2.51 लाख रुपए पर थी।अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 49 दिन में 7,739 और चांदी 18,770 सस्ती हुई है। जंग शुरू होने से एक दिन पहले 27 फरवरी को सोना 1.59 लाख/10 ग्राम और चांदी 2.67 लाख/किलो थी।

ईरान युद्ध के कारण यूरोप में जेट फ्यूल का संकट

6 हफ्ते का स्टॉक बचा; दुनियाभर में रद्द हो सकती हैं फ्लाइट्स, हवाई सफर महंगा होगा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान युद्ध और होर्मुज रूट बंद होने से यूरोप और एशिया में जेट फ्यूल की भारी कमी होने वाली है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के मुताबिक, यूरोप के पास अब सिर्फ 6 हफ्ते का तेल बचा है। अगर सप्लाई जल्द शुरू नहीं हुई, तो गर्मियों की छुट्टियों के सीजन में फ्लाइट्स रद्द होंगी और टिकट के दाम बढ़ेंगे।

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के डायरेक्टर फातिह बिरोल ने एक इंटरव्यू में बताया कि ग्लोबल इकोनॉमी अब तक के सबसे बड़े ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। यूरोप के कुछ देशों के पास आमतौर पर कई महीनों का जेट फ्यूल स्टॉक होता है, लेकिन युद्ध की वजह से अब यह तेजी से घट रहा है।

आईईए की रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोप के कई देशों में अब 20 दिन से भी कम का फ्यूल स्टॉक रह गया है। अगर यह 23 दिन से नीचे गिरता है, तो एयरपोर्ट्स पर फ्यूल की फिजिकल कमी दिखने लगेगी, जिससे फ्लाइट्स बड़े पैमाने पर रद्द करनी पड़ेंगी। यूरोप अपनी जरूरत का करीब 20 से 25% जेट फ्यूल आयात करता है। इसमें से 40% हिस्सा होर्मुज रूट के रास्ते आता है। अर्गस मीडिया के मुताबिक, जब से ईरान युद्ध शुरू हुआ है, इस रास्ते से एक भी फ्यूल शिप नहीं निकला है। दुनिया में हर दिन 1 करोड़ से 1.5 करोड़ बैरल तेल की सप्लाई इस रास्ते के बंद होने से रुकी हुई है।

एयरलाइंस पर बोझ बढ़ा, खर्च में 30% हिस्सा फ्यूल का

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अनुसार, किसी भी एयरलाइन के कुल खर्च में जेट फ्यूल की हिस्सेदारी 30% होती है। युद्ध शुरू होने के बाद से जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं। इसका सीधा असर एयरलाइंस के मुनाफे पर पड़ रहा है। यही वजह है कि एयरलाइंस ने अब इसका बोझ यात्रियों पर डालना शुरू कर दिया है। कई कंपनियों ने टिकट के दाम बढ़ाने के साथ-साथ बैगेज फीस और अन्य एड-ऑन सर्विस के चार्ज बढ़ा दिए हैं।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, मिडिल ईस्ट के तेल पर सबसे ज्यादा निर्भरता एशिया-पैसिफिक देशों की है, इसके बाद यूरोप आता है। अमेरिका एक बड़ा तेल उत्पादक है, इसलिए वहां फ्यूल की कमी का संकट कम है।

यूरोप की मदद के लिए अमेरिका ने अप्रैल में अपनी सप्लाई 6 गुना बढ़ाकर 1.5 लाख बैरल प्रतिदिन कर दी है, लेकिन यह पूरी कमी को भरने के लिए काफी नहीं है।

यात्रियों के लिए क्या बदलेगा?

सिर्फ टिकट महंगे होना ही एकमात्र समस्या नहीं है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यात्रियों को अब लंबी दूरी के रूट्स (जो फ्यूल बचाने के लिए बदले जाएंगे), कम फ्लाइट ऑप्शंस और आखिरी समय में शेड्यूल बदलने जैसी दिक्कतों के लिए तैयार रहना चाहिए। गर्मियों के पीक सीजन में सस्ती टिकट मिलना लगभग नामुमकिन हो जाएगा।यह ओमान और ईरान के बीच स्थित एक संकरा समुद्री रास्ता है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है क्योंकि खाड़ी देशों (सऊदी अरब, यूएई, कुवैत) से निकलने वाला अधिकांश कच्चा तेल और एलएनजी इसी रास्ते से होकर पूरी दुनिया में जाता है।

विप्रो बायबैक का पूरा गणित 250 रुपये का ऑफर

लेकिन जेब में असली मुनाफा कितना आएगा?

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी विप्रो ने हाल ही में अपने निवेशकों के लिए 15,000 करोड़ रुपये के बड़े शेयर बायबैक का ऐलान किया है. कंपनी ने इस बायबैक के लिए 250 रुपये प्रति शेयर की कीमत तय की है. अगर हम 17 अप्रैल के भाव (204 रुपये) से इसकी तुलना करें, तो यह करीब 20 फीसदी के प्रीमियम पर है. ऐसे में हर आम निवेशक के मन में यही सवाल उठ रहा है कि क्या इस बायबैक में हिस्सा लेना सचमुच फायदे का सौदा है?

आइए इसका पूरा गणित समझते हैं. पहली नजर में यह बायबैक बेहद आकर्षक लगता है. कंपनी 250 रुपये में आपके शेयर वापस खरीदने को तैयार है. 16 अप्रैल को बाजार में विप्रो के एक शेयर की कीमत 210 रुपये थी. इस हिसाब से प्रति शेयर 40 रुपये का सीधा फायदा नजर आता है.अगर किसी निवेशक के पास विप्रो के 50 शेयर हैं और कंपनी उन सभी को खरीद लेती है, तो उसे 2,000 रुपये का मुनाफा होगा. इसी तरह 100 शेयर पर 4,000 रुपये और 500 शेयर होने पर 20,000 रुपये का सीधा फायदा दिखता है. लेकिन शेयर बाजार की दुनिया में चीजें इतनी सीधी नहीं होतीं. असली तस्वीर इससे थोड़ी अलग है. यहीं पर 'एक्सेप्टेंस रेशियो' (स्वीकृति अनुपात) की भूमिका अहम हो जाती है. स्टॉकीफाय के फाउंडर पीयूष झुनझुनवाला के मुताबिक, बायबैक का असली फायदा इस बात पर निर्भर करता है कि कंपनी आपके कितने शेयर स्वीकार करती है. कंपनियां कभी भी निवेशकों द्वारा ऑफर किए गए पूरे शेयर नहीं खरीदती हैं.बायबैक का इतिहास बताता है कि रिटेल निवेशकों के लिए यह रेशियो आम तौर पर 15 से 25 फीसदी के बीच ही रहता है.

इसका सीधा मतलब यह है कि अगर आप 100 शेयर टेंडर करते हैं, तो कंपनी उनमें से सिर्फ 20 शेयर ही खरीदेगी (यदि हम 20 फीसदी का औसत मान लें). ऐसी स्थिति में, उन 20 शेयरों पर 40 रुपये के हिसाब से आपका कुल मुनाफा 800 रुपये ही होगा, न कि 4,000 रुपये. इसी औसत के आधार पर, 50 शेयर वालों का मुनाफा सिमटकर 400 रुपये और 500 शेयर वालों का 4,000 रुपये रह जाएगा.

मुनाफे का यह आंकड़ा यहीं नहीं रुकता, इसमें अभी टैक्स का हिसाब होना बाकी है. शेयर बाजार से होने वाली इस कमाई पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है, जो फिलहाल 20 फीसदी है.मान लीजिए, एक्सेप्टेंस रेशियो लागू होने के बाद आपका कुल मुनाफा 800 रुपये बनता है. इस पर 20 फीसदी के हिसाब से 160 रुपये टैक्स के रूप में कट जाएंगे. यानी आपके हाथ में सिर्फ 640 रुपये का ही शुद्ध मुनाफा आएगा.

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मेष	मे
चंद्र	मेष	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	मीन	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
मेष.....	05-49	बजे
वृष.....	07-34	बजे
मिथुन..	09-35	बजे
कर्क....	11-47	बजे
सिंह----	13-59	बजे
कन्या---	16-06	बजे
तुला----	18-11	बजे
वृश्चिक..	20-21	बजे
धनु......	22-35	बजे
मकर....	00-41	बजे
कुंभ....	02-32	बजे
मीन.....	04-10	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
सूर्योदय 06-03
सूर्यास्त. 18 -28
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष शनिवार **18 April 2026**
तिथि - प्रतिपदा **14-11** तक उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - अश्विनी **09-42** तक उप भरणी
योग - प्रीति **23-56** तक उप आयुष्मान
करण - बव **14-11** तक उप बालव

विशेष: अश्विनी गण्ड मूल नक्षत्र शांति

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
09-08 से
10-42 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-03 - 07-34	अशुभ	लाभ	18-28 - 19-58	शुभ
शुभ	07-34 - 09-08	शुभ	उत्पात	19-58 - 21-24	अशुभ
रोग।।	09-08 - 10-42	अशुभ	शुभ	21-24 - 22-49	शुभ
उत्पात	10-42 - 12-16	अशुभ	अमृत	22-49_ - 00-15	शुभ
चंचल	12-16 - 13-50	शुभ	चंचल	00-15 - 01-41	शुभ
लाभ	13-50 - 15-24	शुभ	रोग	01-41 - 03-07	अशुभ
अमृत	15-24 - 16-58	शुभ	काल	03-07 - 04-33	अशुभ
काल	16-58 - 18-28	अशुभ	लाभ	04-33 - 06-03	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं । आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी । घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है । आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो । आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा । आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है । अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे । आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी। आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

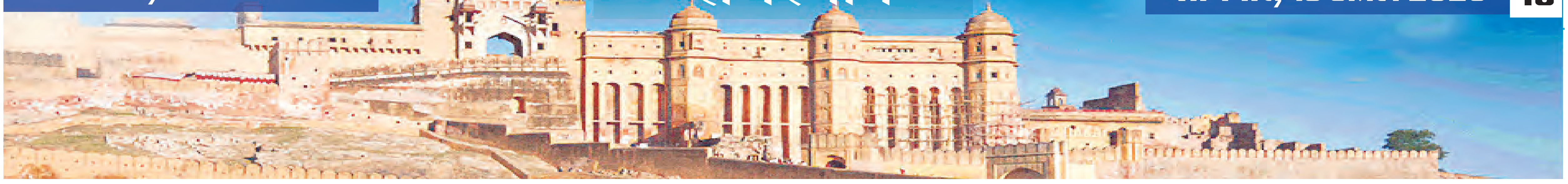

शराब कारोबारी से मांगे 2 करोड़ रुपए

रोहित गोदारा गैंग के नाम पर जान से मारने की दी धमकी बोला-कुचामन रूलानिया हत्याकांड जैसा होगा हाल

अजमेर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर में एक शराब कारोबारी को गोदारा गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी मिली है। कॉलर ने खुद को रोहित गोदारा गैंग का सदस्य बताते हुए 2 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी। कॉलर ने अपना नाम राहुल फतेहपुर बताया। बोला- कुचामन रूलानिया हत्याकांड जैसा हाल कर दूंगा। मामले में पीड़ित जितेंद्र रंगवानी ने हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने में शिकायत दी है।

मामला 16 अप्रैल को शाम 4.30 बजे का है। थाने में दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, वह शराब का व्यवसाय करता है। अजमेर में उसके चार शराब के ठेके हैं। हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तुरंत अलर्ट हो गई है और कॉल की जांच के साथ आरोपी की तलाश में जुट गई है।

कॉलेर ने कहा-कुचामन रूलानिया हत्याकांड जैसा होगा अंजाम

पीड़ित कोटड़ा निवासी भाजपा नेता जितेंद्र रंगवानी(43) ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि 16 अप्रैल को शाम 4:30 बजे जब वह भगवान गंज पर सैलून पर कटिंग करवा रहा था। तभी उसके पास एक कॉल आया था। पीड़ित रंगवानी ने बताया की कॉलर ने व्हाट्सएप पर कॉल किया था। इंटरनेशनल नंबर से कॉलिंग की गई थी। कॉलर के द्वारा उसे धमकी देकर 2 करोड़ रुपए की मांग की गई। कॉलर ने कहा कि अगर पैसे नहीं दिए तो कुचामन रूलानिया हत्याकांड जैसा हश्र कर दूंगा। इसके साथ ही उसे रिकॉर्डिंग भी भेजी, जिसमें उसे 2 करोड़ नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई। आरोपी कॉलर ने रोहित गोदारा गैंग का सदस्य बताकर उसे जान से मारने की धमकी दी है। कॉलर ने अपना नाम राहुल फतेहपुर और वीरेंद्र चारण बताया।

राहुल ने कॉल करके कहा कि, क्या हाल-चाल है तुम्हारे

कॉलर ने कहा कि मैं राहुल बोल रहा हूं फतेहपुर से रोहित गोदारा गैंग का। तुझे 2 करोड़ की फिरौती के लिए फोन किया है। यदि तुझे नाटक करना है बात सुनकर फोन काटने का तो तेरे को बहुत महंगा पड़ जाएगा। कल को ऐसा नहीं हो कि तुम्हारी जगह फोन कोई और ही उठाए। तुम्हारे भाईचारे वाली भाषा समझ में आ रही हो तो ठीक है। तुम बोल रहे हो ना कि जानता नहीं, तो यह वॉइस एसपी ऑफिस में ले जाना और वहां पूछ लेना कि साहब यह वॉइस कन्फर्म करके बताओ और यह भी पूछ लेना कि पैसे नहीं दिए तो क्या होगा। कुचामन में रमेश रूलानिया की भी तुझ सी ही भाषा थी वह भी नहीं जानता था। फिलहाल हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

5 साल पहले शराब कारोबारी पीड़ित ने पार्षद का चुनाव लड़ा था बता दें कि पीड़ित जितेंद्र रंगवानी अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या 26 से 5 साल पहले भाजपा के चिन्ह से पार्षद का चुनाव भी लड़ा था। लेकिन उसे चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। वर्तमान में जितेंद्र रंगवानी भाजपा में सक्रिय है। हालांकि, उनके पास अभी कोई भाजपा में पद नहीं है।

सीकर में शर्मनाक : 28 वर्षीय युवती से बंधक बनाकर रेप

अश्लील वीडियो बनाकर दो साल तक किया ब्लैकमेल

सीकर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले से महिला सुरक्षा को तार-तार करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ एक 28 वर्षीय युवती ने एक युवक पर डरा-धमकाकर दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो के जरिए पिछले दो साल से ब्लैकमेल करने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि घटना का सिलसिला साल 2022 में शुरू हुआ था। उस समय वह अपने घर पर अकेली थी, जिसका फायदा उठाकर आरोपी जबरन घर में घुस आया। आरोपी ने युवती और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ पहली बार दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि दुष्कर्म के दौरान आरोपी ने छिपकर उसका अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था।

श्री सांवलिया सेठ मंदिर का भंडार खुला

पहले चरण की गणना में निकले 11 करोड़ 11 लाख रुपये

चित्तौड़गढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ स्थित वैश्विक आस्था के केंद्र प्रसिद्ध कृष्णधाम भगवान श्री सांवलिया जी मंदिर में गुरुवार को दान पात्र खोलकर चढ़ावे की राशि की गणना शुरू की गई। कृष्णपक्ष चतुर्दशी के पावन अवसर पर ठाकुरजी की राजभोग आरती के बाद भंडार खोला गया और निर्धारित प्रक्रिया के तहत गणना का कार्य आरंभ हुआ।

पहले चरण में सामने आई बड़ी राशि

भंडार की गणना के पहले चरण में 11 करोड़ 11 लाख रुपये की राशि सामने आई। यह गणना गुरुवार को संपन्न हुई। मंदिर मंडल के अनुसार, शेष राशि की गणना दूसरे चरण में की जाएगी, जो अमावस्या के शुक्रवार को लगने वाले मेले के बाद निर्धारित की गई है।

प्रशासन और मंदिर मंडल की मौजूदगी में हुई गणना

गणना की पूरी प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न कराई गई। इस दौरान चित्तौड़गढ़ अतिरिक्त जिला कलेक्टर व मंदिर मंडल की मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभा गौतम, मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव, बोर्ड सदस्य किशनलाल अहीर, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, पवन कुमार, नायब तहसीलदार व प्रशासनिक अधिकारी प्रथम शिवशंकर पारीक, प्रशासनिक अधिकारी द्वितीय व लेखाकार राजेंद्र सिंह, संपदा व गौशाला प्रभारी भेरुगिरी गोस्वामी और सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह सहित मंदिर मंडल के अधिकारी, कर्मचारी तथा क्षेत्रीय बैंकों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

दूसरे चरण में होगी शेष गणना और मूल्यांकन

मंदिर मंडल के अनुसार, भंडार से प्राप्त शेष राशि की गणना शुक्रवार को दूसरे चरण में की जाएगी। इसके अलावा भंडार से प्राप्त सोना और चांदी का वजन करना भी अभी बाकी है, जिसे आगामी चरण में पूरा किया जाएगा। इसी क्रम में मंदिर मंडल के भेंटकक्ष कार्यालय में नकद और मनीआर्डर के रूप में प्राप्त राशि की गणना भी अभी शेष है।

18 साल बाद डकैती का फरार आरोपी गिरफ्तार

1 किलो सोना, 30 किलो चांदी और नकदी लूट का मामला

भीलवाड़ा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। आसीन्द थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 18 साल से फरार डकैती के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मनोहर सिंह उर्फ मनू सिकलीगर (43), निवासी कालापाठा जिला देवास (मध्यप्रदेश), लंबे समय से फरार चल रहा था। थानाधिकारी श्रद्धा पचौरी ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (आईपीएस), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बुद्धराज (आरपीएस) तथा वृताधिकारी ओमप्रकाश सोलंकी के निर्देशन में गठित टीम द्वारा की गई।

ऐसे हुई थी वारदात

25 सितंबर 2008 की रात करीब 2 से 3 बजे के बीच आसीन्द कस्बे में स्थित विनायक ज्वैलर्स दुकान पर करीब 10 हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोला। बदमाशों ने दुकान के दोनों चौकीदारों को बंधक बनाकर करीब 1 किलो सोना, 30 किलो चांदी के जेवरात और 2.50 लाख रुपये नकद लूट लिए। इसके बाद दोनों चौकीदारों का अपहरण कर उन्हें बदनोर क्षेत्र के झरड़खेड़ा गांव के बाहर छोड़कर फरार हो गए।घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की और 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया माल भी बरामद कर लिया था, लेकिन मुख्य आरोपी मनोहर सिंह फरार हो गया था। फरार आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर पहचान छिपाता रहा। आखिरकार भीलवाड़ा साइबर सेल की मदद से पुलिस टीम ने उसे ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी आशीष मिश्रा, उप निरीक्षक उमरावमल, कांस्टेबल हेमंत कुमार, पिंटू कुमार, विनोद गढ़वाल, मदन, कालूराम और जगदेव का विशेष योगदान रहा।

राजस्थान शिक्षा विभाग का बड़ा फैसला

9वीं से 12वीं तक की 4 इतिहास की किताबें बैन

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा जगत से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। प्रदेश के शिक्षा विभाग ने एक कड़ा फैसला लेते हुए कक्षा 9वीं से 12वीं तक चलने वाली इतिहास की चार महत्वपूर्ण पुस्तकों को तत्काल प्रभाव से कोर्स से हटा दिया है। विभाग ने न केवल इन्हें पाठ्यक्रम से 'विलोपित' किया है, बल्कि स्कूलों में इनके पढ़ने और पढ़ाने पर भी पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है।

अब 'प्रतिबंधित' श्रेणी में होंगी ये किताबें

शिक्षा विभाग के निदेशक सीताराम जाट की ओर से जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, इन पुस्तकों को अब विलोपित पुस्तकों की श्रेणी में डाल दिया गया है। आदेश में स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि कोई भी सरकारी या निजी विद्यालय इन किताबों का उपयोग शिक्षण कार्य के लिए नहीं करेगा। साथ ही, छात्रों को भी इन पुस्तकों को न पढ़ने की हिदायत दी गई है।

विवादों में रहा इतिहासः शिक्षा मंत्री की आपत्ति का असर!

शिक्षा विभाग के इस कदम के पीछे लंबे समय से चल रही वैचारिक बहस को माना जा रहा है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पूर्व में कई बार मौजूदा पाठ्यक्रम और इतिहास की किताबों पर सार्वजनिक रूप से आपत्ति जता चुके हैं। वे विशेष रूप से राजस्थान के इतिहास में मुगलों के महिमामंडन और आजादी के बाद के घटनाक्रम को जिस तरह से पेश किया गया, उसकी आलोचना करते रहे हैं। माना जा रहा है कि विभाग ने यह फैसला इतिहास के 'पुनर्लेखन' और सुधार की कवायद के तहत लिया है।

सियासी गलियारों में हलचल

कोर्स से इन किताबों के हटने के बाद अब राजस्थान की राजनीति में भी उबाल आने की संभावना है। जहां सत्ता पक्ष इसे सही इतिहास पढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम बता रहा है, वहीं विपक्षी दल इसे शिक्षा के 'भगवाकरण' और इतिहास के साथ छेड़छाड़ करार दे सकते हैं। फिलहाल, छात्रों और शिक्षकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि सत्र के बीच में इन पुस्तकों की जगह अब कौन सा नया कंटेंट पढ़ाया जाएगा।

जयपुर में पीएचईडी ठेकेदारों का हल्ला बोल

आत्मदाह की चेतावनी, 21 अप्रैल से पूरे प्रदेश में पानी की सप्लाई ठप करने की धमकी

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भीषण गर्मी के बीच जल संकट गहराने के आसार नजर आ रहे हैं। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के ठेकेदारों ने बकाया भुगतान को लेकर सरकार के खिलाफ निर्णायक मोर्चा खोल दिया है। पिछले 5 दिनों से राजधानी के 'जल भवन' के बाहर धरने पर बैठे ठेकेदारों ने अब आत्मदाह और पूरे प्रदेश की जलापूर्ति बंद करने जैसी गंभीर चेतावनी दी है। राजस्थान कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन संघर्ष समिति के अनुसार, जल जीवन मिशन (जेजेएम) और अमृत योजना के तहत किए गए कार्यों का करीब 3500 करोड़ रुपए का भुगतान पिछले 33 महीनों से लंबित है। ठेकेदारों का आरोप है कि सरकारी नियम 15 दिनों में भुगतान की बात कहते हैं, लेकिन यहाँ सालों से पैसा अटका हुआ है।

'बैंक लोन नहीं चुका पा रहा, प्रेशर कर रखा है'

कर्ज से परेशान डेयरी संचालक ट्रेन के आगे कूदा, 31 लाख बकाया का नोटिस मिला था

झुंझुनूं, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। 'बैंक का लोन नहीं चुका पा रहा हूं, बैंक वालों ने प्रेशर कर रखा है।' ऐसा लिख डेयरी संचालक ने सिरसा-कोटा ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। डेयरी संचालक ने करीब 31 लाख रुपए का लोन लिया हुआ था। जिसे चुका पाने में असमर्थ था। घटना झुंझुनूं के सूरजगढ़ तहसील के मावंडियों की ढाणी के पास र रात करीब साढ़े 8 से 9 बजे के बीच की है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। शव को चिड़ावा उपजिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

पंडित और बैंड वालों सावधान!

राजस्थान में आखा तीज पर प्रशासन सख्त

बाल विवाह में शामिल हुए तो होगी जेल

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में खुशियों और 'अबूझ सावे' का प्रतीक मानी जाने वाली अक्षय तृतीया पर इस बार प्रशासन का पहरा बेहद सख्त रहने वाला है। सदियों से चली आ रही बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से मिटाने के लिए प्रदेश सरकार ने कमर कस ली है। गृह विभाग ने इस बार ऐसा 'एक्शन प्लान' तैयार किया है कि शादी कराने वाले पंडित हों या खाना बनाने वाले हलवाई, जरा सी चूक हुई तो सीधे जेल की हवा खानी पड़ेगी। इस बार अक्षय तृतीया रविवार 19 अप्रैल को है।

हलवाइयों से लिए जाएंगे शपथ पत्र

प्रशासन ने इस बार केवल कार्रवाई नहीं, बल्कि 'जवाबदेही' का नया फॉर्मूला अपनाया है। गृह विभाग के निर्देशों के अनुसार, अब शादी के निमंत्रण पत्र (कार्ड) पर दूल्हा और दुल्हन की जन्मतिथि और उम्र का उल्लेख करना अनिवार्य कर दिया गया है। इतना ही नहीं, प्रशासन ने शादी से जुड़े हर व्यापारिक पक्ष पर नकेल कस दी है। हलवाई, बैंड वाले, पंडित, टेंट हाउस संचालक और ट्रांसपोर्टर्स से लिखित शपथ पत्र लिए जा रहे हैं। यदि किसी ने भी बाल विवाह में अपनी सेवाएं दीं, तो उन पर कानूनी शिकंजा कसा जाएगा और उनका लाइसेंस भी रद्द हो सकता है। सरकार ने साफ कर दिया है कि किसी भी जिले में बाल विवाह होने पर वहां के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (SP) सीधे तौर पर जवाबदेह होंगे। हर जिले में 24 घंटे सक्रिय रहने वाले कंट्रोल रूम स्थापित कर दिए गए हैं। पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी और स्थानीय पुलिस की टीमें सक्रिय रहेंगी। यदि कहीं भी बाल विवाह की भनक लगती है, तो आमजन 1098, 181 या 100 नंबर पर शिकायत कर सकते हैं। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी।

क्यों आखा तीज ही है सबसे बड़ी चुनौती?

राजस्थान में अक्षय तृतीया को 'अबूझ सावा' माना जाता है, जिसमें मुहूर्त निकलवाने की जरूरत नहीं होती। ग्रामीण इलाकों में आर्थिक तंगी और अशिक्षा के कारण लोग इसी दिन बच्चों की शादियां कर देते हैं, ताकि एक ही पंडाल और एक ही खर्च में घर के कई बच्चों का ब्याह निपटाया जा सके। पीपल पूर्णिमा पर भी इसी तरह का खतरा बना रहता है।

जागरूकता की भी अलखः डंडे के साथ समझाइश

सरकार का मानना है कि केवल कानून से नहीं, बल्कि सोच बदलने से यह प्रथा रुकेगी। बच्चों को बाल विवाह के शारीरिक और मानसिक दुष्परिणामों के बारे में पढ़ाया जा रहा है। पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ग्रामीणों को बाल विवाह के खिलाफ सचेत करें और संकल्प दिलाएं।

चर्चा में एसडीएम काजल मीणा ?: नौकरी की शुरुआत में ही कर दिया घूसकांड

भारी नकदी समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

करौली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। करौली जिले के नादौती उपखंड में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एसडीएम काजल मीणा, उनके रीडर दिनेश कुमार सैनी और यूडीसी प्रवीण धाकड़ को गिरफ्तार किया है। एसीबी के अनुसार तीनों को 60 हजार रुपये की रिश्वत मामले में पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान 4 लाख रुपये की संदिग्ध नकदी बरामद होने की भी जानकारी दी गई है। यह कार्रवाई जयपुर एसीबी के डीआईजी डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन तथा डीजी गोविंद गुप्ता और एडीजी स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई।

जमीन के फैसले के बदले रिश्वत मांगने का आरोप

एसीबी को मिली शिकायत के अनुसार परिवादी से जमीन के तकसीम (बंटवारा) मामले में फाइनल डिक्री जारी करने के बदले रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायत में कहा गया कि शुरुआत में एक लाख रुपये की मांग की गई, जिसे बाद में 50 हजार रुपये पर तय किया गया।

जांच के दौरान एसीबी के अनुसार यह सामने आया कि एसडीएम काजल मीणा के निर्देश पर उनके रीडर दिनेश कुमार सैनी ने 50 हजार रुपये एसडीएम के लिए और 10 हजार रुपये स्वयं के लिए मांगे थे। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना तैयार की। योजना के तहत परिवादी को उपखंड कार्यालय बुलाया गया। एसीबी के मुताबिक वहां रीडर ने 60 हजार रुपये की रिश्वत राशि ली और तुरंत यूडीसी प्रवीण धाकड़ को सौंप दी। इसी दौरान एसीबी टीम ने दबिश देकर तीनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान प्रवीण धाकड़ के बैग से 60 हजार रुपये की रिश्वत राशि के अलावा 4 लाख रुपये की संदिग्ध नकदी भी बरामद होने की बात कही गई है।

60 हजार की रिश्वत लेती SDM, रीडर और क्लर्क गिरफ्तार

खनन ट्रैक्टर ने मासूम भाई-बहन को कुचला, मौत

नाराज परिजनों और जनता का फूटा गुस्सा, बड़ी तादाद में पहुंची पुलिस

बारां, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बारां में खनन कार्य में लगे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से दो मासूम भाई-बहन की मौत के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

घटना के विरोध में स्थानीय लोग शुक्रवार सुबह सड़कों पर उतर आए और शाहाबाद रोड पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अवैध खनन और तेज रफ्तार वाहनों पर रोक लगाने की मांग की।

बरडिया रोड पर हुआ था हादसा

जानकारी के अनुसार, एक दिन पहले बरडिया रोड पर एक ट्रैक्टर-ट्राली ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी थी। स्कूटी पर दो मासूम बच्चे अपनी मां के साथ स्कूल से घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण बताई गई कि दोनों भाई-बहनों की मौके पर मौत हो गई, जबकि उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई।

अवैध खनन और तेज रफ्तार पर लोगों का आरोप

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में खनन कार्य में लगे ट्रैक्टर-ट्राली अक्सर नियमों की अनदेखी करते हुए तेज रफ्तार में चलते हैं। लोगों का कहना है कि बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्राली शहर में बेखौफ दौड़ते हैं, लेकिन पुलिस इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करती। वहीं, शहर में खड़े दोपहिया वाहनों के चालान कर औपचारिकता पूरी की जाती है।

शाहाबाद रोड पर टायर जलाकर प्रदर्शन

घटना से नाराज लोग सुबह बड़ी संख्या में शाहाबाद रोड पर एकत्रित हुए और रास्ता जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे आवागमन प्रभावित रहा।

मुआवजे और कार्रवाई की मांग

प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग थी कि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और दोषी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। लोगों ने कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासन द्वारा बेलगाम वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिसके कारण ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

तीन घंटे बाद खुला रास्ता

सूचना मिलने पर पुलिस जाब्ता और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों से बातचीत कर समझाइश की। प्रदर्शनकारी ठोस कार्रवाई के आश्वासन पर अड़े रहे। बाद में करीब तीन घंटे की समझाइश के बाद लोगों ने जाम हटाया और रास्ता फिर से सामान्य किया गया।

बच्ची से दरिंदगी मामले में थानेदार को 20 साल की कैद

टॉफी का लालच देकर ले गया था; जुर्माना भी देना होगा

दौसा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दौसा जिले की पॉक्सो कोर्ट ने चार वर्षीय मासूम बच्ची से दुष्कर्म के मामले में राजस्थान पुलिस के बर्खास्त सब इंस्पेक्टर भूपेन्द्र सिंह यादव को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है, जिसे पीड़िता को दिया जाएगा। साथ ही पीड़िता को तीन लाख रुपये प्रतिकर राशि देने की सिफारिश की गई है।

जानकारी के मुताबिक, वर्ष 2023 का यह मामला राहुवास थाना क्षेत्र से जुड़ा है। उस समय सब इंस्पेक्टर भूपेन्द्र सिंह यादव चुनाव ड्यूटी पर तैनात थे। उन्होंने चार वर्षीय बच्ची को टॉफी देने का लालच देकर अपने कमरे में बुलाया और फिर उससे दुष्कर्म किया। घटना सामने आने पर पूरे राजस्थान में हड़कंप मच गया था। पीड़िता और उसके परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज किया और आरोपी सब इंस्पेक्टर भूपेन्द्र सिंह यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस महकमे ने आरोपी को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त भी कर दिया। मामले की जांच तेजी से पूरी की गई और पॉक्सो एक्ट के तहत कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी गई। सुनवाई के दौरान पीड़ित पक्ष की ओर से आरोपी के खिलाफ 33 गवाह और 46 दस्तावेजी सबूत पेश किए गए। पॉक्सो कोर्ट की न्यायाधीश रेखा राठौड़ ने गवाहों के बयानों और उपलब्ध सबूतों पर गौर करते हुए सब इंस्पेक्टर भूपेन्द्र सिंह यादव को दोषी करार दिया।

अब व्हाट्सएप पर मिलेगा 10वीं का रिजल्ट, शिक्षा विभाग की नई पहल

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कक्षा 10 (एसएससी) के छात्र अब व्हाट्सएप के जरिए अपने परीक्षा परिणाम देख सकेंगे। शिक्षा विभाग ने इस नई सुविधा की शुरूआत की है, जिसके तहत इंटरनेट मार्कशीट सीधे छात्रों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी। यह सुविधा उन छात्रों को मिलेगी जिन्होंने पहले मी-सेवा तेलंगाना चैटबॉट (8096958096) के माध्यम से अपना हॉल टिकट डाउनलोड किया है। नए छात्रों को इस नंबर को सेव कर व्हाट्सएप पर 'हाय' भेजकर चैटबॉट शुरू करना होगा, इसके बाद हॉल टिकट नंबर और जन्मतिथि दर्ज कर वे अपना परिणाम देख सकेंगे।

इस पहल का उद्देश्य छात्रों को आसानी से और बिना तकनीकी परेशानी के परिणाम उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें वेबसाइटों पर निर्भर न रहना पड़े। सरकारी परीक्षा निदेशक पीवी श्रीहरि ने बताया कि एसएससी परीक्षाओं के परिणाम मई के पहले सप्ताह में घोषित किए जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य तेजी से चल रहा है। प्रमुख विषयों का मूल्यांकन पूरा हो चुका है, जबकि शेष विषयों का मूल्यांकन 23 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/02/पीए/ओटी/ 2026-27 दि.15-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.07-05-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01, ई-निविदा सं.-ईटेंडर सं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/02/पीए/ओटी/2026-27, ईटेंडर सं. इ-एम-एससी-02-ओटी-2026-27, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजनःबिजली रखरखाव विभागः (I) एसआर. डीइएन/उत्तर/एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (II) एसआर. डीइएन/उत्तर-पश्चिम/एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (III) एसआर. डीइएन/दक्षिण/एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान तथा (IV) एसआर. डीइएन/पश्चिम/एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (V) एसआर. डीइएन/उत्तर/एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों पर (टैक्टाइल मार्गदर्शन सहित एस्सेसिबुल रूट, प्लेटफार्म झोनिंग हेतु टैक्टाइल फ्लूरिंग, स्ट्रक्चरल एलिमेन्ट्स हेतु कान्ट्रास्टिंग या विरोधाभासी कलर योजना & प्लेटफार्म एड्ज स्ट्रिप्स) के अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु शेष बचे हुए दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (VI) एसआर. डीइएन/उत्तर-पश्चिम/एससी सेक्शन में अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (VII) एसआर. डीइएन/दक्षिण/एससी सेक्शन के तहत स्टेशनों में अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (VIII) एसआर. डीइएन/पश्चिम/एससी सेक्शन में अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु (वाटर टैप्स, दिव्यांगजन शौचालयों, टैक्टाइल मार्गदर्शन सहित सुलभ मार्ग, प्लेटफार्म झोनिंग, स्ट्रक्चरल एलिमेन्ट्स हेतु विरोधाभासी रंग योजना & प्लेटफार्म एड्ज स्ट्रिप्स) दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (IX) डीइएन/को-आर्ड./एससी सेक्शन में अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (X) एसएनएफ-एससी-केजेडजे में अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (XI) केजेडजे-**बीजेडजे सेक्शनः** एसएस गट्टर, न्यू शीटींग सहित सीओपीज का उन्नयन & एडीइएन/एस/केजेडजे सब-डिवीजन के तहत स्टेशनो में अतिरिक्त पीएफ शेल्टर्स का प्रावधान। (XII) केजेडजे-बीजेडए सेक्शनः एडीइएन/एमडीआर सब-डिवीजन के तहत स्टेशनो में अतिरिक्त सीओपीज का प्रस्तावित निर्माण कार्य--बिजली व्यवस्थाएं।

निविदा मूल्य रु. 2,86,28,720.00 अग्रधन रु. 2,93,200.00 सीटीएफ रु.0,00 कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

आईआरईपीएस **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा इसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देख सकते हैं।

यह निविदा सूचना, एसआर. डीईई (रखरखाव) का कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देख सकते हैं।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (एम)/सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.एन-एसजी-36-2026-27-सीओपी-01 दि.10-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर. डीएसटीइ/एनइडी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. व दि.-एन-एसजी-36-2026-27-सीओपी-01 दि.10-04-2026 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन के आदिलाबाद, किनवट, हिमायतनगर, भोकर, मानवत रोड, सेलू, पारतूर, रोटेगांव तथा वाशिम स्टेशनों पर प्लेटफार्म्स की समस्त लम्बाई को ढकने हेतु सीओपी के विस्तार सहित तत्संबंधित एस&टी कार्य।

अनुमानित परियोजना मूल्य रु.1,44,90,522.00 बोली सुरक्षा रु.2,89,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बोली बंद करने की तिथि (बोली तय तिथि) -05-05-2026 के 15.00 बजे बोली खोलने की तिथिः 05-05-2026 के 15.00 बजे के पश्चात् आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन निविदा पुस्तिका मूल्य रु. शून्य

समस्त बिड्डिंग या बोली लगाने की प्रक्रिया जोकि, इंडियन रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है। अधिक जानकारी हेतु www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूर संचार अभियंता, नान्देड

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2026-27-एसटीआरजीटीएच-02 दि.10-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीएसटीई/एनइडी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. व तिथिः एन-एसजी-36-2026-27-एसटीआरजीटीएच-02 दि.10-04-2026 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन पर विश्वसनीय सिग्नल्लिंग हेतु एर्थिंग व सर्ज प्रोटेक्शन सिस्टम्स का मजबूतीकरण।

अनुमानित परियोजना मूल्य रु. 2,58,69,735.00 बोली सुरक्षा रु.5,17,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बोली बंद करने की तिथि (बोली की निर्धारित तिथि)-05-05-2026 के 15.00 बजे बोली खोलने की तिथिः 05-05-2026 के 15.00 बजे के पश्चात् आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन निविदा पुस्तिका मूल्य रु. शून्य

समस्त बिड्डिंग प्रक्रिया जोकि, इंडियन रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है। अधिक जानकारी हेतु www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूर संचार अभियंता, नान्देड

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2026-27-आरइएल-03 दि.10-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीएसटीइ/एनइडी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. व दिनांकः एन-एसजी-36-2026-27-आरइएल-03 दि.10-04-2026 कार्य विवरणः एनइडी डिवीजन पर, सिग्नल्लिंग एस्सेट्स की विश्वसनीयता व रखरखाव का सुधार, सिग्नल्लिंग केबुल्स हेतु लो इन्सुलेशन कार्य तथा सिग्नल्स & लोकेशन बाक्सेज के प्रति एर्थिन्स कार्य।

अनुमानित परियोजना मूल्य रु. 1,43,62,128.00 बोली सुरक्षा रु.2,87,300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बोली बंद करने की तिथि (बोली की निर्धारित तिथि)-05-05-2026 के 15.00 बजे बोली खोलने की तिथिः 05-05-2026 के 15.00 बजे के पश्चात् आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन निविदा पुस्तिका मूल्य रु. शून्य

समस्त बिड्डिंग प्रक्रिया जोकि, इंडियन रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है। अधिक जानकारी हेतु www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूर संचार अभियंता, नान्देड

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2026-27-टीडब्ल्यूएस-74-04 दि.10-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीएसटीइ/एनइडी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. व दिनांकः एन-एसजी-36-2026-27-टीडब्ल्यूएस-74-04 दि.10-04-2026 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन पर मनमाड-मुदखेड-एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी-74 सेट्स, सीएस+सीएमएससी-3 सेट्स, एसइजे 42 सेट्स सहित तत्संबंधित एस&टी कार्य।

अनुमानित परियोजना मूल्य रु. 2,07,19,851.00 बोली सुरक्षा रु. 4,14,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बोली बंद करने की तिथि (बोली की निर्धारित तिथि)-05-05-2026 के 15.00 बजे बोली खोलने की तिथिः 05-05-2026 के 15.00 बजे के पश्चात् आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन निविदा पुस्तिका मूल्य रु. शून्य

समस्त बिड्डिंग प्रक्रिया जोकि, इंडियन रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है। अधिक जानकारी हेतु www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूर संचार अभियंता, नान्देड

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2026-27-एआरसी-05 दि.10-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीएसटीइ/एनइडी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. व दिनांकः एन-एसजी-36-2026-27-एआरसी-05 दि.10-04-2026 कार्य विवरणः दो वर्ष की अवधि हेतु (स्पेयर पार्ट्स को मिलाकर) नांदेड डिवीजन में मेसर्स वेबफिल मेक के प्राइमरी डिजीटल ड्राप इनसर्ट मल्टिप्लेक्सर कार्ड्स का वार्षिक मरम्मत ठेका (एआरसी)।

अनुमानित परियोजना मूल्य रु.21,53,292.00 बोली सुरक्षा रु.43,100.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने बोली बंद करने की तिथि (बोली तय तिथि)-05-05-2026 के 15.00 बजे बोली खोलने की तिथिः 05-05-2026 के 15.00 बजे के पश्चात् आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन निविदा पुस्तिका का मूल्य रु. शून्य

समस्त बिड्डिंग प्रक्रिया जोकि, इंडियन रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है। अधिक जानकारी हेतु www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूर संचार अभियंता, नान्देड

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2026-27-एचएजेडआरडी-44 दि.13-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीएसटीइ/एनइडी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. & दिनांकः. एन-एसजी-36-2026-27-एचएजेडआरडी-44 दि.13-04-2026 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन में आदिलाबाद, पूर्णा & छत्रपति संभाजीनगर पर पाइन्ट हैजर्ड सर्कूट्स के कार्यान्वयन द्वारा सिग्नल व दूरसंचार गेयर्स की विश्वसनीयता का सुधार कार्य।

अनुमानित परियोजना मूल्य रु.2,76,42,957.00 बोली सुरक्षा रु.5,52,900.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बोली बंद करने की तिथि (बोली तय तिथि)-06-05-2026 के 15.00 बजे के पश्चात् बोली खोलने की तिथिः 06-05-2026 के 15.00 बजे के पश्चात् आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन निविदा पुस्तिका का मूल्य रु. शून्य

समस्त बिड्डिंग प्रक्रिया जोकि, इंडियन रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है। अधिक जानकारी हेतु www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूर संचार अभियंता, नान्देड

A070

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

समय पर चिकित्सा मिलने से कम होती है मृत्यु दर

गोल्डन ऑवर और सड़क सुरक्षा पर दिया गया विशेष जोर

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी ट्रैफिक पुलिस द्वारा 'प्रजा पालन प्रगति' के 99 दिन के एक्शन प्लान के अंतर्गत 'अराइव अलाइव' अभियान के तहत जुबली हिल्स स्थित अपोलो अस्पताल में सड़क सुरक्षा और 'गोल्डन ऑवर' के महत्व पर एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डी. जोएल डेविस, संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना के बाद के पहले 60 मिनट यानी 'गोल्डन ऑवर' में समय पर चिकित्सा सहायता मिलने से मृत्यु दर कम की जा सकती है और गंभीर चोटों से बचाव संभव है।

उन्होंने 'गोल्डन 10 मिनट' का भी उल्लेख किया, जिसमें हृदयाघात की स्थिति में तुरंत सीपीआर देने से जीवन बचाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि ऑटो, कैब और बस चालकों के साथ-साथ युवाओं को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में वे लोगों की मदद कर सकें। साथ ही 'राह-वीर' योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने वालों को 25 हजार रुपये और प्रशंसा पत्र दिए जाने की जानकारी दी। इस अवसर पर काजल सिंह, डीसीपी (ट्रैफिक-2) ने लापरवाही और नशे में वाहन चलाने के खतरों के प्रति आगाह करते हुए 'डिफेंसिव ड्राइविंग' की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सतर्कता, गति नियंत्रण और सुरक्षित दूरी बनाए रखना दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी है। कार्यक्रम में अतिरिक्त डीसीपी सी. वेणुगोपाल रेड्डी, एसीपी के. हरि प्रसाद, निरीक्षक रविंदर, निरीक्षक नागुला अशोक सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा अपोलो अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विश्वेश्वर रेड्डी और डॉ. सौजन्या, ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यट (टीटीआई) के कर्मी और ट्रैफिक पुलिस स्टाफ भी कार्यक्रम में शामिल हुए। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें।

सड़क पर छोटी लापरवाही से बड़े हादसे : पोन्नम

'अराइव अलाइव' अभियान में सड़क सुरक्षा पर जोर

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के 99 दिवसीय 'प्रजापालना-प्रगति प्रणाली' अभियान के तहत 'अराइव अलाइव' सड़क सुरक्षा सप्ताह का पांचवां दिन पूरे प्रदेश में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस दौरान परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने नागोल स्थित बाबू जगजीवन राम ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा कि सड़क पर छोटी-छोटी गलतियां भी बड़े हादसों का कारण बनती हैं और इससे परिवारों को अपूरणीय क्षति होती है।

उन्होंने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता को हर नागरिक की जिम्मेदारी बताते हुए '4ई' सिद्धांत (शिक्षा, इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और आपातकालीन देखभाल) को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए तथा 'राहवीर अवार्ड' के तहत दुर्घटना पीड़ितों को समय पर अस्पताल पहुंचाने वालों को 25,000 प्रोत्साहन देने की जानकारी दी। इसी क्रम में डीजीपी बी. शिवधार रेड्डी ने करीमनगर और सिद्धिपेट में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर कहा कि सड़क दुर्घटनाएं कुछ ही क्षणों में हो जाती हैं, इसलिए वाहन चलाते समय निरंतर सतर्कता आवश्यक है।

उन्होंने चालकों को बाईं लेन में चलने, ओवरटेक के बाद तुरंत वापस आने, रात में लो-बीम हेडलाइट का उपयोग करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष जहां लगभग 800 लोगों की हत्या हुई, वहीं करीब 7,500 लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा बैठे, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने हेलमेट की पट्टी बांधने, आगे-पीछे सीट बेल्ट लगाने, हाईवे पर प्रवेश से पहले रुककर देखने और भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टिव स्टिकर लगाने पर भी जोर दिया। सूर्यापेट में जेल महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा ने हेलमेट जागरूकता रैली में भाग लेते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन ही दुर्घटनाओं को रोकने का एकमात्र उपाय है। उन्होंने ब्लैक स्पॉट की पहचान और चेतावनी संकेत लगाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विधायक पद्मावती, कलेक्टर तेजस नंदलाल पवार, एसपी नरसिम्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। राज्य के विभिन्न जिलों में भी 'अराइव अलाइव' अभियान के तहत नवाचारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। निजामाबाद में हेलमेट पहनने वालों के लिए आईपीएल मैचों की मुफ्त स्क्रीनिंग, विकाराबाद में सड़क सुरक्षा व नशा विरोधी अभियान, मिर्यालगुड़ा में गोल्डन आवर पर जागरूकता, खम्मम में ड्राइवरों के लिए सीपीआर प्रशिक्षण, भद्राद्री कोत्तागुडेम में आदिवासी युवाओं को हेलमेट वितरण, वनपर्थी में नेत्र जांच व सीपीआर प्रशिक्षण, रामागुंडम में यमधर्मराज के माध्यम से जागरूकता तथा आदिलाबाद में सीपीआर प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। महबूबनगर, जगत्याल, संगारेड्डी, कामारेड्डी और गदवाल सहित अन्य जिलों में भी व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए गए। यह अभियान लगातार गति पकड़ रहा है और लोगों को यह संदेश दे रहा है कि सड़क सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है।

दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वालों को मिलेंगे 25 हजार

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 'प्रजा पालन प्रगति' के 99 दिन के एक्शन प्लान के तहत 'अराइव अलाइव' अभियान के अंतर्गत गोशामहल स्थित ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (टीटीआई) में सड़क सुरक्षा एवं 'गोल्डन ऑवर' के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम गोलकोंडा जोन ट्रैफिक पुलिस के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में काजल सिंह, डीसीपी (ट्रैफिक-2), हैदराबाद उपस्थित रहीं। उन्होंने बताया कि 'गोल्डन ऑवर' सड़क दुर्घटना के बाद के पहले 60 मिनट होते हैं, जो घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने 'गोल्डन 10 मिनट' की अवधारणा भी समझाई, जिसमें हृदयाघात जैसी आपात स्थिति में तुरंत सीपीआर देने से जीवन बचाया जा सकता है।

उन्होंने भारत सरकार की 'राह-वीर' योजना की जानकारी देते हुए बताया कि दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने वाले व्यक्तियों को 25 हजार रुपये और प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में यातायात नियमों के पालन, नशे में वाहन न चलाने और रक्षात्मक ड्राइविंग के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही एंबुलेंस चालकों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों को जागरूक करते हुए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण भी दिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त डीसीपी सी. वेणुगोपाल रेड्डी, एसीपी डी. धनलक्ष्मी, निरीक्षक बी. राजू, अतिरिक्त निरीक्षक के.एन. प्रसाद वर्मा, निरीक्षक वेंकटेश्वरलु, निरीक्षक के. राजेंद्र प्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में केयर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. सना और मेडिकल स्टाफ, टीटीआई कर्मी तथा पुलिस बल के सदस्य भी शामिल हुए।

रेलवे पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर चोर

30 हजार रुपये के चांदी के आभूषण बरामद, एक आरोपी फरार

सिकंदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने आरपीएफ स्टाफ के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जो हाल ही में रेलवे थाना क्षेत्र में हुई चोरी की घटना में शामिल था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद मुजम्मिल (25) के रूप में हुई है, जो बोराबंडा, हैदराबाद का निवासी है और किराना दुकान में काम करता है। मामले में एक अन्य आरोपी वर्ध्यावत अम्मू उर्फ तरुण (21) अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी वर्ष 2024 से एक-दूसरे के संपर्क में थे और ट्रेनों में भीख मांगने व मजदूरी का काम करते थे। कम आय के चलते उन्होंने चोरी की योजना बनाई।

28 मार्च 2026 को शाम करीब 5:40 बजे दोनों आरोपी सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर पहुंचे। उसी दौरान गोदावरी एक्सप्रेस आई, जिसमें वे एस-3 कोच में चढ़ गए और एक यात्री के बैग से सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और अन्य सामान चोरी कर लिया। चोरी के बाद दोनों ने करीब 8 हजार रुपये खर्च कर दिए। मुजम्मिल ने एक चांदी की पायल अपने पास रख ली, जबकि बाकी सामान अपने साथी को दे दिया।

16 अप्रैल को पुलिस ने आरोपी को प्लेटफॉर्म नंबर-1 के वेटिंग हॉल से संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। पूछताछ में उसने अपराध कबूल कर लिया। उसके पास से करीब 10 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए गए, जिनकी कीमत लगभग 30 हजार रुपये बताई गई है।

इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(सी) एवं 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी और शेष सामान की बरामदगी के लिए प्रयास कर रही है। इस कार्रवाई में रेलवे पुलिस और आरपीएफ स्टाफ की अहम भूमिका रही। उच्च अधिकारियों ने टीम की सराहना करते हुए पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

किशन रेड्डी बोले- राजनीतिक लाभ के लिए विरोध

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों का राजनीतिक लाभ के लिए विरोध करने का आरोप लगाया है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का प्रस्ताव सभी राज्यों के लिए निष्पक्ष है और दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय के दावे निराधार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल नए नेतृत्व के उभरने से अपना वर्चस्व खोने के डर से इन सुधारों का विरोध कर रहे हैं। रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री और केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रस्ताव के तहत लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि का फार्मूला रखा गया है, जिससे दक्षिणी राज्यों की सीटें कम नहीं होंगी।

उन्होंने क्षेत्रीय दलों पर 'झूठा प्रचार' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर जनता के बीच खुली बहस होनी चाहिए। जनसंख्या के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में परिवार नियोजन के कारण जनसंख्या वृद्धि कम हुई है, इसलिए सरकार ने संतुलित फार्मूला तैयार किया है। इसके अलावा, रेड्डी ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पर महिलाओं को राजनीतिक आरक्षण से दूर रखने की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेताओं, खासकर अकबरुद्दीन ओवैसी के बयान इस बात को दर्शाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन के बाद सीटों पर असर पड़ने के डर से मजलिस पार्टी कांग्रेस और बीआरएस के साथ मिलकर इन प्रावधानों का विरोध कर रही है।

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त

शिव मंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

जगतगिरीगुटा स्थित श्री परशुराम मंदिर में भगवान श्री परशुरामजी का तीन दिवसय प्रकटोत्सव के प्रथम दिन शुक्रवार 17 अप्रैल को आयोजित मुख्य आचार्य नीरज चर्तुवेदी के सानिध्य में कलश-यात्रा, गणपति शहस्त्रनाम, पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ कार्यक्रम में उपस्थित रामगोपाल चौधरी, सौरभ सिंह, राकेश सिंह, मुकेश शर्मा, सुनिल सिंह, गिरीजेश चौधरी, शम्भू चौधरी, कमेश्वर सिंह, आची चौधरी, आशा सिंह, अर्चना सिंह, उषा कल्याण, रुपम झा, उषा देवी, मंजू देवी व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

राहुल गांधी के खिलाफ ...

कोर्ट ने सीबीआई से मामले की जांच के आदेश भी दिए। 28 जनवरी, 2026 को एमपी-एमएलए कोर्ट ने विग्नेश शिशिर की याचिका को खारिज कर दिया था। तब कोर्ट ने कहा था-'मामले में हाईकोर्ट- सुप्रीम कोर्ट से अब तक कोई आदेश पारित नहीं हुआ है। याचिकाकर्ता की ओर से नागरिकता (सिटीजनशिप) के संबंध में कोई नया या ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।' सुनवाई के दौरान जज सुभाष विद्यार्थी ने गृह मंत्रालय के फॉरेनर्स डिवीजन को निर्देश दिए थे कि मामले से संबंधित सभी जरूरी दस्तावेज पेश करें। मंत्रालय ने केस से जुड़ी सभी फाइलें हाईकोर्ट में पेश कीं। विग्नेश शिशिर का दावा है कि उन्होंने कोर्ट के समक्ष ऐसे दस्तावेज और साक्ष्य पेश किए हैं, जिनसे यह संकेत मिलता है कि राहुल गांधी यूनाइटेड किंगडम में मतदाता रहे हैं। वहां चुनावों में भागीदारी से जुड़े रिकॉर्ड मौजूद हैं।

याचिका में राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (पीएनएस) 2023 की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923, पासपोर्ट एक्ट 1967 और फॉरेनर्स एक्ट 1946 के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकता से जुड़ा गंभीर विषय है।

शुक्रवार को सुनवाई में यूपी सरकार की तरफ से वकील डॉ. बीके सिंह पेश हुए थे। जबकि केंद्र सरकार का पक्ष वकील एसबी पांडेय ने रखा। याचिकाकर्ता विग्नेश पांडेय की तरफ से बिंदेश्वरी पांडेय कोर्ट में पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में राहुल की भारतीय नागरिकता से जुड़ी याचिका खारिज कर दी थी। उस समय के चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने कहा था कि अगर कोई कंपनी किसी फॉर्म में राहुल गांधी को ब्रिटिश नागरिक के तौर मेंशन करती है, तो क्या ऐसा कर देने से ही वे ब्रिटिश नागरिक हो गए।

सीजेआई गोगोई, जस्टिस दीपक गुप्ता और जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच ने कहा था- 'हम यह याचिका खारिज करते हैं। इसमें कोई आधार नहीं है। 'याचिका में कहा गया था, 'कोर्ट राहुल की नागरिकता के बारे में मिली शिकायत पर जल्द फैसला करने के लिए गृह मंत्रालय को निर्देश दे।'

याचिका में राहुल गांधी को चुनाव लड़ने से अयोग्य करार दिए जाने की भी मांग की गई थी। याचिकाकर्ता जय भगवान गोयल ने ब्रिटेन की कंपनी के 2005-06 के सालाना ब्योरे का जिक्र किया था। इसमें कथित तौर पर राहुल को ब्रिटिश नागरिक बताया गया था।

इस पहेली का ...

दरअसल, राहुल गांधी ने अपने संबोधन के दौरान एक 'जादूगर की कहानी' सुनानी शुरू की, जिसे लेकर सदन में शोर-शराबा बढ़ गया। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें टोका और कहा कि सदन की कार्यवाही मर्यादा में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप नेता प्रतिपक्ष हैं और संसद की गरिमा बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है। यह संसद है, चौराहा नहीं। जो बातें बाहर कही जाती हैं, वे यहां नहीं कही जा सकतीं।

राहुल गांधी के बयान पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल 'गैर-संवैधानिक' और 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जिस व्यक्ति को देश की जनता ने प्रधानमंत्री बनाया है, उसके लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग करना केवल उनका नहीं, बल्कि पूरे देश का अपमान है। राजनाथ सिंह ने मांग की कि राहुल गांधी द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटाया जाए और उन्हें देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

वहीं, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी के बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इन टिप्पणियों को 'असंसदीय' करार देते हुए कहा कि इस तरह के बयान सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं और संसदीय परंपराओं के खिलाफ हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि राहुल गांधी के इस बयान को सदन की कार्यवाही से हटाया जाएगा।

मेरी और पीएम ...

घर में मां, बहनें और पत्नियां हैं। हम इनसे बहुत कुछ सीखते हैं। हालांकि, मेरी और प्रधानमंत्री जी की पत्नी नहीं है। इसके बाद सदन में विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्य हंसने लगे।

भाजपा सांसद रवि किशन महिला आरक्षण बिल पर बोल रहे थे तभी पीठासीन जगदंबिका पाल ने कहा कि आपका प्रचार भी तो आपकी पत्नी करती हैं। इस पर किशन ने कहा- हां मेरे एक डेढ़ लाख वोट मेरी पत्नी लेकर आती हैं और मैं उनके पैर छूता हूं। वो छूने नहीं देती लेकिन जब वो गहरी नींद में होती है तब मैं उनके पैर छूता हूं। सबको पैर छूना चाहिए और जो महिला विरोधी हैं उनको भी छूना चाहिए।

संसद का मजाक ...

हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद ने राहुल गांधी के बारे में कहा, 'उन्हें सुनना सिरदर्द की तरह था।

वे अपने बचपन के सदमें से गुजर रहे हैं। फिर उन्होंने मैजिक शो के बारे में बात की, जो उन्होंने बचपन में देखा था। कंगना रनौत के अनुसार, 'हमें बहुत दुख है, सारी दुनिया देख रही है, पूरा देश देख रहा है और उन्होंने संसद भवन का मजाक बना रखा है।'

इसी तरह बीजेपी की एक और महिला सांसद हेमा मालिनी ने भी राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों पर आपत्ति जताई। हेमा मालिनी ने कहा, 'मैं यही कह सकती हूं कि यह एंटरटेनिंग था, लेकिन इसमें कुछ भी कंक्रीट नहीं था....प्रधानमंत्री को मैजिशियन कहना सही नहीं है। यह असंसदीय है।' संसद में गुरुवार को मोदी सरकार महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33% आरक्षण देने के लिए तीन बिल लेकर आई। उसी पर लोकसभा में चर्चा के दौरान राहुल गांधी कांग्रेस और विपक्ष की तरफ से इनके विरोध में अपना पक्ष रखने पहुंचे थे।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

क्रिकेट कनाडा में करप्शन को लेकर आईसीसी की जांच

> टी-20 वर्ल्डकप में न्यूजीलैंड और कनाडा का मैच भी शक के दायरे में

स्पोर्ट्स डेस्क, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। आईसीसी की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) क्रिकेट कनाडा से जुड़े भ्रष्टाचार के दो मामलों की जांच कर रही है। इस जांच के दायरे में हाल ही में भारत और श्रीलंका में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप का एक मैच भी शामिल है। इसके अलावा, इंटरनेशनल और घरेलू लेवल पर एंटी-करप्शन कोड के संभावित उल्लंघनों की भी पड़ताल की जा रही है।

आईसीसी ने यह जांच कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर सीबीसी के कार्यक्रम में प्रसारित डॉक्यूमेंट्री 'करप्शन, क्राइम एंड क्रिकेट' में लगाए गए आरोपों के बाद शुरू की। 43 मिनट की इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच का एक ओवर शक के घेरे में

डॉक्यूमेंट्री में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए मैच का जिक्र किया गया है। मैच में कनाडा ने तेज गेंदबाजों से शुरुआत की थी, लेकिन तीसरे ओवर में ही स्पिनर साद बिन जफर को ले आए। इसके बाद अगले स्पिनर के तौर पर रविंदरपाल सिंह बाजवा आए। बाजवा ने अपने ओवर की शुरुआत नो-बॉल से की, फिर लेग साइड पर एक वाइड फेंकी और अंत में उस ओवर में 15 रन दिए। बाजवा बल्लेबाज हैं जो पार्ट-टाइम ऑफ स्पिन करते हैं।

उनके इसी ओवर की गेंदबाजी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यह मैच भारत में 17 फरवरी को चेन्नई में खेला गया था। इस मैच में कनाडा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। कनाडा ने 4 विकेट पर 173 रन बनाए थे। इस मैच को न्यूजीलैंड ने 28 गेंद शेष रहते हुए टारगेट हासिल कर लिया और मैच को 8 विकेट से जीत लिया था।

पूर्व कोच का दावा-'पसंदीदा प्लेयर्स को चुनने का दबाव था'

आईसीसी की एंटी-करप्शन यूनिट जिस दूसरे मामले की जांच कर रही है, वह टीम चयन को लेकर कोच पर कथित दबाव से जुड़ा है। आरोप है कि टीम मैनेजमेंट की ओर से कोच पर कुछ खास खिलाड़ियों को चुनने के लिए दबाव बनाया गया। आईसीसी एक लीक हुए ऑडियो कॉल की भी जांच कर रही है, जिसमें तत्कालीन कोच खुर्रम चौहान यह दावा करते सुनाई देते हैं कि बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य उन पर पसंदीदा खिलाड़ियों को नेशनल टीम में शामिल करने का दबाव बना रहे थे। यह ऑडियो पिछले साल सामने आया था। इसके अलावा, पूर्व कोच पुबुदु दसानायके ने भी इसी तरह के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम चयन के दौरान उन पर दबाव डाला गया और बात न मानने पर उन्हें बर्खास्त करने की धमकी दी गई।

खिलाड़ियों को सैलरी और इनामी राशि मिलने में देरी

डॉक्यूमेंट्री में यह भी दावा किया गया है कि टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में हिस्सा लेने वाले कनाडा के खिलाड़ियों को इनामी राशि मिलने में काफी देरी हुई। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी जुलाई 2023 से बिना किसी कॉन्ट्रैक्ट के थे और वर्ल्ड कप से ठीक चार महीने पहले उन्हें बहुत कम रिटेनर फीस पर रखा गया था। इसमें संगठित अपराध के लिंक होने की बात भी सामने आई है, जिस पर आईसीसी का कहना है कि यह स्थानीय पुलिस और कानून व्यवस्था का मामला है।

आईसीसी ने कहा-मामले की जानकारी है, जांच जारी

आईसीसी की इंटीग्रिटी यूनिट के अंतरिम जनरल मैनेजर एंड्रयू एफग्रेव ने कहा कि वे इस डॉक्यूमेंट्री में दिखाए गए मामलों से वाकिफ हैं।

हालांकि, अपनी कार्यप्रणाली के तहत वे फिलहाल किसी भी आरोप पर विस्तार से टिप्पणी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि आईसीसी की एंटी करप्शन यूनिट इंटेलिजेंस और प्रिवेंशन पर काम कर रही है और जहां भी खेल की गरिमा को खतरा लगेगा, वहां कार्रवाई की जाएगी। कनाडा क्रिकेट पिछले एक साल से प्रशासनिक उथल-पुथल से जूझ रहा है। पूर्व सीईओ सलमान खान की नियुक्ति पहले से ही विवादों में थी क्योंकि उन्होंने अपने पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी छिपाई थी। उन पर कैलगरी पुलिस ने चोरी और धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं, हालांकि उन्होंने इन आरोपों से इनकार किया है। हाल ही में अमजद बाजवा की जगह अरविंदर खोसा को बोर्ड का नया अध्यक्ष चुना गया है।

वीर चोटरानी हैम्बर्ग स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

अभय-रमित और जोशना हुए बाहर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। वीर चोटरानी ने पुरुषों के दूसरे राउंड में जर्मनी के आठवें सीड राफेल कंदरा को 3-0 से हराकर हैम्बर्ग ओपन स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह पीएसए कांस्य पदक स्तर का इवेंट है। इस भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से आखिर तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्हें 11-8, 11-7, 11-7 से जीत हासिल करने और आखिरी आठ में पहुंचने में सिर्फ 30 मिनट लगे। चोटरानी ने कंदरा को सीधे गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया।

हालांकि, चोटरानी के हमवतन और पांचवें वरीयता प्राप्त अभय सिंह और सातवें वरीय रमित टंडन दूसरे राउंड में बाहर हो गए। सिंह इंग्लैंड के सैम टॉड से 9-11, 11-7, 4-11, 2-11 हारे। टंडन को हंगरी के बालाज फार्कास ने 10-12, 11-4, 5-11, 9-11 से हराया। सैम टॉड ने सिंह को हराने के लिए बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टॉड ने कहा, मुझे पता है कि अभय हाल ही में अच्छी फॉर्म में है, क्योंकि एल गौना में उसके कुछ अच्छे परिणाम आए थे और उसने इंडियन ओपन जीता था। मुझे पता था कि आज का मैच मुश्किल होगा और मैंने उसके साथ पोंटेफ्रैक्ट में जो मेरा क्लब है कुछ बार ट्रेनिंग की है, इसलिए मैं उसका गेम अच्छी तरह जानता हूं क्योंकि हम कुछ बार साथ में खेले हैं।

महिलाओं के वर्ग में पूर्व महिला विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी जोशना चिनप्पा को आठवीं वरीयता प्राप्त जोएल किंग ने हराया। किंग ने 11-9, 11-7, 9-11, 11-4 से जीत हासिल की।

फ्रेंच ओपन की इनामी राशि में 10 प्रतिशत का इजाफा

विजेता को कितना होगा धनलाभ

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की इनामी राशि में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है जिससे कुल इनामी राशि छह करोड़ 17 लाख यूरो (सात करोड़ 21 लाख डॉलर) हो गई है।

यह कुल राशि पिछले साल के मुकाबले 53 लाख यूरो अधिक है। प्रतियोगिता 24 मई को पश्चिमी पेरिस के रोलां गैरो में शुरू होगी। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उप विजेता को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को सात लाख 50 हजार यूरो और पहले दौरे में हारने वाले खिलाड़ियों को 87 हजार यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल के विजेताओं को छह लाख यूरो और मिश्रित युगल की चैंपियन जोड़ी को एक लाख 22 हजार यूरो मिलेंगे। पिछले साल कार्लोस अल्कारेज ने पांच सेट के तक चले फाइनल में यानिक सिनर को हराकर पुरुष एकल खिताब जीता था जबकि कोको गॉफ ने एरिना सबालेंका को हराकर महिला एकल खिताब अपने नाम किया था।

विपराज ने कहा-स्टेट लीग के अनुभव ने बढ़ाया मेरा कॉन्फिडेंस

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल जैसी दुनिया की सबसे तेज और हाई-प्रेशर लीग में खेलने के लिए यंग प्लेयर्स को मानसिक रूप से मजबूत होना पड़ता है। 21 साल के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी विपराज ने बताया कि इस लेवल पर परफॉर्म करने के लिए स्टेट लीग का अनुभव और प्रैक्टिस कैंप की प्लानिंग सबसे ज्यादा काम आती है। दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर विपराज निगम ने आईपीएल-2026 के राइवलरी वीक के दौरान जियोस्टार प्रेस रुम में मीडिया से बात की। विपराज ने कहा, आईपीएल एक बहुत ही फास्ट लीग है, जहां खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और खेल के बारे में सोचने के लिए बहुत कम समय मिलता है।

आईपीएल 2030 तक एक खिलाड़ी कमाएगा 150 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल के संस्थापक और पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने इस टूर्नामेंट के भविष्य को लेकर एक ऐसी भविष्यवाणी की है जिसने पूरी क्रिकेट दुनिया को हैरान कर दिया है। मोदी का मानना है कि आने वाले चार-पांच सालों में आईपीएल की अर्थव्यवस्था इस कदर बढ़ेगी कि खिलाड़ियों पर होने वाली पैसों की बारिश आज के मुकाबले कई गुना ज्यादा होगी।

2030 तक खिलाड़ी बनेंगे कुबेर, ललित मोदी का बड़ा दावा

ललित मोदी के अनुसार, साल 2030 तक आईपीएल टीमों का प्लेयर पर्स (खिलाड़ियों को खरीदने का बजट) वर्तमान के 125 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 932 करोड़ रुपये (100 मिलियन डॉलर) प्रति सीजन हो जाएगा। मोदी ने द ओवरलैप क्रिकेट पर कहा कि आने वाले समय में टॉप खिलाड़ियों की कमाई प्रति मैच लगभग 8.5 करोड़ रुपये (1 मिलियन डॉलर) होगी। उन्होंने भविष्यवाणी की कि टीम के टॉप 3-4 खिलाड़ी एक सीजन में 130 से 150 करोड़ रुपये (15-16 मिलियन डॉलर) तक कमाएंगे। मोदी के मुताबिक, इसमें कोई शक नहीं है कि 2030 तक आईपीएल इस मुकाम पर पहुंच जाएगा।

मुंबई इंडियंस की लगातार चौथी हार

एक तरफ जहां भविष्य के करोड़ों रुपयों की चर्चा हो रही है, वहीं मैदान पर मुंबई इंडियंस की हालत खस्ता बनी हुई है। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने मुंबई को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। यह इस सीजन में मुंबई की लगातार चौथी हार है। मुंबई के लिए क्विंटन डी कॉक ने शानदार 112 रनों की नाबाद पारी खेली और नमन धीर (50) के साथ 132 रनों की साझेदारी की। मुंबई ने 195 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था, लेकिन वानखेड़े की सपाट पिच पर यह पंजाब के बल्लेबाजों के सामने बौना साबित हुआ। पंजाब की ओर से प्रभसिमरन सिंह ने गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए महज 31 गेंदों में नाबाद 80 रन (11 चौके, 2 छक्के) ठोक दिए। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 35 गेंदों में 66 रन बनाए। दोनों के बीच 139 रनों की मैच जिताऊ साझेदारी हुई।

बुमराह फिर रहे खाली हाथ

मुंबई इंडियंस की सबसे बड़ी कमजोरी उनकी गेंदबाजी साबित हो रही है। टीम के मुख्य गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक बार फिर विकेट लेने में नाकाम रहे और उन्होंने 4 ओवर में 41 रन लुटा दिए। पंजाब ने 196 रनों के लक्ष्य को 21 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया। अल्लाह गजनफर (2/31) को छोड़कर मुंबई का कोई भी गेंदबाज प्रभाव नहीं छोड़ सका।

आईपीएल में हार्दिक पंड्या का महा-रिकॉर्ड

> रसेल और पोलार्ड के खास क्लब में मारी एंट्री, ऐसा करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में भले ही मुंबई इंडियंस की टीम संघर्ष कर रही हो, लेकिन उनके कप्तान हार्दिक पंड्या ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान हार्दिक ने एक ऐसा कारनामा किया है, जिसे आज तक कोई भी भारतीय खिलाड़ी नहीं छू सका। आइए इस रिकॉर्ड के बारे में आपको बताते हैं।

वॉट्सन, पोलार्ड और रसेल के एलीट क्लब में शामिल

हार्दिक पंड्या अब आईपीएल इतिहास के उन चुनिंदा दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं जिनके नाम 2500+ रन, 50+ विकेट और 150 छक्के दर्ज हैं। हार्दिक से पहले यह कारनामा केवल तीन विदेशी ऑलराउंडर ही कर पाए थे। हार्दिक न केवल इस क्लब में शामिल होने वाले चौथे खिलाड़ी हैं, बल्कि वह पहले और एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने आईपीएल में यह जादुई आंकड़ा छुआ है।

पंजाब के खिलाफ पूरा किया 150 छक्कों का कोटा

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में हार्दिक ने जैसे ही अपनी पारी का पहला छक्का लगाया, उन्होंने आईपीएल में अपने 150 छक्के पूरे कर लिए। उनके नाम पहले से ही 2800 से ज्यादा रन और 80 विकेट दर्ज हैं। हालांकि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बावजूद हार्दिक के लिए यह रात कड़वी रही, क्योंकि उनकी टीम को पंजाब के हाथों 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा और वह खुद भी गेंद और बल्ले से ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

हार्दिक का आईपीएल करियर

हार्दिक ने साल 2015 में मुंबई इंडियंस से ही अपना सफर शुरू किया था। बीच में दो साल गुजरात टाइटंस की कप्तानी करने के बाद वह वापस मुंबई लौटे हैं।

टेनिस प्रशंसकों को झटका, मैड्रिड ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे जोकोविच

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने चोट के कारण मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया है। यह टूर्नामेंट 23 अप्रैल से शुरू होने वाला है, लेकिन जोकोविच ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी।

मैड्रिड ओपन से नाम वापस लेने पर क्या बोले जोकोविच?

जोकोविच ने बताया कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं और जल्द वापसी के लिए अपनी रिकवरी पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'अफसोस की बात है कि मैं इस साल मैड्रिड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा।

मैं जल्द ही वापसी करने के लिए अपनी रिकवरी जारी रखे हुए हूं। जल्द ही मिलते हैं!' टूर्नामेंट आयोजकों ने भी बयान जारी करते हुए कहा कि तीन बार के चैंपियन जोकोविच इस साल प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे और उम्मीद जताई कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। 39 वर्षीय जोकोविच पिछले एक महीने से कोर्ट से दूर हैं। उन्होंने अपना आखिरी मैच इंडियन वेल्स में खेला था, जहां चौथे राउंड में उन्हें जैक ड्रेपर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस साल जोकोविच ने केवल दो टूर्नामेंट खेले हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन में वह उपविजेता रहे, जबकि इंडियन वेल्स में राउंड ऑफ 16 तक पहुंचे। उन्होंने पिछले महीने मियामी ओपन से भी दाएं कंधे की चोट के कारण नाम वापस लिया था। जोकोविच हाल ही में हुए मोंटी कार्लो मास्टर्स में भी नहीं खेले, जहां यानिक सिनर ने कार्लोस अल्कारेज को हराकर पहली बार खिताब जीता।

डी कॉक ने धोनी को पीछे छोड़ा

मुंबई के सेकेंड इंडविजुअल स्कोरर भी बने श्रेयस के बेहतरीन कैच से हार्दिक आउट

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 के 24वें मैच में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े स्टेडियम में क्विंटन डी कॉक ने बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा 50+ स्कोर के मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ा। डी कॉक नाबाद 112 रन बनाकर मुंबई के लिए दूसरे सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोरर बने। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर के डाइविंग कैच से हार्दिक पंड्या पवेलियन लौटे।

डी कॉक ने 25वीं बार 50+स्कोर बनाया

क्विंटन डी कॉक ने आईपीएल में बतौर विकेटकीपर अपना 25वां 50+ स्कोर पूरा किया। सबसे ज्यादा फिफ्टी+ स्कोर के मामले में वे दूसरे स्थान पर पहुंच गए। विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा 50+ स्कोर केएल राहुल (31) के नाम हैं, जबकि उनके बाद एमएस धोनी (24), दिनेश कार्तिक (21) हैं। क्विंटन डी कॉक ने इस मैच में नाबाद 112 रन बनाकर मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया। इस लिस्ट में टॉप पर सनथ जयसूर्या (114)* हैं, जिन्होंने 2008 में यह पारी खेली थी। डी कॉक ने रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया।

डी कॉक का 9वां टी-20 शतक

टी-20 क्रिकेट में डी कॉक ने नौवां शतक पूरा किया। सबसे ज्यादा शतक के मामले में टॉप पर क्रिस गेल (22) हैं। उनके बाद बाबर आजम (11) और डेविड वॉर्नर (10) हैं। यह आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ किसी मुंबई बल्लेबाज का दूसरा शतक है। इससे पहले लेंडल सिमंस ने 2014 में मोहाली में नाबाद 100 रन बनाए थे। डी कॉक उन विकेटकीपर बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने आईपीएल की तीन अलग-अलग टीमों के लिए शतक लगाए हैं।

अगले हफ्ते धोनी आईपीएल में वापसी कर सकते हैं

वानखेड़े या चेपॉक में खेल सकते हैं; अभी काफ इंजरी से रिकवरी कर रहे हैं

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अगले हफ्ते आईपीएल में वापसी कर सकते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया ने टीम सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि उनकी चोट में तेजी से सुधार हो रहा है और वह आने वाले बड़े मुकाबलों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

धोनी को आईपीएल शुरू होने से करीब एक हफ्ते पहले प्रैक्टिस सेशन के दौरान पिंडली में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह टूर्नामेंट के शुरुआती तीन हफ्तों में नहीं खेल पाए। अब उनकी वापसी को लेकर कयास तेज हो गए हैं। संभावना है कि धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतर सकते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो वह 26 अप्रैल को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ चेपॉक स्टेडियम में खेलते नजर आ सकते हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में नहीं खेलेंगे

चेन्नई सुपर किंग्स का अगला मुकाबला शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से होना है। हालांकि, इस मैच में धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे। टीम मैनेजमेंट उनकी फिटनेस को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता। सीएसके के सूत्रों ने कहा,'धोनी अभी रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। हम उनकी फिटनेस के साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, इसलिए उन्हें पूरी तरह फिट होने का समय दिया जा रहा है।'

प्रैक्टिस सेशन में की लंबी बल्लेबाजी, रेंज हिटिंग पर फोकस

भले ही धोनी मैच नहीं खेल रहे हैं, लेकिन वे नेट प्रैक्टिस में लगातार पसीना बहा रहे हैं। धोनी ने हाल ही में नेट्स पर लंबी बल्लेबाजी की है। इस दौरान उन्होंने अपनी 'रेंज हिटिंग'पर खास काम किया। नेट सेशन के दौरान धोनी पुराने अंदाज में लंबे छक्के लगाते दिखे, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि वे अपनी लय हासिल कर चुके हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर हो सकता है इस्तेमाल

धोनी की वापसी के बाद सीएसके उन्हें किस भूमिका में रखेगी, यह देखना दिलचस्प होगा। वर्तमान में संजू सैमसन विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और संभावना है कि वे ही इसे जारी रखेंगे। ऐसे में टीम धोनी को 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर इस्तेमाल कर सकती है। इससे धोनी पर विकेटकीपिंग और दौड़ने का अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा और टीम उनकी पावर-हिटिंग का फायदा उठा सकेगी।

चेन्नई ने 5 में से 2 मैच जीते हैं

चेन्नई सुपर किंग्स ने अब तक 5 मैचों में से 2 में जीत दर्ज की है और वह अंक तालिका में फिलहाल 8वें स्थान पर है। धोनी की वापसी न केवल टीम के मध्यक्रम को मजबूती देगी, बल्कि उनकी रणनीतिक सूझबूझ से सीएसके को प्लेऑफ की दौड़ में वापस आने में मदद मिलेगी।

तेलंगाना एयरोस्पेस हब बनने की ओर अग्रसर : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के आईटी और उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना देश की भविष्य की एयरोस्पेस जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खुद को एक रणनीतिक हब के रूप में विकसित कर रहा है।

इसके लिए राज्य सरकार अनुसंधान एवं विकास, उन्नत विनिर्माण, प्रमाणन और अनुपालन पर आधारित एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार कर रही है। गच्चीबावली स्थित इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया में एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के हैदराबाद चैप्टर द्वारा आयोजित एयरोस्पेस में बदलता परिदृश्य: आरएंडडी, मैन्युफैक्चरिंग और सर्टिफिकेशन विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जो देश और राज्य इन तीन स्तंभों को सफलतापूर्वक एकीकृत करेंगे, वही वैश्विक नेतृत्व हासिल कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि एयरोस्पेस अब केवल विमान निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह किसी देश की रणनीतिक क्षमता, तकनीकी ताकत और आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुका है। श्रीधर बाबू ने बताया कि पहले यह क्षेत्र अमेरिका, रूस और यूरोप के वर्चस्व में था, लेकिन अब भारत वैश्विक एयरोस्पेस सप्लाई चेन में तेजी से अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। यूनेस्को के अनुमान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का समूह है, लेकिन एक की रिपोर्ट के अनुसार प्रयोगशालाओं में किए गए 30 प्रतिशत से भी कम शोध ही व्यावसायिक उत्पादन में बदल पाते हैं। राज्य सरकार इस अंतर को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। डेलॉइट की ग्लोबल एयरोस्पेस और डिफेंस सर्वे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 74 प्रतिशत एयरोस्पेस कंपनियों के प्रमुख अब कम लागत के बजाय मजबूत सप्लाई चेन और विनिर्माण क्षमता को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि बोइंग और एयरबस के अनुमान के अनुसार अगले दो दशकों में दुनिया को लगभग 42,000 नए विमानों की जरूरत होगी। तेलंगाना, विशेषकर हैदराबाद, इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रिसिजन इंजीनियरिंग, रक्षा निर्माण और एमएसएमई नेटवर्क को मजबूत कर रहा है। मंत्री ने कहा कि भारत अभी भी एयरोस्पेस परीक्षण और प्रमाणन के लिए विदेशी देशों पर निर्भर है, जिससे लागत बढ़ती है और उत्पादों को बाजार में लाने में 18 से 24 महीने तक की देरी होती है। उन्होंने केंद्र सरकार से हैदराबाद में विश्वस्तरीय एयरोस्पेस प्रमाणन इकोसिस्टम विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ड्रोन, पुन: प्रयोज्य रॉकेट, एआई आधारित एवियोनिक्स, 3डी प्रिंटिंग और उन्नत सामग्री जैसी उभरती तकनीकें एयरोस्पेस के भविष्य को आकार देंगी और तेलंगाना इन क्षेत्रों में तेजी से तैयारी कर रहा है। श्रीधर बाबू ने बताया कि हैदराबाद में 1,500 से अधिक एमएसएमई पहले से ही वैश्विक एयरोस्पेस कंपनियों को पुर्जे आपूर्ति कर रहे हैं, जिससे मेड इन तेलंगाना ब्रांड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है। कार्यक्रम के अंत में मंत्री ने एयरोस्पेस क्षेत्र में योगदान देने वाले वैज्ञानिकों और अन्य प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया।

बिजली कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त

सरकार के हस्तक्षेप के बाद बनी सहमति, वार्ता का भरोसा

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के हस्तक्षेप के बाद विद्युत विभाग के कारीगरों की जेएसी ने अपनी हड़ताल वापस ले ली। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के निर्देश पर ट्रांसको अधिकारियों से बातचीत शुरू होने के बाद यह निर्णय लिया गया। जेएसी अध्यक्ष सतीश रेड्डी ने बताया कि प्रजा भवन में उपमुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन मिला। उन्होंने कहा कि सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए संवाद के जरिए मुद्दों को सुलझाने पर जोर दिया है, खासकर गर्मी के दौरान बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए। बैठक में ट्रांसको के सीएमडी कृष्णा भास्कर, एमएलसी अद्दांकी दयाकर, आर्टिसन जेएसी के सह-अध्यक्ष चंद्र रेड्डी, श्रीधर गौड़, चंदर सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष संतोष और कोषाध्यक्ष प्रशांत सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पिता की मौत का सदमा न सह सकी छात्रा, आत्महत्या

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अपने पिता की मृत्यु का सदमा सहन न कर पाने के कारण एक इंजीनियरिंग छात्रा ने आत्महत्या कर ली। यह घटना पेटबशीरबाद क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले के चत्तराई की रहने वाली पामुलापति ज्ञानश्री (21) मल्ला रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक तीसरे वर्ष की छात्रा थी और मैसमगुडा के एक निजी गर्ल्स हॉस्टल में रहती थी। बताया गया कि उसके पिता चेन्नाकेसवा रेड्डी (जो एक सरकारी स्कूल शिक्षक थे) का 31 मार्च को बीमारी के कारण निधन हो गया था। पिता की मौत के बाद से वह काफी परेशान थी। पुलिस ने बताया कि ज्ञानश्री हाल ही में हॉस्टल लौटी थी और बुधवार को उसने एक परीक्षा भी दी थी, लेकिन गुरुवार को वह परीक्षा में शामिल नहीं हुई। शाम को वह अपने कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली। दोस्तों ने उसे देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने अपने पिता की मौत का गहरा दुख जताया और उनके बिना जीवन जीने में असमर्थता व्यक्त की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

उप्पल मेट्रो स्टेशन पर बम की अफवाह से मची अफरा-तफरी

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल मेट्रो स्टेशन पर शुक्रवार को बम की धमकी भरे फोन कॉल से यात्रियों में दहशत फैल गई। पुलिस के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर दावा किया कि स्टेशन परिसर में बम रखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाकर्मी तुरंत सक्रिय हो गए और बम निरोधक दस्ते तथा खोजी टीम को मौके पर बुलाया गया। पूरे स्टेशन परिसर की गहन जांच की गई, लेकिन तलाशी के बाद कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने पुष्टि की कि यह धमकी फर्जी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फर्जी कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसे पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है।

हैदराबाद शहर को नशा-मुक्त बनाने के उद्देश्य से कड़े कदम : सज्जनार

सीपी ने गांधी अस्पताल के डी-एडिक्शन केंद्र का दौरा किया

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर को नशा-मुक्त बनाने के उद्देश्य से कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। यह बात हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने स्पष्ट की। शुक्रवार को उन्होंने सिकंदराबाद स्थित गांधी अस्पताल के डी-एडिक्शन केंद्र का दौरा किया। हाल ही में टास्क फोर्स पुलिस द्वारा किए गए ड्रग टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए राउडी शीटरों से उन्होंने सीधे बातचीत की। आयुक्त ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति और नशे से बाहर आने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी ली। साथ ही परिजनों से बात कर पीड़ितों को मानसिक रूप से सहयोग देने की अपील की। इसके बाद उन्होंने डॉक्टरों के साथ बैठक कर काउंसलिंग और उपचार की प्रक्रिया की समीक्षा की। इस अवसर पर वीसी सज्जनार ने बताया कि शहर में कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले राउडी शीटरों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसके तहत 239 राउडी शीटरों का ड्रग टेस्ट किया गया, जिसमें 188 लोग पॉजिटिव पाए गए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 35 लोग गांधी डी-एडिक्शन केंद्र में उपचार ले रहे हैं, जबकि अन्य को अलग-अलग केंद्रों में काउंसलिंग दी जा रही है। एक सप्ताह पहले शुरू किए गए 15 दिन के विशेष काउंसलिंग और उपचार कार्यक्रम से सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई गई है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि शहर के सभी थानों में आधुनिक ड्रग डिटेक्शन किट उपलब्ध कराए गए हैं। विशेष रूप से रात के समय संदिग्ध रूप से घूमने वाले लोगों, खासकर युवाओं की अनिवार्य ड्रग जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी संदीप शांडिल्य के प्रस्तावों की सराहना करते हुए कहा कि राज्यभर में 35 डी-एडिक्शन केंद्रों की स्थापना देश के लिए एक आदर्श पहल है। इसे तेलंगाना सरकार का ऐतिहासिक निर्णय बताया गया। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां नशे के आदी लोगों को मुक्त करने के प्रयास जारी हैं, वहीं दूसरी ओर ड्रग तस्करों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों के खिलाफ हिस्ट्रीशीट खोलकर कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी और दोबारा पकड़े जाने पर सख्त सजा दी जाएगी। शहर में ड्रग नियंत्रण के लिए एच-न्यू विभाग की सराहना करते हुए उन्होंने आम जनता और स्वयंसेवी संस्थाओं से पुलिस का सहयोग करने की अपील की। इस कार्यक्रम में गांधी अस्पताल की अधीक्षक डॉ.एन. वाणी, मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. सुरेश, आरएमओ डॉ. शेषाद्रि, डॉ. युगेंदर, डॉ. सरिता, डिप्टी आरएमओ डॉ. रजनी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस विभाग से सिकंदराबाद डीसीपी रक्षिता कृष्णमूर्ति, टास्क फोर्स डीसीपी वैभव गायकवाड़ रघुनाथ और अतिरिक्त डीसीपी अंडे श्रीनिवास राव भी मौजूद थे।

हवाई अड्डे पर महिला यात्री से 3 किलो नशीला पदार्थ बरामद

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को एक महिला यात्री के पास से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया। जानकारी के अनुसार, बैंकॉक से थाई एयरवेज की उड़ान से पहुंची महिला की जांच के दौरान उसके पास से लगभग 3 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद किया गया। संदिग्ध महिला को तुरंत हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है, ताकि नशीले पदार्थ के स्रोत और उसके गंतव्य के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क से जुड़े होने की भी जांच की जा रही है।

तेजस्वी सूर्या के बयान पर कानूनी राय मांगी गई

करीमनगर, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या के बयान के मामले में विभाग ने कानूनी राय मांगी है। बताया गया कि सांसद ने गुरुवार को संसद में तेलंगाना के गठन की तुलना पाकिस्तान के भारत से अलग होने से की थी, जिस पर राज्यभर में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। इस मामले में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने डीजीपी को पत्र लिखकर सांसद के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। डीजीपी ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 105 के अनुसार, संसद या विधानसभा में दिए गए बयानों के लिए सदस्यों पर सीधे कार्रवाई करना संभव नहीं होता। हालांकि, इसके बावजूद मामले को कानूनी राय के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने यह जानकारी शुक्रवार को करीमनगर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी।

भू-भारती अधिनियम लागू होने के बाद भी जमीन विवाद नहीं सुलझे

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भू-भारती अधिनियम लागू होने के एक साल बाद भी किसानों के भूमि विवाद सुलझने के बजाय और जटिल होते नजर आ रहे हैं। सरकार ने इस कानून के जरिए पारदर्शी और किसान हितैषी व्यवस्था का वादा किया था, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई दे रही है। राजस्व विभाग को लाखों आवेदन मिलने के बावजूद बड़ी संख्या में मामले अब भी लंबित हैं। स्वीकृत आवेदनों की तुलना में खारिज किए गए मामलों की संख्या ज्यादा है, जिससे किसानों में असंतोष बढ़ रहा है। कई किसान सर्वे नंबर, जमीन के क्षेत्रफल और वर्गीकरण से जुड़े विवादों को लेकर लगातार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं। अधिनियम और उसके क्रियान्वयन के बीच तालमेल की कमी भी एक बड़ी समस्या बन गई है। नियम और दिशा-निर्देश स्पष्ट नहीं होने के कारण अधिकारी अपनी भूमिकाओं को लेकर असमंजस में हैं। तहसील स्तर पर निर्णय लेने की शक्ति सीमित है, जबकि अधिकतर फैसले जिला स्तर पर लंबित रहते हैं, जिससे छोटे मामलों में भी देरी हो रही है। अपीलीय व्यवस्था के अभाव ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। कानून में अपील का प्रावधान होने के बावजूद इसकी स्पष्ट प्रक्रिया तय नहीं है, जबकि अपील करने की समयसीमा लागू है। इससे प्रभावित किसानों के पास सीमित विकल्प ही बचते हैं। साथ ही, गरीब किसानों की सहायता के लिए प्रस्तावित कानूनी सहायता तंत्र भी अभी तक स्थापित नहीं हो पाया है। राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ी और पुराने रिकॉर्ड के आधार पर आवेदन खारिज किए जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। इस स्थिति के कारण कई वास्तविक लाभार्थी भूमि अधिकार और सरकारी योजनाओं से वंचित हो रहे हैं, जबकि कुछ लोग खामियों का फायदा उठा रहे हैं, जिससे समस्या और बढ़ती जा रही है।

हैदराबाद रेलवे स्टेशन पर 18.85 किलो गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस दौरान 18.852 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 9.42 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य फरार हैं। जानकारी के अनुसार, गुरुवार शाम करीब 6:45 बजे हैदराबाद जीआरपी, ईगल टीम (टीजीएएनबी) और आरपीएफ के अधिकारियों ने रेलवे स्टेशन पर सघन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर संदिग्ध हालत में खड़े दो युवकों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास मौजूद बैग से 9 पैकेट गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले के निवासी सूरज अनिल यादव (23) और प्रसाद महादेव मोहिते (23) के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि वे 'जगदीश' नामक एक तस्कर के संपर्क में आए थे, जिसने उन्हें राजमंड्री से सोलापुर तक गांजा पहुंचाने के लिए प्रति व्यक्ति 10 हजार रुपये देने का लालच दिया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी 15 अप्रैल को राजमंड्री पहुंचे, जहां 'कुमार' नामक एक अन्य तस्कर से गांजा लेकर ट्रेन से सोलापुर के लिए रवाना हुए। लेकिन सिकंदराबाद स्टेशन पर पुलिस जांच देखकर वे ट्रेन से उतर गए और हैदराबाद स्टेशन पहुंचकर दूसरी ट्रेन पकड़ने की फिराक में थे, तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक बैग, 18.852 किलो गांजा और एक मोबाइल फोन जब्त किया है। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई को डीएसआरपी सिकंदराबाद अर्बन एस.एन. जावेद और ईगल टीम के डीएसपी शंकर यादव के निर्देशन में अंजाम दिया गया। रेलवे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से महिला मजदूर की मौत, कई घायल

खम्मम, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के मधिरा क्षेत्र में आंध्र प्रदेश-तेलंगाना सीमा पर एक ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से एक महिला मजदूर की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, मधिरा के मदुपल्ली गांव से करीब 20 खेत मजदूर आंध्र प्रदेश के पेनुगांचीप्रोलू मंडल के शिवपुरम गांव में मिर्च तोड़ने के काम से गए थे। काम खत्म कर लौटते समय ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया। हादसे में वेलपुला अन्नपूर्णा (52) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राधा और सुल्ताना समेत कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर घायलों को खम्मम के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य का इलाज मधिरा सरकारी अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। मामले की जांच की जा रही है।

सिगाची विस्फोट के पीड़ितों को पूरा मुआवजा नहीं मिला : हरीश राव

सिद्दिपेट, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने सिगाची इंडस्ट्रीज के प्रबंधन के साथ मिलकर विस्फोट पीड़ितों के साथ धोखा किया है। शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और मंत्री दामोदरा राजनरसिम्हा ने 30 जून 2025 को हुए बड़े औद्योगिक विस्फोट में मारे गए 54 लोगों के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये मुआवजा देने का वादा किया था। उन्होंने बताया कि घटना के करीब एक साल बाद भी हर परिवार को औसतन सिर्फ 45.40 लाख रुपये ही मिले हैं, जबकि लगभग 54.30 लाख रुपये अभी भी बकाया हैं। हरीश राव के अनुसार, कंपनी प्रबंधन ने पीएफ, ईएसआई और बीमा जैसी सुविधाओं को भी मुआवजे में जोड़ दिया, जबकि ये पैसे कर्मचारियों के ही होते हैं।

उन्होंने इसे पीड़ित परिवारों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि सरकार द्वारा बनाई गई जांच समिति ने सुरक्षा में भारी लापरवाही पाई थी, लेकिन अब तक प्रबंधन के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई है। हरीश राव ने मांग की कि सरकार तुरंत पूरा 1 करोड़ रुपये मुआवजा दे और अगर ऐसा नहीं होता है, तो कंपनी की संपत्ति जब्त कर पीड़ितों को पैसा दिलाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होने से न्याय नहीं मिल पा रहा है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि विस्फोट में लापता हुए लोगों के परिवारों को भी सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़े, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई।

तेलंगाना में 89 हजार बच्चे दिहाड़ी मजदूरी में लगे : सर्वेक्षण

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 में कराए गए जाति सर्वेक्षण में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में 18 वर्ष से कम आयु के करीब 89,000 बच्चे दिहाड़ी मजदूरी करने को मजबूर हैं। तेलंगाना सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति (एसईईईपीसी) सर्वेक्षण-2024 में बताया गया है कि इन बाल श्रमिकों में 14 प्रतिशत अनुसूचित जाति के मदीगा और 11 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के लंबड़ी समुदाय से हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुल मिलाकर राज्य में 18 वर्ष से कम आयु के लगभग एक प्रतिशत बच्चे दिहाड़ी मजदूरी में लगे हुए हैं, जबकि कोलम जनजाति में यह आंकड़ा सबसे अधिक 7.2 प्रतिशत पाया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि औसत आंकड़े वास्तविक स्थिति को पूरी तरह नहीं दर्शाते। जब इसे संख्या के रूप में देखा जाता है, तो 89 हजार बच्चों का मजदूरी करना गंभीर सामाजिक और आर्थिक समस्या को उजागर करता है।

सर्वेक्षण के अनुसार, 25 से 65 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 31.3 प्रतिशत लोग भी दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर हैं। 56 प्रमुख जातियों में बीसी-ए ओड्डे जाति में यह अनुपात सबसे अधिक 55 प्रतिशत है, जो आर्थिक असुरक्षा को दर्शाता है। इसके विपरीत, ओसी ब्राह्मण समुदाय में केवल 2.6 प्रतिशत लोग ही दिहाड़ी मजदूरी करते हैं, जो उनकी अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक स्थिति को दिखाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न जातियों के बीच रोजगार के अवसरों और आर्थिक स्थिति में गहरी असमानता बनी हुई है। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि कई अनुसूचित जाति और जनजाति समुदायों में दिहाड़ी मजदूरी करने वालों की संख्या अधिक है, जबकि सामान्य वर्ग और कुछ अन्य समुदायों में यह संख्या कम है। यह सर्वेक्षण राज्य के 3.55 करोड़ लोगों के जीवन, स्थिति और सामाजिक-आर्थिक हालात को दर्शाता है, जो तेलंगाना समाज की वास्तविक तस्वीर पेश करता है।

डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी गिरोह का आरोपी गिरफ्तार

12 लाख रुपये नकद और पासपोर्ट बरामद

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद से एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का खुलासा हुआ है। साइबर क्राइम पुलिस ने क्राइम नंबर 341/2026 के तहत एक आरोपी गजरला अविनाश (26 वर्ष) को गिरफ्तार किया है, जो तेलंगाना के जगित्याल जिले का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी डेटा एंट्री नौकरी के बहाने कंबोडिया गया था, जहां उसे जबरन डिजिटल अरेस्ट स्कैम में शामिल किया गया। बाद में वह खुद इस अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क का सक्रिय सदस्य बन गया।

आरोपी लोगों को फोन कर खुद को पुलिस या कानून प्रवर्तन अधिकारी बताता था और उन्हें झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी देता था। डर के कारण पीड़ित लोग पैसे ट्रांसफर कर देते थे। यह रकम भारत में मौजूद म्यूल बैंक खातों के जरिए निकाली जाती थी। जांच में सामने आया है कि जनवरी और फरवरी 2026 के दौरान करीब 24 लाख रुपये की ठगी की गई, जिसे गिरोह के सदस्यों में बांट लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन, भारतीय पासपोर्ट और 12 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। आरोपी ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। फिलहाल पुलिस अन्य पीड़ितों की पहचान करने, पैसे के लेनदेन की कड़ी जोड़ने और इस गिरोह के बाकी सदस्यों को पकड़ने के लिए जांच आगे बढ़ा रही है। साइबर पुलिस ने जनता से सतर्क रहने की अपील की है और कहा है कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या ऑनलाइन ऑफर पर बिना जांच किए भरोसा न करें, क्योंकि साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.